RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:290। पेज:08। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 11 जून 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

प्रधानमंत्री को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी बधाई

दूरदर्शी संकल्प और नेतृत्व के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को प्रस्ताव पारित कर 10 जून को भारतीय लोकतंत्र की यात्रा का ऐतिहासिक पड़ाव बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। प्रस्ताव के अनुसार 'नरेन्द्र मोदी ने 4,399 दिनों की निरंतर सेवा पूरी कर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। '

मंत्रिमंडल ने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, जनभागीदारी और जनता के विश्वास का प्रतीक है। प्रस्ताव में उल्लेख किया गया कि यह अवसर

ऐसे समय आया है जब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने अपने 12 वर्ष पूरे किए हैं और वे लगभग 25 वर्षों की सतत शासन यात्रा के निकट पहुंच रहे हैं। प्रस्ताव में प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन को राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के प्रति समर्पण का उदाहरण बताया गया। इसमें कहा गया कि 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ गरीबों के कल्याण को शासन के केंद्र में रखा गया।

सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आवास, बिजली, स्वच्छ जल, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन तथा करोड़ों गरीबों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। युवाओं, महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण को भी प्रस्ताव में प्रमुखता से रेखांकित किया गया। स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार, चंद्रयान मिशन, महिला आरक्षण, लखपति दीदी अभियान और पीएम किसान सम्मान निधि जैसी पहलों का उल्लेख किया गया।

प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, जीएसटी, वन रैंक वन पेंशन, नागरिकता संशोधन अधिनियम, नए आपराधिक कानूनों तथा श्रम सुधारों को महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई, आत्मनिर्भर भारत, जी-20 की सफल अध्यक्षता तथा वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका को भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में रेखांकित किया गया।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक

अहमदाबाद मेट्रो फेज-2 को मंजूरी: वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शहरी विकास और बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को रफ्तार देने के लिए अहम कदम उठाए हैं। केंद्रीय कैबिनेट की हालिया बैठक में कई बड़े और दूरगामी प्रभाव वाले फैसले लिए गए हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश के अमरावती के विकास से लेकर गुजरात के अहमदाबाद में मेट्रो रेल के विस्तार की योजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही, देश के राजनीतिक इतिहास में एक नया मील का पत्थर भी जुड़ गया है।

अहमदाबाद-गांधीनगर रूट का भविष्य कैसा होगा?

इस नए मेट्रो कॉरिडोर के चालू होने के बाद गुजरात के दो प्रमुख शहरों (अहमदाबाद और गांधीनगर) की कनेक्टिविटी पहले से कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी। चरण 2ए का काम पूरा होने और इसके शुरू होने पर, अहमदाबाद-गांधीनगर मार्ग पर कुल 77.63 किलोमीटर लंबा एक सक्रिय और विशाल मेट्रो रेल नेटवर्क आम जनता के उपयोग के लिए उपलब्ध हो जाएगा।

टीएमसी में टूट जारी...

एक और राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव का इस्तीफा

अब तक 58 विधायक, 20 लोकसभा सांसद अलग हुए

एजेंसी

कोलकाता। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में लगातार टूट जारी है। बुधवार को राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद वह असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मिलने पहुंचीं, जिसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। पिछले 3 दिनों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं।

इससे पहले 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था, पार्टी भी छोड़ दी थी। टीएमसी के लोकसभा में 28 में से 20 सांसद और राज्यसभा में 13 में से 2 सांसद यानी कुल 22 सांसद टूट चुके हैं।

इस्तीफे पर सुष्मिता देव ने दिया जवाब

सुष्मिता देव ने राज्यसभा सदस्यता और तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि कुछ राजनीतिक और व्यक्तिगत कारण के चलते इस्तीफा दिया है। सुष्मिता देव ने बातचीत में कहा, 'मेरे कुछ राजनीतिक और व्यक्तिगत कारण हैं। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती।' उन्होंने कहा, 'आज सुबह मैंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और लगभग 11 बजे उपराष्ट्रपति को राज्यसभा से अपना इस्तीफा सौंप दिया। यह तय करना मेरा अधिकार है कि मैं किस तरह की राजनीति करूंगी, कहां करूंगी या राजनीति में बनी भी रहूंगी या नहीं। यह तय करने के लिए मुझे कुछ दिनों का समय चाहिए।'

● इस बीच ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की। एक दिन पहले ममता सोनिया गांधी से मिलीं थीं। मुलाकात के बाद अब ममता कोलकाता लौट चुकी हैं।

ममता के पास अब सिर्फ 22 विधायक और 19 सांसद बचे

टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से दो सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 11 राज्यसभा सांसद बचे हैं। विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीतीं थीं। ममता के पास सिर्फ 22 विधायक बचे हैं।

परिमल नाथवानी को चुनाव आयोग की हरी झंडी

कांग्रेस की आपत्तियां खारिज, अब क्रॉस वोटिंग पर टिकी सबकी नजर

एजेंसी

कोलकाता। झारखंड राज्यसभा चुनाव की दो सीटों के लिए नामांकन पत्रों की जांच के बाद निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी की उम्मीदवारी को मंजूरी मिल गई है। उनके नामांकन पत्र में कथित तौर पर तीन बिंदुओं पर आपत्तियां दर्ज की गई थीं, जिसके कारण विधानसभा प्रभारी सचिव एवं रिटर्निंग ऑफिसर रंजीत कुमार ने उनके नामांकन को फिलहाल होल्ड पर रखा था।

स्पष्टीकरण के बाद मिली राहत- बाद में परिमल नाथवानी से संबंधित बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा गया। नाथवानी द्वारा दिए गए जवाबों से रिटर्निंग ऑफिसर संतुष्ट हुए, जिसके बाद उनके नामांकन पत्र को वैध घोषित कर दिया गया। साथ ही कांग्रेस की ओर से उठाई गई आपत्तियों को भी खारिज कर दिया गया।

अब मैदान में बचे तीन दावेदार- अब चुनावी मैदान में तीन उम्मीदवार रह गए हैं। इनमें झामुमो उम्मीदवार बैद्यनाथ राम, कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा और भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी शामिल हैं।

अटकलों के बीच नतीजों पर टिकी निगाहें

हालांकि यह ध्यान देने योग्य है कि विधायकों की खरीद-फरोख्त या हॉर्स ट्रेडिंग से जुड़े किसी भी दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे दावे फिलहाल राजनीतिक चर्चाओं और अटकलों का हिस्सा हैं। चुनाव परिणाम और मतदान के दौरान विधायकों का रुख ही अंतिम तस्वीर स्पष्ट करेगा।

नाथवानी की राह में बड़ी चुनौती

एनडीए के पास 24 विधायक हैं। ऐसे में नाथवानी को जीत के लिए अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव परिणाम काफी हद तक प्राथमिकता वोटों और विभिन्न दलों के विधायकों की रणनीति पर निर्भर करेगा।

उत्तराखंड के मसूरी में 500 मीटर गहरी खाई में कार पलटी

चार लोगों की मौत

देहरादून । उत्तराखंड के मसूरी में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक कार के लगभग 500 मीटर गहरी खाई में गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद आईटीबीपी, एसडीआरएफ, पुलिस, फायर सर्विस और चिकित्सा विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। यह हादसा सुबह करीब 9 बजे झड़ीपानी-कोलूखेत शॉर्टकट मार्ग पर हुआ। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस कंट्रोल रूम (112) को सुबह 9:16 बजे सूचना मिली कि झड़ीपानी रोड पर एक वाहन गहरी खाई में गिर गया है। सूचना मिलते ही मसूरी पुलिस, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड और 108 एंबुलेंस सेवा की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे से पहले कार एक सड़क किनारे दुकान पर रुकी थी। कार में सवार लोगों ने दुकानदार को बताया था कि वे उत्तरकाशी से आ रहे हैं। कुछ सामान खरीदने के बाद जैसे ही सभी लोग वापस कार में बैठे, वाहन अचानक तेज गति से ढलान की ओर लुढ़कने लगा।

बंगाल सरकार में विभागों का बंटवारा

शुभेंदु ने संभाला गृह, भूमि व ऊर्जा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की नई सरकार में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंत्रिपरिषद के बीच विभागों का विस्तृत बंटवारा कर दिया

स्वपन दासगुप्ता को वित्त, अग्निमित्रा को शहरी विकास मंत्रालय

है। राज्य सरकार के गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार मुख्यमंत्री ने कई अहम विभाग अपने पास रखे हैं, जबकि कैबिनेट मंत्रियों, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों और राज्य मंत्रियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। विभागों के आवंटन के साथ ही नई सरकार का

प्रशासनिक ढांचा पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गृह एवं पर्वतीय मामले विभाग, भूमि एवं भूमि सुधार तथा शरणार्थी राहत एवं पुनर्वास विभाग, विद्युत विभाग, सूचना एवं संस्कृति विभाग, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग सहित वे सभी विभाग अपने पास रखे हैं, जो किसी अन्य मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं। इससे स्पष्ट है कि सरकार की आंतरिक सुरक्षा, प्रशासनिक नियंत्रण और भूमि संबंधी नीतियों पर मुख्यमंत्री की सीधी निगरानी रहेगी।

शताब्दी रॉय ने ममता पर साधा निशाना, कहा- 20 सांसदों का साथ जाना पार्टी नेतृत्व की विफलता; उठाए कई सवाल

कोलाकाता। तृणमूल कांग्रेस की नेता शताब्दी रॉय ने पार्टी की मौजूदा स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर सिर्फ दो सांसद पार्टी छोड़ते, तो इसे व्यक्तिगत समस्या माना जा सकता था। लेकिन जब बीस सांसद पार्टी छोड़कर चले गए, तो यह साफ है कि पार्टी के अंदर बड़ी समस्याएं थीं। पार्टी ने इन दिक्कतों को कभी नहीं पहचाना और न ही उन्हें सुलझाने की कोशिश की। यह सब उसी का नतीजा है। शताब्दी रॉय ने कहा, यह कहना गलत है कि गलती हमारी है। अगर ममता बनर्जी या अभिषेक बनर्जी ने हमारी बात सुनी होती, तो हालात अलग होते। उन्होंने बताया कि जब भी उन्होंने किसी प्रोजेक्ट या काम को लेकर बात करनी चाही।

कांग्रेस में नेतृत्व का अभाव

राहुल गांधी को कुछ लोगों ने मजबूरी में आगे बढ़ाया: किरेन रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को सराहा है और उनकी उपलब्धियों को गिनाया है। इसके साथ ही, रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया है और कहा कि राहुल का कोई नेतृत्व नहीं है। कांग्रेस में कुछ लोगों ने उन्हें मजबूरी में आगे बढ़ा रखा है। क्या भाजपा को भरोसा है कि 2029 में वह अपने दम पर 300 से अधिक सीटें हासिल कर सकती है? इस सवाल पर किरेन रिजिजू ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मुझे साफ दिखाई देता है कि देश को 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लिए लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छोड़कर किसी और के बारे में नहीं सोचते हैं।' उन्होंने कहा, 'विपक्ष अपनी बात करता है और लोकतंत्र में उसे अधिकार भी है। देश के लोगों को भी अच्छे से मालूम है कि जो 50 साल में नहीं हो पाया, वो पीएम मोदी ने 12 सालों में करके दिखाया है। सड़क बनाने की गति, रेलवे का विद्युतीकरण, एयरपोर्ट, घरों तक बिजली-पानी व गरीबों को घर, किसी भी क्षेत्र में देख सकते हैं, कोई

तुलना नहीं की जा सकती है। 2014 से पहले देश चल रहा था, लेकिन 2014 के बाद देश दौड़ रहा है। ' उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' बनाने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने जो काम किया है, वह निरंतर चलता रहेगा और देश की जनता का भी यही मानना है। जनता खुद कहती है कि 'मोदी देश की जरूरत हैं।

नीति आयोग की बैठक गुरुवार को

केंद्र व राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाने पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली । नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक गुरुवार को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित की गयी है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय बढ़ाने, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सुशासन, साझेदारी और डेटा आधारित प्रणालियों के बेहतर उपयोग पर चर्चा होगी। नीति आयोग के अनुसार इस वर्ष बैठक का विषय 'विकसित भारत @2047 के लिए समावेशी मानव विकास' रखा गया है, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक के समग्र विकास और कल्याण के लिए साझा रणनीति तैयार करना है। बैठक प्रधानमंत्री मोदी के 'टीम इंडिया' के विजन के अनुरूप आयोजित की जा रही है। इसमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल,

प्रशासक, केंद्रीय मंत्री तथा नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाग लेंगे। बैठक में इस बात पर विचार किया जाएगा कि विकसित भारत के लक्ष्य को ठोस और मापनीय परिणामों में कैसे बदला जाए ताकि देश के हर नागरिक को इसका लाभ मिल सके।बैठक में समावेशी मानव विकास ढांचे के चार प्रमुख स्तंभों पर चर्चा होगी। इनमें आधारभूत मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल, उत्पादक रोजगार एवं उद्यमिता, स्वास्थ्य-पोषण एवं कल्याण तथा सभी के लिए समानता और गरिमा शामिल हैं। इसके अलावा उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल विकास को मजबूत करने और देशभर में टिकाऊ रोजगार अवसर सृजित करने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में राज्यों के विकास दृष्टिकोण को राष्ट्रीय समावेशी मानव विकास दृष्टि के साथ जोड़ने पर विशेष बल रहेगा।

सेना प्रमुख ने नॉर्दर्न कमांड का किया दौरा

ऑपरेशन की तैयारियों का लिया जायजा

एजेंसी

जम्मू। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर के उधमपुर ज़िले में नॉर्दर्न कमांड हेडक्वार्टर का दौरा किया और वहां ऑपरेशनल तैयारी क्षमता विकास और चल रहे आधुनिकीकरण के कामों का जायज़ा लिया। सेना के एडिशनल डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ पब्लिक इन्फॉर्मेशन के मुताबिक इस दौरान सेना प्रमुख को मल्टी-डोमेन ऑपरेशन, टेक्नोलॉजी को अपनाने, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और सभी तरह के मिलिट्री ऑपरेशन में इंटीग्रेटेड कॉम्बैट तैयारी के बारे में जानकारी दी गई। एडीजीपीआई ने बताया कि नॉर्दर्न कमांड और अलग-अलग फॉर्मेशन हेडक्वार्टर के अधिकारियों के साथ हाइब्रिड तरीके से बातचीत करते हुए जनरल द्विवेदी ने तेज़ी से बदलते सुरक्षा माहौल में ऑपरेशनल असरदारता बढ़ाने के लिए नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने और इनोवेशन को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया। उन्होंने ऑपरेशनल क्षमताओं को मज़बूत करने और सुरक्षा की नई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयारी सुनिश्चित करने के उपायों की भी समीक्षा की। सभी रैंक के जवानों की अटूट प्रतिबद्धता और ऑपरेशनल उत्कृष्टता की तारीफ़ करते हुए उन्होंने कॉम्बैट तैयारी के ऊंचे स्तर को बनाए।

मोदी और नेहरू की तुलना नहीं, यह केवल रिकॉर्ड का विषय: देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच किसी प्रकार की तुलना या प्रतिस्पर्धा नहीं है। यह केवल सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने के रिकॉर्ड से जुड़ा विषय है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 27वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के अवसर पर मुंबई स्थित वाय. बी. चव्हाण सेंटर में आयोजित समारोह में वरिष्ठ नेता शरद पवार ने कहा था कि नेहरू और मोदी की तुलना नहीं की जा सकती। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा कि, 'देश के निर्वाचित प्रधानमंत्रियों में नेहरूजी के नाम 4,398 दिनों तक पद पर रहने का रिकॉर्ड था, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब 4,399 दिन पूरे कर चुके हैं और आगे भी इस पद पर बने रहेंगे। इसके अलावा किसी प्रकार की तुलना का प्रश्न ही नहीं उठता।' उन्होंने कहा कि 'नेहरू ने अपने समय में जो कार्य किए, उसे देश जानता है और मोदी ने पिछले एक दशक में जो कार्य किए हैं, वे भी सबके सामने हैं। नए भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए किसी तुलना की आवश्यकता नहीं है।'

खड़िया में पैरोल पर छूटे सजायाफ्ता कैदी पर हंगामे और धमकी के आरोप, पुलिस जांच में जुटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के खड़िया क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बॉबी हत्याकांड में सजायाफ्ता आरोपी मोंटू नामदार पर पैरोल के दौरान सार्वजनिक स्थान पर हंगामा करने, ट्रैफिक बाधित करने तथा मामले के मुख्य शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगे हैं। शिकायतकर्ता की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, पैरोल पर जेल से बाहर आए मोंटू नामदार ने कथित रूप से खड़िया क्षेत्र में बीच सड़क पर पटाखे फोड़कर जश्न मनाया। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि इस दौरान सड़क पर काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी ने कथित रूप से नशे की हालत में हुड़दंग मचाया और आसपास के क्षेत्र में भय का माहौल पैदा कर दिया। आरोप है कि इसी दौरान बॉबी हत्याकांड के मुख्य शिकायतकर्ता को भी खुलेआम धमकी दी गई। धमकी मिलने के बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस का रुख किया और अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और पैरोल पर रिहा कैदियों की निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह गंभीर विषय है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई आवश्यक है। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और आरोपी के खिलाफ आगे क्या कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मानसून से पहले जलभराव की समस्या को लेकर लोगों में चिंता, तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर स्थायी समाधान की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माणावदर। माणावदर शहर में मानसून से पहले जलभराव की समस्या को लेकर स्थानीय नागरिकों में चिंता बढ़ गई है। पावर हाउस से कृष्णा पार्क होटल तक के क्षेत्र में बारिश के पानी की निकासी का गंभीर मुद्दा लंबे समय से बना हुआ है। विशेष रूप से गिरिराजनगर, अमृतनगर और गोकुलनगर के निवासियों को हर वर्ष जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मानसून के दौरान इन सोसायटियों में भारी मात्रा में पानी भर जाता है। उचित निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी घरों में घुस जाता है, जिससे घरेलू सामान को नुकसान पहुंचता है और लोगों को आर्थिक हानि उठानी पड़ती है। समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर सोसायटी के निवासियों ने माणावदर तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार एवं आपदा प्रबंधन शाखा को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्षा जल निकासी की तत्काल और स्थायी व्यवस्था करने की मांग की गई है, ताकि आने वाले मानसून में नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। नागरिकों की शिकायत पर माणावदर तहसीलदार ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि लोगों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए वर्षा जल निकासी संबंधी आवश्यक कार्य जल्द शुरू किए जाएंगे। स्थानीय निवासियों को उम्मीद है कि प्रशासन समय रहते प्रभावी कदम उठाएगा, जिससे इस वर्ष मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से राहत मिल सके।

विजय उर्फ संतो को हरखोल गांव की सीमा से 1.80 लाख रुपये की विदेशी शराब के साथ पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। विकास कार्यों में बरती जा रही लापरवाही एक बार फिर एक परिवार के लिए जानलेवा साबित हुई है। डभोई तालुका के वसई-तरसाणा मार्ग पर स्थित बामणिया नाले के पास चल रहे निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण 45 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में ठेकेदार और संबंधित विभाग के खिलाफ लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाघोडिया तालुका के अंटोली गांव निवासी संजयभाई प्रभातभाई वसावा (45) डभोई में अपना निजी कार्य पूरा कर बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। देर रात जब वह वसई-तरसाणा मार्ग से गुजर रहे थे, तब बामणिया नाले के पास चल रहे निर्माण कार्य का उन्हें अंदाजा नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि निर्माण स्थल पर किसी प्रकार का चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, प्रकाश व्यवस्था या सुरक्षा अवरोध नहीं लगाया गया था। अंधेरे के कारण उनकी बाइक सीधे नाले के गहरे में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि गंभीर चोटों के चलते उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा के बुनियादी नियमों का पालन नहीं किया गया। सामान्यतः ऐसे स्थानों पर रिफ्लेक्टर, चेतावनी संकेतक, लाल पट्टी, बैरिकेडिंग और 'आगे कार्य जारी है' जैसे बोर्ड लगाए जाते हैं, ताकि वाहन चालक समय रहते सतर्क हो सकें। लेकिन घटनास्थल पर ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। लोगों का कहना है कि यदि आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए होते तो यह हादसा टाला जा सकता था। संजयभाई वसावा की मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का कहना है कि एक जिम्मेदार व्यक्ति और परिवार के मुखिया की मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

खनिज माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा: पंचमहल में अवैध खनिज परिवहन करते दो वाहन जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा। पंचमहल जिले में अवैध खनन और खनिज परिवहन में लिप्त तत्वों के खिलाफ खनन एवं भू-विज्ञान विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो वाहनों को जब्त किया है। विभाग द्वारा की गई दो अलग-अलग छापेमार कार्रवाइयों में 40 लाख रुपये से अधिक का माल और वाहन जब्त किए गए हैं। इस कार्रवाई के बाद जिले में सक्रिय खनिज माफियाओं में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंचमहल जिला खनन विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर शेहरा तहसील के डेमली गांव के निकट निगरानी रखी हुई थी। इसी दौरान साधारण रेत से भरे एक डंपर को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान चालक वैध दस्तावेज और अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके चलते विभाग ने डंपर को जब्त कर लिया। वहीं दूसरी कार्रवाई में गोधरा के पॉपटपरा क्षेत्र के पास एक ट्रक को रोककर जांच की गई। जांच में पाया गया कि ट्रक में निर्धारित क्षमता से अधिक मात्रा में सफेद पत्थर भरा हुआ था। ओवरलोड खनिज परिवहन के मामले में विभाग ने ट्रक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। खनन विभाग ने दोनों वाहनों समेत करीब 40 लाख रुपये से अधिक मूल्य का माल जब्त किया है।

क्या खेड़ा जिले में SP के आदेशों से ऊपर हैं 'वहीवटदार'...?

SP का आदेश बेअसर या रसूख का खेल ? दो महीने बाद भी ट्रांसफर आदेश ठंडे बस्ते में, पुलिस सिस्टम पर उठे बड़े सवाल

क्या जिले में कुछ लोग नियमों से ऊपर हो चुके हैं? क्या ट्रांसफर आदेश अब सिर्फ फाइलों की शोभा बनकर रह गए हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नडियाद। खेड़ा जिले के पुलिस प्रशासन को लेकर इन दिनों एक ऐसा मामला चर्चा के केंद्र में है जिसने न केवल विभागीय अनुशासन बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। मामला एक ट्रांसफर आदेश से जुड़ा है, लेकिन इसके पीछे उठ रहे सवाल कहीं अधिक बड़े और चिंताजनक हैं। जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा 1 अप्रैल 2026 को जारी किए गए एक आधिकारिक आदेश की चर्चा आज भी पुलिस महकमे, प्रशासनिक गलियारों और आम नागरिकों के बीच बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार लिम्बासी क्षेत्र में तैनात विपुल रबारी का तबादला अतरसुंबा पुलिस स्टेशन में किया गया था। लेकिन आदेश जारी होने के दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कथित रूप से स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी है। यदि यह चर्चा सही है, तो सवाल केवल एक व्यक्ति की पोस्टिंग का नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली का है। सवाल सिर्फ ट्रांसफर का नहीं, सिस्टम की विश्वसनीयता का है पुलिस विभाग में ट्रांसफर और पोस्टिंग महज प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं होती। यह अनुशासन, जवाबदेही और निष्पक्षता का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। विभागीय आदेशों का समय पर पालन ही किसी संगठन की कार्यक्षमता को दर्शाता है। लेकिन यदि जिले के सर्वोच्च पुलिस अधिकारी द्वारा जारी आदेश ही लंबे समय तक जमीन पर पूरी तरह प्रभावी न दिखाई दे, तो आम कर्मचारी और जनता दोनों के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या जिले में कुछ ऐसे प्रभावशाली लोग मौजूद हैं जिनके सामने प्रशासनिक आदेश भी कमजोर पड़ जाते हैं? क्या राजनीतिक संरक्षण और व्यक्तिगत प्रभाव व्यवस्था से बड़ा हो चुका है? क्या कुछ लोगों के लिए नियम अलग हैं और बाकी कर्मचारियों के लिए अलग?

चर्चा में उठ रहे बड़े सवाल

1 अप्रैल 2026 को जारी हुआ ट्रांसफर आदेश, नई पोस्टिंग अतरसुंबा पुलिस स्टेशन बताई गई, ? दो महीने बाद भी आदेश की स्थिति पर सवाल, पुलिस महकमे में अनुशासन को लेकर चर्चा तेज, क्या प्रभावशाली नेटवर्क आदेशों को प्रभावित कर रहा है? क्या नियम सभी पर समान रूप से लागू हो रहे हैं? क्या खेड़ा में बन गया है 'पसंदीदा पोस्टिंग क्लब'? जिले के विभिन्न हलकों में लंबे समय से यह चर्चा होती रही है कि कुछ प्रभावशाली कर्मचारी वर्षों तक अपनी पसंदीदा जगहों पर टिके रहते हैं। विभागीय फेरबदल होते हैं, अधिकारी बदलते हैं, आदेश जारी होते हैं, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं जिनकी स्थिति में बहुत कम बदलाव देखने को मिलता है। यदि यह धारणा सही है, तो यह स्थिति किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यक्ति नहीं, नियम सर्वोच्च होने चाहिए। कई सेवानिवृत्त अधिकारियों का भी मानना है कि यदि ट्रांसफर नीति का समान रूप से पालन न हो, तो इससे पूरे विभाग का मनोबल प्रभावित होता है। जो कर्मचारी नियमों का पालन करते हैं, उनके मन में भी असमानता की भावना पैदा होती है।

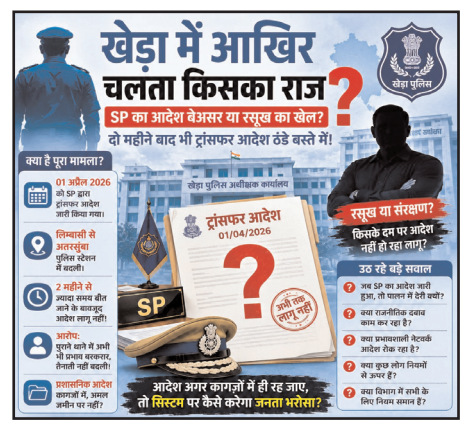

महानगर मेट्रो का सीधा सवाल

क्या खेड़ा जिले में वर्दी से बड़ा रसूख हो गया है? क्या SP का आदेश अंतिम है या फिर कोई ऐसी अदृश्य शक्ति सक्रिय है जिसके सामने प्रशासनिक फैसले भी बौने साबित हो जाते हैं? अगर आदेश लागू नहीं होता, तो आखिर जिले में असली राज किसका चल रहा है?

सूरत के बिजनेसमैन के बेटे का मामला: 'धुरंधर' देखने के बाद अहमदाबाद के स्पोर्ट्स क्लब को बम से उड़ाने की धमकी वाला लेटर लिखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। अहमदाबाद और सूरत के बीच फिल्मों के नशे में युवा कैसे गंभीर अपराध करते हैं, इसकी एक जीती-जागती कहानी सामने आई है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' देखने का रोमांच महसूस करने के लिए सूरत के एक बड़े बिजनेसमैन के बेटे ने अहमदाबाद के मशहूर कर्णावती स्पोर्ट्स क्लब को बम से उड़ाने की धमकी भरा लेटर भेजा। इस मामले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

धमकी मिलने के बाद पुलिस हाई-प्रोफाइल क्लब पहुंची

मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद के शानदार कर्णावती स्पोर्ट्स क्लब के मैनेजमेंट को एक अनजान लेटर मिला जिसमें क्लब परिसर में बम ब्लास्ट की धमकी दी गई थी। क्योंकि इस हाई-प्रोफाइल क्लब में हर दिन हजारों मेंबर आते हैं, इसलिए सिस्टम में भारी हंगामा मच गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और क्राइम ब्रांच की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। पूरे क्लब की तलाशी लेने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली क्योंकि उन्हें कोई संदिग्ध चीज़ नहीं मिली, लेकिन उन्होंने धमकी देने वाले मानसिक रूप से परेशान व्यक्ति को पकड़ने के लिए अपनी टीम तैयार कर ली। पुलिस ने क्लब के आसपास लगे CCTV फुटेज, लेटर कहां से और कैसे आया, इसके सुराग और सोशल मीडिया और IP एड्रेस को ट्रैक करना शुरू किया। सारे टेक्निकल सबूत सूरत की ओर इशारा कर रहे थे। जांच के आखिर में पुलिस ने सूरत के एक बड़े बिजनेसमैन के बेटे को हिरासत में लिया। जैसे ही आरोपी कानून के शिकंजे में आया, वह टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

सिर्फ 'थ्रिल' और पब्लिसिटी के लिए

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने जो खुलासा किया वह चौंकाने वाला था। उसने बताया कि उसने हाल ही में थिएटर में 'धुरंधर' फिल्म देखी थी। फिल्म में दिखाए गए सस्पेंस और क्राइम सीन देखकर उसके मन में कुछ नया और रोमांचक (थ्रिल) करने का आइडिया आया। उसने पुलिस को दौड़ाने और खबरों में रहने का स्वाद चखाने के लिए यह पूरी योजना बनाई थी। उसका इरादा कोई असली धमाका करने का नहीं था, बल्कि बस आइडिया का मज़ा लेना था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कोई आदतन क्रिमिनल नहीं है, लेकिन फिल्मी क्रेज़ और सोशल मीडिया के ज़माने में सस्ती पब्लिसिटी पाने के पागलपन में उसने यह गंभीर जुर्म किया है। फिलहाल, आरोपी के खिलाफ जनता में डर फैलाने और धमकी देने का केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। यह केस साबित करता है कि रील लाइफ के स्टंट रियल लाइफ में कितने भारी पड़ सकते हैं।

साइबर क्राइम के नाम पर बैंक अकाउंट फ्रीज करने पर हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात हाई कोर्ट ने साइबर क्राइम की जांच के नाम पर आम नागरिकों और बिजनेसमैन के बैंक अकाउंट को अंधाधुंध फ्रीज करने की पुलिस की प्रैक्टिस पर आंखें मूंद ली हैं। एक बहुत ही अहम फैसले में हाई कोर्ट ने साफ किया है कि सिर्फ शक के आधार पर या बिना जुर्म साबित हुए किसी भी नागरिक का बैंक अकाउंट फ्रीज करना उसके संवैधानिक अधिकारों का पूरी तरह से उल्लंघन है। कोर्ट के इस आदेश से उन हजारों बेगुनाह लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जो साइबर पुलिस हैरेसमेंट के शिकार हैं।

जांच के नाम पर जनता को परेशान करना जायज़ नहीं: हाई कोर्ट

हाल ही में हाई कोर्ट में फाइल की गई अलग-अलग पिटीशन की सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि साइबर फ्रॉड के छोटे-बड़े कनेक्शन के नाम पर पुलिस द्वारा पूरे बैंक अकाउंट लॉक किए जा रहे हैं। जिससे आम आदमी अपने ही पैसे का इस्तेमाल नहीं कर पाता और उसकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी और बिजनेस में बड़ा फाइनेंशियल संकट पैदा हो जाता है। इस मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि बैंक अकाउंट और उसमें जमा रकम संविधान के आर्टिकल 300 के तहत किसी व्यक्ति की प्रॉपर्टी है। बिना कानूनी प्रक्रिया और ठोस सबूत के किसी को किसी की प्रॉपर्टी इस्तेमाल करने से नहीं रोका जा सकता।

फैसले की मुख्य और अहम बातें:

सिर्फ़ शक के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं: अगर किसी अकाउंट में कोई संदिग्ध ट्रांज़ैक्शन होता है, तो सिर्फ़ उसी वजह से पूरा अकाउंट फ्रीज़ नहीं किया जा सकता। पूरा अकाउंट फ्रीज़ करने पर रोक: अगर अकाउंट में कोई धोखाधड़ी वाली रकम आई है, तो अकाउंट सिर्फ़ उस खास रकम के लिए ही होल्ड किया जा सकता है, पूरे अकाउंट का ट्रांज़ैक्शन बंद नहीं किया जा सकता। ट्रेडर्स के लिए बड़ी राहत: ऑनलाइन बिज़नेस करने वाले ट्रेडर्स के अकाउंट में अगर अनजाने में कोई संदिग्ध पेमेंट आता है, तो पहले पुलिस सीधे अकाउंट बंद कर देती थी, जो अब बिना जुर्म साबित हुए नहीं किया जा सकता।हाई कोर्ट के इस लैंडमार्क जजमेंट के बाद अब साइबर पुलिस के मनमाने प्रोसेस पर रोक लग जाएगी।

मकान कर में राहत दिलाने के नाम पर 3,500 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत महानगरपालिका के वराछा जोन में कार्यरत एक क्लर्क को रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी क्लर्क राकेशकुमार चंदुभाई श्रीमाली पर मकान कर कम कराने और आवासीय श्रेणी में कर जारी रखने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता के मकान के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक कमरे में साड़ियों का सामान रखा हुआ था। वराछा जोन के आकलन विभाग में कार्यरत क्लर्क राकेश श्रीमाली ने निरीक्षण के दौरान उस कमरे को गोदाम (कमर्शियल उपयोग) के रूप में दर्ज कर दिया। आरोप है कि क्लर्क ने शिकायतकर्ता को यह कहकर डराया कि कमरे को गोदाम घोषित किए जाने पर मकान का वार्षिक कर लगभग 12 हजार रुपये तक बढ़ जाएगा। इसके बाद उसने उक्त संपत्ति को आवासीय श्रेणी में ही बनाए रखने और कर में राहत दिलाने के बदले रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने एंटी करप्शन ब्यूरो से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर एसीबी ने वराछा जोन कार्यालय में जाल बिछाया। ट्रैप के दौरान आरोपी क्लर्क राकेशकुमार चंदुभाई श्रीमाली ने शिकायतकर्ता से 3,500 रुपये की रिश्वत स्वीकार की। जैसे ही उसने रिश्वत की रकम ली, एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। एसीबी ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुबह 4 बजे से लाइनें, फिर भी किसान खाद के लिए धक्के खा रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोद। दाहोद जिले के जालोद तालुका में खाद की कमी किसानों के लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। खेती के मौसम के इस अहम समय में काफी खाद न मिलने से पिछले कुछ दिनों से किसानों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जालोद APMC में सरदार खाद डिपो के बाहर हर सुबह किसानों की लंबी लाइनें देखी जा सकती हैं।

चप्पल पहनकर लाइन में लगे रहने की कोशिश

खाद मिलने की उम्मीद में किसान सुबह 4 बजे ही डिपो पर पहुंच जाते हैं। घंटों खड़े रहना मुश्किल होने पर कुछ किसान चप्पल, बैग या दूसरा सामान पहनकर लाइन में अपना नंबर बनाए रखते दिखे। ये नजारे इस बात के गवाह हैं कि खाद की कमी कितनी गंभीर है।

बूढ़े और कमजोर किसानों की परेशानी बढ़ी

कई बूढ़े और कमजोर किसान पिछले पांच-छह दिनों से खाद पाने के लिए लगातार डिपो पर धक्का-मुक्की कर रहे हैं। हर दिन खाद मिलने की उम्मीद में आने वाले किसानों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है। लंबे इंतज़ार और अनिश्चितता के बीच बूढ़े किसानों के लिए यह स्थिति और भी मुश्किल होती जा रही है।

गरीब किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ

गांवों से आने वाले गरीब और आर्थिक रूप से पिछड़े किसानों को हर दिन डिपो जाने के लिए पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। कुछ किसान तो पैसे उधार लेकर भी खाद लेने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, पर्याप्त मात्रा में खाद न मिलने के कारण वे खाली हाथ घर लौट रहे हैं। जिससे किसानों में गुस्सा और निराशा दोनों देखी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, सरदार फर्टिलाइजर डिपो पर खाद पाने के लिए कुल 2340 किसानों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। जिसमें से अब तक केवल 914 किसानों को ही खाद दी गई है, जबकि 1426 किसानों को अभी खाद दी जानी है। ये आंकड़े बताते हैं कि रजिस्टर्ड किसानों की ज़रूरतें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। जिन किसानों ने ऑनलाइन रजिस्टर नहीं किया है, उनका क्या? अभी के हालात में सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हुआ है कि अगर सिर्फ़ ऑनलाइन रजिस्टर करने वाले किसानों को ही खाद दी जाएगी, तो अनपढ़, भोले-भाले और टेक्नोलॉजी से अनजान किसानों का क्या होगा जालोद तालुका में हज़ारों किसान खेती-बाड़ी से जुड़े हैं। कई किसानों को ऑनलाइन प्रोसेस के बारे में पता नहीं है या वे रजिस्टर नहीं कर पाए हैं। ऐसे किसानों को खाद पाने के लिए क्या ऑप्शन दिया जाएगा, इस पर अभी कोई साफ़ जानकारी नहीं मिली है। सरदार खार डिपो पर लगे नोटिस के मुताबिक, प्रोम खाद अभी उपलब्ध नहीं है और नई क्वांटिटी आने पर रजिस्टर्ड किसानों को फ़ोन पर बताया जाएगा। हालांकि, खाद की उम्मीद में हर दिन बड़ी संख्या में किसान डिपो पहुंच रहे हैं, जिससे कन्फ्यूजन और नाराज़गी का माहौल बन रहा है। ऐसे में किसानों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि अगर डिपो पर फर्टिलाइजर नहीं है, तो क्या डिपो को पूरी तरह बंद रखने का कोई नियम है?

लिमड़ी-खेड़ा रोड पर हिट एंड रन हादसा: युवक की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। दाहोद जिले की लिमड़ी तहसील के कालीगाम गुर्जर गांव निवासी अरविंदभाई भाभोर की एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम अरविंदभाई बड़ौदा से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान लिमड़ी-खेड़ा रोड पर एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि अरविंदभाई की पल्सर मोटरसाइकिल सड़क पर दूर तक उछल गई। हादसे की चपेट में पास से गुजर रही एक एक्टिवा भी आ गई, जिस पर सवार दो व्यक्तियों को भी चोटें आई हैं। गंभीर सिर की चोट लगने के कारण अरविंदभाई भाभोर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर मृतक के बड़े भाई मानुभाई भाभोर अपने पुत्र के साथ मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने अपने भाई का शव सड़क पर पड़ा देखा तथा पास में क्षतिग्रस्त पल्सर बाइक और एक्टिवा भी दिखाई दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक लिमड़ी की ओर से आ रहे अज्ञात चार पहिया वाहन ने पहले अरविंदभाई की बाइक को टक्कर मारी और उसके बाद एक्टिवा को भी अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इस संबंध में मानुभाई भाभोर ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने हिट एंड रन का मामला दर्ज कर फरार वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है तथा दुर्घटना की जांच जारी है।

संक्षिप्त न्यूज

पीड़िता की मां ने उठाए सवाल, ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। विमान हादसे में जान गंवाने वाली रिद्धि के परिवार ने हादसे की जांच को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। रिद्धि की मां ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की मौत के बाद मिले मुआवजे के पैसे से उनके दामाद ने छह महीने के भीतर दूसरा विवाह कर लिया। उन्होंने हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा करने के लिए विमान के ब्लैक बॉक्स का डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है।

वडोदरा : रिबेट योजना के बीच सर्वर ठप,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। महानगरपालिका की एडवांस टैक्स रिबेट योजना के दौरान तकनीकी खामी के कारण वॉर्ड नंबर 7 स्थित नागरवाड़ा कार्यालय का ऑनलाइन सर्वर अचानक बंद हो गया। इसके चलते टैक्स जमा कराने पहुंचे नागरिकों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। नागरिकों ने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी में लंबे समय तक इंतजार करने के बावजूद उनका काम नहीं हो सका। मामले पर वॉर्ड अधिकारी ने बताया कि नई रिबेट योजना के कारण एक साथ अधिक ट्रैफिक आने से सर्वर पर दबाव बढ़ गया, जिससे तकनीकी समस्या उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि तकनीकी विभाग को सूचना दे दी गई है और सर्वर को जल्द बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

वालिया में घोड़ा झील में गैर-कानूनी मिट्टी की माइनिंग पकड़ी गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। जिले के वालिया तालुका के घोड़ा गांव में मौजूद एक झील में गैर-कानूनी मिट्टी की माइनिंग पकड़ी गई है। माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट ने रेड मारकर एक हिताची मशीन और पांच हाईवे ट्रक समेत कुल छह गाड़ियां सीज़ कीं। डिस्ट्रिक्ट जियोलॉजिकल सर्वे ऑफिस के रॉयल्टी इंस्पेक्टर पी.एन. सोलंकी को मिली जानकारी के आधार पर टीम ने मौके का इंस्पेक्शन किया। कार्रवाई के दौरान सीज़ किए गए पांच हाईवे ट्रकों को वालिया पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया, जबकि हिताची मशीन को मौके पर ही सीज़ कर दिया गया। ज़ब्त की गई गाड़ियों में हाईवे ट्रक शामिल हैं माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट ने पूरे मामले की आगे की जांच की है।

क्या उन्होंने मिस्टर इंडिया की घड़ी पहनी है या नहीं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक समय था जब किसानों, फसल के दाम, सिंचाई, बीमा और मदद के मुद्दों पर रोज़ प्रेस कॉन्फ्रेंस होती थीं, सरकार के खिलाफ आंदोलन होते थे और किसान नेता लगातार मीडिया में दिखते थे। किसानों के बीच सवाल उठ रहा है कि वो नेता कहां हैं क्या उन्होंने मिस्टर इंडिया की घड़ी पहन ली है या किसानों के मुद्दे अब उनके लिए ज़रूरी नहीं रहे? राज्य के कई इलाकों में किसान बारिश, फसल खराब होने, खेती की लागत बढ़ने, खाद-बीज की समस्या और बाज़ार में सही दाम न मिलने जैसे मुद्दों को लेकर परेशान हैं। फिर भी, इन मुद्दों पर कुछ बड़े किसान नेताओं की चुप्पी चर्चा का विषय बन गई है।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका! सुष्मिता देव ने राज्यसभा से दिया इस्तीफा, भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज

नई दिल्ली और गुवाहाटी में राजनीतिक हलचल तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली/गुवाहाटी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की बेहद करीबी मानी जाने वाली वरिष्ठ नेता सुष्मिता देव के राज्यसभा सदस्य पद से इस्तीफा देने की खबरों ने देश के राजनीतिक गलियारों में भारी हलचल मचा दी है। उनके इस अचानक उठाए गए कदम के बाद से ही राजनीतिक हलकों में उनके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की अटकलें बेहद तेज हो गई हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सुष्मिता देव ने हाल ही में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से एक महत्वपूर्ण मुलाकात की है। इस मुलाकात की तस्वीरें और खबरें सामने आने के बाद से ही असम और बंगाल की राजनीति में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि वह जल्द ही आधिकारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम सकती हैं। सुष्मिता देव पूर्व में कांग्रेस की प्रमुख महिला नेताओं में शामिल रही हैं और अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। कांग्रेस छोड़ने के बाद वह तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुई थीं, जहाँ पार्टी नेतृत्व ने उन्हें राज्यसभा भेजने के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर असम और त्रिपुरा में पार्टी के विस्तार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी थी। ऐसे में उनका इस्तीफा देना टीएमसी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर और खासकर पूर्वोत्तर में एक बहुत बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

पूर्वोत्तर और बंगाल की राजनीति पर पड़ेगा असर

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि सुष्मिता देव भाजपा में शामिल होती हैं, तो इसका सीधा असर पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल की जमीनी राजनीति पर पड़ेगा। वह बराक घाटी की एक बेहद प्रभावशाली नेता मानी जाती हैं।

एक पिता के दो बेटे, एक OBC तो दूसरा ST! जाति प्रमाणपत्र को लेकर बड़ा सवाल, सरकारी भर्ती प्रक्रिया पर उठे प्रश्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

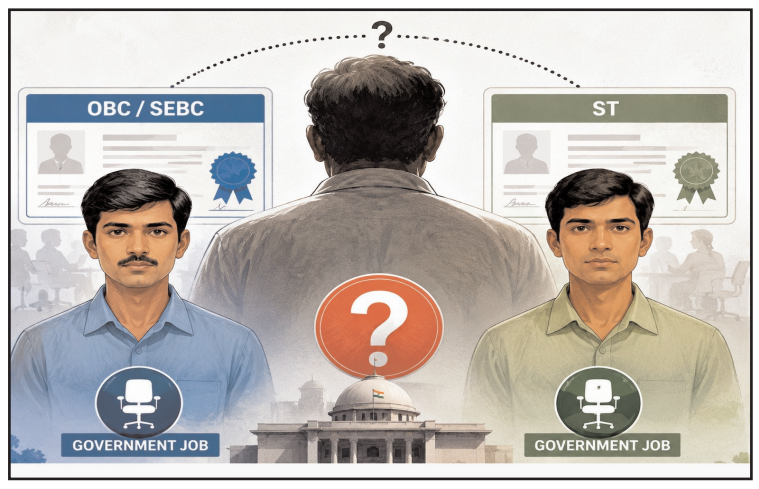

अहमदाबाद। गुजरात में फर्जी जाति प्रमाणपत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने के कई मामले पहले भी सामने आ चुके हैं, लेकिन इस बार जो मामला सामने आया है, उसने पूरे प्रशासनिक तंत्र और भर्ती प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला ऐसा है जिसमें एक ही पिता के दो बेटों की जाति अलग-अलग श्रेणियों में दर्ज होने का दावा किया जा रहा है। एक पुत्र अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी का है, जबकि दूसरा अनुसूचित जनजाति श्रेणी का लाभ लेकर सरकारी नौकरी प्राप्त कर चुका है। मिली जानकारी के अनुसार रेवाभाई सरसैया के पुत्र हरेश रेवाभाई सरसैया ने वर्ष 2015-16 की भर्ती प्रक्रिया में SEBC श्रेणी के अंतर्गत चयन प्राप्त किया था और वर्तमान में मोरबी में महेसूली तलाटी के पद पर कार्यरत हैं। वहीं, उनके दूसरे पुत्र नवघण रेवाभाई सरसैया का चयन वर्ष 2023-24 में अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में अनुसूचित जनजाति श्रेणी के तहत जूनियर क्लर्क के पद पर हुआ है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि एक ही परिवार और एक ही पिता के दो पुत्र अलग-अलग आरक्षण श्रेणियों में कैसे शामिल हो सकते हैं यदि दोनों के जाति प्रमाणपत्र वैध हैं, तो इसकी कानूनी और प्रशासनिक स्थिति क्या है? और यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है, तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी इस मामले के सामने आने के बाद सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जाति प्रमाणपत्रों में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारियों और लाभार्थियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि आरक्षण व्यवस्था का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे, इसके लिए जाति प्रमाणपत्रों की जांच और सत्यापन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं सख्त बनाए जाने की आवश्यकता है। फिलहाल यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है और जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि दोनों भाइयों की अलग-अलग जाति श्रेणियों का आधार क्या है तथा इसमें किसी प्रकार की अनियमितता हुई है या नहीं।

1.66 करोड़ रुपये की ज्वेलरी चोरी मामले में नया मोड़: आरोपी हर्षिदा शेट्टी पहुंची हाई कोर्ट, क्राइम ब्रांच पर लगाए गंभीर आरोप

दिल्ली से पकड़े जाने का दावा, हाई कोर्ट में CCTV फुटेज सुरक्षित रखने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

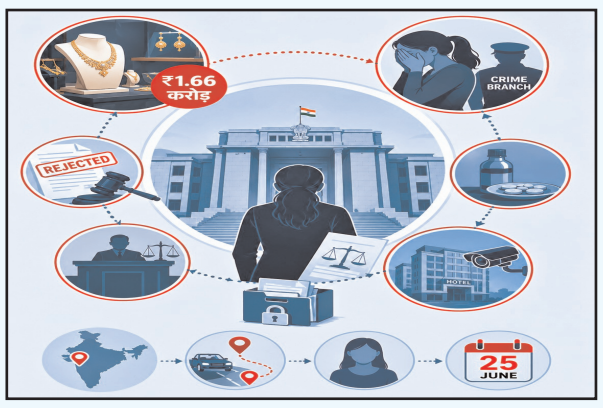

अहमदाबाद। अहमदाबाद की एक मशहूर ज्वेलरी शॉप से ??1.66 करोड़ रुपये की चोरी के सनसनीखेज मामले में अब नया मोड़ आ गया है। चोरी के आरोप में गिरफ्तार सेल्सगर्ल हर्षिदा शेट्टी ने गुजरात हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और क्राइम ब्रांच की कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हर्षिदा शेट्टी ने अपनी याचिका में दावा किया है कि क्राइम ब्रांच ने उसे मानेकचौक इलाके से नहीं बल्कि दिल्ली से गिरफ्तार किया था। याचिका के मुताबिक, दिल्ली-जयपुर हाईवे पर उसे कुछ खिलाया गया, जिससे वह बेहोश हो गई। हर्षिदा ने आगे आरोप लगाया है कि जब उसे होश आया तो उसके कपड़े बिखरे हुए थे, जिससे उसने अपने साथ गलत व्यवहार होने का शक जताया है। इस मामले में उसने निचली अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन मजिस्ट्रेट ने उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद हर्षिदा ने हाई कोर्ट में अर्जी देकर मांग की है कि दिल्ली के होटलों की CCTV फुटेज सुरक्षित रखी जाए और पूरी घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए। गुजरात हाई कोर्ट ने जांच अधिकारी को याचिकाकर्ता के आरोपों पर विचार करते हुए एक डिटेल्ड रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही मामले की अगली सुनवाई 25 जून तय की गई है। गौरतलब है कि 1.66 करोड़ रुपये की चोरी के इस मामले ने शुरू से ही काफी चर्चा बटोरी थी। अब आरोपियों के नए आरोप लगाने के बाद यह मामला और बहस का मुद्दा बन गया है। हाई कोर्ट के सामने पेश होने वाली जांच रिपोर्ट के बाद पूरे मामले पर और साफ जानकारी सामने आने की संभावना है।

काम्या झा वर्ल्ड बास्केटबॉल की भारतीय स्कूल टीम में राजनांदगांव सहित पूरी छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजनांदगांव। वैसे तो संस्कारधानी को हॉकी की नर्सरी के नाम से नाम से जाना जाता है लेकिन दूसरे खेलों में भी यहां के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने ना सिर्फ प्रदेश बल्कि विदेशों में भारत का मान सम्मान बढ़ाया है शहर की काम्या झा ने वर्ल्ड टूर्नामेंट में क्वालीफाई कर लिया है जो की राजनांदगांव सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है गौरतलब है कि काम्या झा शुरू से पढ़ाई के साथ-साथ बास्केटबॉल खेल में भी उत्कृष्ट खिलाड़ी रही है उन्होंने अनेकों नेशनल एवं जूनियर चैंपियनशिप में भाग लेकर शहर सहित पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है इसी तरह 13 जुन से 22 जुन जवालतिबोर सर्बिया में आयोजित होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप में वह भारतीय स्कूल बॉस्केटबॉल टीम में चयनित किया गया है जो कि शहर के लिए गौरव की बात है उल्लेखनीय है कि काम्या झा दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा है सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल अकादमी में कॉलका राव एवं राजेश्वर राव के सानिध्य में वह प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है इस उपलब्धि पर खेल प्रेमी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने शुभकामनाएं प्रेषित किया है

आमिर खान की तीसरी शादी की चर्चा के बीच BJP लीडर नाज़िया खान का बयान चर्चा में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान पिछले कुछ दिनों से अपनी तीसरी शादी की संभावना को लेकर खबरों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान गौरी नाम की महिला से शादी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, इस बारे में एक्टर की तरफ से कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। इस बीच, आमिर खान की तीसरी शादी की संभावना के मुद्दे पर BJP लीडर नाज़िया खान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने खासकर आमिर खान की पिछली दो पत्नियों और मौजूदा रिश्ते पर सवाल उठाए। नाज़िया खान ने कहा कि आमिर खान को अक्सर हिंदू महिलाओं के साथ रिश्तों में देखा जाता है और उन्होंने इस पर पब्लिकली अपनी नाराज़गी भी ज़ाहिर की है। नाज़िया खान के बयान के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा का माहौल गरमा गया है। कुछ यूज़र्स उनके बयान का सपोर्ट कर रहे हैं, जबकि कुछ का मानना ??है कि पर्सनल रिश्ते और शादी पर्सनल चॉइस का मामला है और इसे धार्मिक नज़रिए से देखना सही नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस मुद्दे पर अलग-अलग रिएक्शन आ रहे हैं। जबकि दूसरा तबका नाजिया खान के बयान को सही बता रहा है। गौरतलब है कि आमिर खान की शादी और नाजिया खान के बयान को लेकर चल रही चर्चाओं के बारे में अभी तक कोई ऑफिशियल सफाई सामने नहीं आई है। हालांकि, यह मुद्दा हाल ही में सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट की दुनिया में चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को बड़ा झटका, सबसे करीबी सहयोगी सयानी घोष ने भी पार्टी छोड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

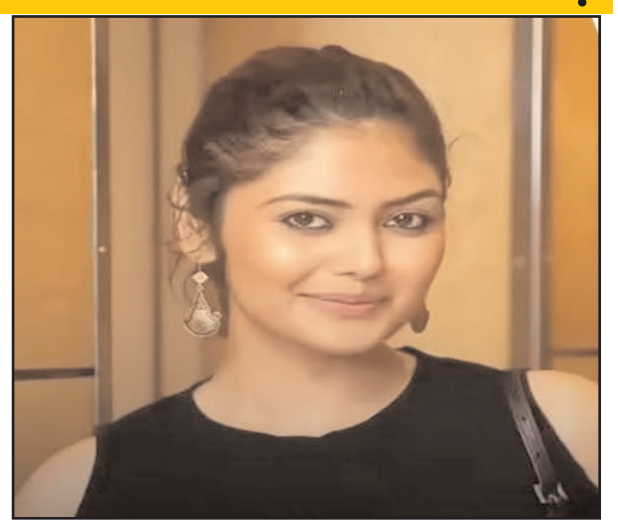

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ी और चौंकाने वाली बात सामने आई है। तृणमूल कांग्रेस की एक बड़ी नेता और ममता बनर्जी की करीबी सहयोगी मानी जाने वाली सयानी घोष के पार्टी से नाता तोड़ने की चर्चाओं ने राजनीतिक गलियारों में बड़ी हलचल मचा दी है। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ समय से सयानी घोष पार्टी के अंदरूनी कामकाज और लीडरशिप के कुछ फैसलों से नाखुशी जता रही थीं। माना जा रहा है कि इसी नाखुशी की वजह से अब एक खुला विवाद खड़ा हो गया है। सयानी घोष लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस का एक अहम चेहरा रही हैं और युवाओं के बीच उनकी अच्छी पॉपुलैरिटी है। उनके पार्टी छोड़ने के फैसले को TMC के लिए एक बड़े राजनीतिक झटके के तौर पर देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी राज्य में आने वाली राजनीतिक चुनौतियों के खिलाफ अपने संगठन को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी पार्टियों ने इस घटना को TMC के अंदर बढ़ते अंदरूनी नाखुशी का नतीजा बताया है। दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इस मुद्दे पर ऑफिशियल बयान देने से परहेज किया है और कहा है कि वे हालात पर नज़र रख रहे हैं। पॉलिटिकल एनालिस्ट के मुताबिक, अगर सायनी घोष ने सच में पार्टी छोड़ दी है, तो यह न सिर्फ TMC बल्कि पश्चिम बंगाल की पॉलिटिक्स के लिए भी एक अहम डेवलपमेंट साबित हो सकता है। आने वाले दिनों में सबकी नज़र रहेगी कि वह कोई नया पॉलिटिकल प्लेटफॉर्म जॉइन करती हैं या कोई इंडिपेंडेंट पॉलिटिकल रोल अपनाती हैं। असली हालात तो इस पूरे मामले पर ऑफिशियल अनाउंसमेंट और क्लैरिफिकेशन के बाद ही साफ होंगे, लेकिन फिलहाल यह खबर पश्चिम बंगाल के पॉलिटिकल माहौल में चर्चा का बड़ा टॉपिक बन गई है।

सार समाचार...

शिवनाथ नदी पर बन रहे एप्रोच रोड पुल निर्माण में गड़बड़ी का आरोप बारिश सर पर स्थानीय लोग दहशत के आगोश में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगांव। ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम रातापयली जो की शिवनाथ नदी के तट पर स्थित गांव है यहां पर इन दिनों चार दिनों से पुल निर्माण का एवं एप्रोच रोड का निर्माण कार्य जारी है आप वीडियो में देख सकते हैं कि पुल के दोनों तरफ निर्माणाधीन कंपनी के द्वारा ब्लॉक कर दिया गया है लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है स्थिति का जायजा लिया हमारे संवाददाता हेमंत वर्मा ने गौरतलब है कि यह नदी बाढ़ ग्रस्त वाला इलाका है मानसून सर पर है ऐसे में स्थानीय लोगों को डर सता रहा है कि समय से पहले पुल निर्माण नहीं होने पर बाढ़ का खतरा बढ़ जाएगा वही निर्माण कार्य में भी भ्रष्टाचार की कहानी सामने आ रही है गौरतलब है कि यह मार्ग 15 से 20 गांव का मुख्य मार्ग है इसके निर्माण के लिए कई वर्षों के संघर्ष के बाद पुल निर्माण किया गया है स्थानीय अधिकारी एवं ठेकेदार की संलिप्तता से निर्माण कार्य पर घटिया सामग्री रां मटेरियल का भी इस्तेमाल किया जा रहा है

अहमदाबाद विमान हादसा: पीड़िता की मां ने उठाए सवाल, ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। विमान हादसे में जान गंवाने वाली रिद्धि के परिवार ने हादसे की जांच को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। रिद्धि की मां ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की मौत के बाद मिले मुआवजे के पैसे से उनके दामाद ने छह महीने के भीतर दूसरा विवाह कर लिया। उन्होंने हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा करने के लिए विमान के ब्लैक बॉक्स का डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है। वहीं, हादसे का वीडियो रिकॉर्ड करने वाले युवक आर्यन के बारे में बताया जा रहा है कि वह अब भी उस भयावह घटना के मानसिक आघात से उबर नहीं पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान को दुर्घटनाग्रस्त होते अपनी आंखों के सामने देखने के बाद वह गहरे सदमे में है। परिवार का कहना है कि हादसे की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

अविश्वास प्रस्ताव ध्वस्त, प्रभा दास वैष्णव बनी रहेंगी सरपंच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत राजा भानपुरी में 2 जून को उपसरपंच एवं कुछ पंचों द्वारा सरपंच श्रीमती प्रभा दास वैष्णव के विरुद्ध लाया गया अविश्वास प्रस्ताव विफल हो गया। इसके साथ ही श्रीमती वैष्णव अपने पद पर बरकरार रहेंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत राजा भानपुरी में उपसरपंच एवं भाजपा नेता कृष्णकुमार साहू तथा गुणीत साहू द्वारा अतिक्रमण हटाने की मांग की गई थी। इस पर सरपंच ने गांव के सभी अतिक्रमणों को हटाने की बात कही। इसके बाद उपसरपंच एवं भाजपा नेताओं द्वारा सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। एसडीएम कार्यालय में दिए गए आवेदन के आधार पर 10 जून को तहसीलदार की उपस्थिति में मतदान कराया गया। मतदान में सरपंच के पक्ष में 7 तथा विपक्ष में 9 वोट पड़े। किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि को पद से हटाने के लिए आवश्यक तीन-चौथाई बहुमत नहीं मिल सका। इस प्रकार अविश्वास प्रस्ताव पूरी तरह विफल हो गया और सरपंच श्रीमती प्रभा दास वैष्णव अपने पद पर बनी रहेंगी।

दैनिक राशिफल

11 जून 2026, गुरुवार

1 मेष (Aries)
आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।
शुभ रंग: लाल | शुभ अंक: 9

2 वृषभ (Taurus)
आज धैर्य और समझदारी से काम लें। रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। व्यापार में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।
शुभ रंग: सफेद | शुभ अंक: 6

3 मिथुन (Gemini)
नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। अनावश्यक विवादों से दूर रहें।
शुभ रंग: हरा | शुभ अंक: 5

4 कर्क (Cancer)
परिवार का सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का समर्थन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।
शुभ रंग: सिल्वर | शुभ अंक: 2

5 सिंह (Leo)
आज आपका नेतृत्व कौशल लोगों को प्रभावित करेगा। सामाजिक सम्मान बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।
शुभ रंग: सुनहरा | शुभ अंक: 1

6 कन्या (Virgo)
कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। पुराने निवेश से लाभ हो सकता है। यात्रा के योग बन रहे हैं।
शुभ रंग: हरा | शुभ अंक: 7

7 तुला (Libra)
संतुलित व्यवहार आपके लिए लाभदायक रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंग: गुलाबी | शुभ अंक: 6

8 वृश्चिक (Scorpio)
महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दिन अनुकूल है। व्यापार में नई संभावनाएं बनेंगी। आत्मविश्वास बना रहेगा।
शुभ रंग: मरून | शुभ अंक: 8

9 धनु (Sagittarius)
भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक या सामाजिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। करियर में प्रगति के संकेत हैं।
शुभ रंग: पीला | शुभ अंक: 3

10 मकर (Capricorn)
कार्य में अनुशासन बनाए रखें। वरिष्ठों से सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सतर्कता जरूरी है।
शुभ रंग: नीला | शुभ अंक: 8

11 कुंभ (Aquarius)
नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।
शुभ रंग: आसमानी | शुभ अंक: 4

12 मीन (Pisces)
भावनाओं पर नियंत्रण रखें। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है।
शुभ रंग: पीला | शुभ अंक: 7

आज का पंचांग वार: गुरुवार

विशेष सुझाव: किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

दिन का मंत्र: "ॐ गुरवे नमः"

मोदी युग के बारह वर्षः विकास, विश्वास और विराट का उदय

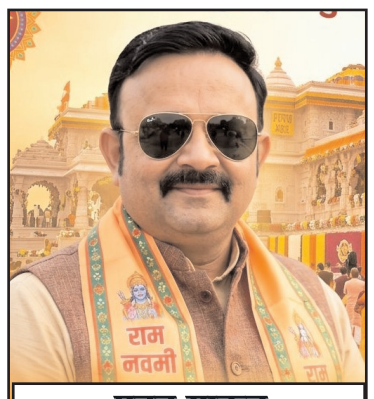

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है।

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि

पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है।

इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है।

हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वर्ष 2007 में, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में पूज्य आदिवासी जैन संत गणि राजेंद्र विजयजी के सान्निध्य में आयोजित एक विराट आदिवासी सम्मेलन में उनसे विस्तृत संवाद का अवसर मिला। उस सम्मेलन में वे केवल औपचारिक अतिथि के रूप में नहीं आए थे, बल्कि अपने संपूर्ण मंत्रिमंडल के साथ उपस्थित होकर आदिवासी समाज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। उसी अवसर पर उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के शैक्षिक उत्थान हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को हमारे सुखी परिवार फाउंडेशन को संचालित करने के लिए प्रदान किया तथा आदिवासी विकास की दिशा में ऐतिहासिक 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु कल्याण योजना की घोषणा की। यह उनकी दूरदृष्टि और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की सोच का प्रमाण था। इसी सम्मेलन के दौरान एक अत्यंत रोचक और ऐतिहासिक प्रसंग भी सामने आया। गणि राजेंद्र विजयजी ने नरेंद्र मोदी से कहा-'अब आपको दिल्ली जाना चाहिए और देश की बागडोर संभालनी चाहिए।' उस समय मोदीजी ने सहज मुस्कान के साथ उत्तर दिया-'मुझे दिल्ली कौन ले जाएगा?' किंतु संतों की वाणी में एक विशेष शक्ति होती है। जो बात उस समय एक साधारण संवाद प्रतीत हुई, वही कुछ वर्षों बाद भविष्यवाणी के रूप में सत्य सिद्ध हुई।

उन दिनों गुजरात सचिवालय में भी अनेक बार जाने और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। वहां जो सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात थी, वह उनकी कार्यसंस्कृति का प्रभाव था। सचिवालय में बड़े से बड़े आईएएस अधिकारी भी आत्मानुशासन, समयपालन और स्वावलंबन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते थे। अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करना, अनावश्यक तामझाम से दूर रहना, समय का सदुपयोग करना और जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानना वहां की प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका था। स्पष्ट महसूस होता था कि यह कार्यशैली शीर्ष नेतृत्व की प्रेरणा से विकसित हुई है। नरेंद्र मोदी केवल आदेश देने वाले प्रशासक नहीं हैं, बल्कि अपने आचरण से व्यवस्था को दिशा देने वाले नेतृत्वकर्ता हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को कौशल, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया तो भारत केवल विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। इसी प्रकार महिला शक्ति को विकास की मुख्यधारा में पूर्ण भागीदारी देकर राष्ट्र निर्माण की गति को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। मोदी युग की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों, परियोजनाओं या चुनावी जीतों में नहीं, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक परिवर्तन में है जो भारत के जनमानस में दिखाई देता है। नरेंद्र मोदी ने बारह वर्षों में विकास की संरचनाएं खड़ी की हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने करोड़ों भारतीयों के भीतर भविष्य के भारत की एक आकांक्षा जगाई है। 2047 के विकसित भारत का उनका संकल्प तभी साकार होगा जब विकास के साथ विश्वास, समृद्धि के साथ समान अवसर और शक्ति के साथ संवेदनशीलता भी जुड़ेगी। यदि यह संतुलन बना रहता है, तो इतिहास मोदी युग को केवल एक लंबे राजनीतिक कार्यकाल के रूप में नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक उदय के युग के रूप में याद करेगा।

संपादकीय

विकास और विश्वास

सत्ता शीर्ष पर बारह साल के कार्यकाल के दौरान अनेक विशिष्ट उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में आई हैं। एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पं. नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद 13 मई, 1952 को विधिवत निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शुरू किया, जो 1964 तक चला। वहीं नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 9 जून, 2024 को ली। निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता-अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद-370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी। लोगों को गरिमा व अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं बदलावकारी कही जाती हैं। साथ ही उन लोगों को ह्यअंत्योदय दृष्टिह्न से प्रेरित होकर लाभ देने की कोशिश हुई, जो असमानता के चलते पीछे छूट गए थे। बड़ी संख्या में जनधन खाते खोले जाने का लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला। जहां डायरेक्ट बेनिफट ट्रांसफर से जहां लोगों को समय पर मदद मिली, वहीं बिचौलियों पर नकेल कसने से भ्रष्टाचार पर अंकुश भी लगा। मोदी सरकार ने ह्यएक देश, एक करह्न की सोच को जीएसटी लागू करके हकीकत बनाया। जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे तो उन्होंने उद्घोष किया था कि न ह्यखाऊंगा और न खाने दूंगा।ह्न यह हकीकत है मानवीय दुर्बलताओं और समाज में लगातार बढ़ती भौतिकवाद की सोच के चलते समाज में भ्रष्टाचार पर अपेक्षित लगाम नहीं लगी, लेकिन उनके कार्यकाल में कोई मंत्री प्रत्यक्ष तौर पर किसी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त नजर नहीं आया। निस्संदेह, खाड़ी संकट के चलते महंगे हुए पेट्रोलियम पदार्थों से महंगाई असर दिखा रही है, लेकिन समय रहते प्रबंधन के चलते वैसे हालात भी नहीं पैदा हुए, जैसे हमारे पड़ोसी देशों में नजर आ रहे हैं। अमेरिका दबाव के बावजूद रणनीतिक ढंग से रूस से सस्ता तेल खरीदकर मोदी सरकार ने जहां देश के आपातकालीन पेट्रोलियम भंडारण को बढ़ाया, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा की भी बचत की।

चिंतन-मनन

जीवन का बड़ा सबक

पं. रामनाथ एक छोटी-सी जगह गुरुकुल में छात्रों को पढ़ाते थे। कृष्णनगर के राजा शिवचंद्र को यह पता लगा तो उन्हें बहुत दुख हुआ कि ऐसा महान विद्वान भी गरीबी में रह रहा है। एक दिन वह स्वयं पंडितजी से मिलने उनकी कुटिया में जा पहुंचे और बोले-पंडित जी, मैं आपकी कुछ सहायता करना चाहता हूं। पं. रामनाथ ने कहा-राजन, भगवान की कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं। मुझे अब कोई आवश्यकता नहीं रही। राजा बोले-मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। हो सकता है उसमें कुछ परेशानी होती हो। उन्हें जवाब मिला-इस बारे में तो गृहस्वामिनी अधिक जानती हैं। आप उन्हीं से पूछ लें।

यह सुनकर राजा गृहिणी के पास जा पहुंचे-माता, आपके घर के खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं? गृहिणी का जवाब था- भला सर्व-समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तिं को क्या कमी रह सकती है। पहनने को कपड़े हैं। सोने को बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। भोजन की खातिर विद्यार्थी सीधा ले आते हैं। बाहर खड़ी चौलाई का साग हो जाता है। इससे अधिक की जरूरत भी क्या है? राजा श्रद्धावनत हो गए, फिर भी बोले-हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे आपको भी अभाव नहीं रहेगा और गुरुकुल भी ठीक से चलता रहेगा।

राजा की यह बात सुनकर वृद्ध गृहिणी मुस्कराई-देखिए राजन, इस संसार में परमात्मा ने हर मनुष्य को जीवन रूपी जागीर पहले से दे रखी है। जो इसे अच्छी तरह से संभालना सीख लेता है, उसे फिर किसी चीज का अभाव नहीं रह जाता। यह सुनकर राजा शिवचंद्र का मस्तक झुक गया। आज उन्हें एक बड़ा सबक मिल गया था।

नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक,जलता रहा है जलता रहेगा

निर्मल रानी

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में गत 3 जून को हुए एक भीषण अग्निकांड की घटना घटित हुई। बताया जाता है कि इस अग्निकांड के परिणाम स्वरूप 21 लोगों की मौत आग से झुलसने या धुएँ में दम घुटने की वजह से हो गयी। कहा जा रहा है कि मृतकों में 9 भारतीय जबकि 12 विदेशी नागरिक थे। इस अग्निकांड में स्थानीय लोगों द्वारा लगभग 49 लोगों को उनकी जान बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस अग्निकांड में रियाजुद्दीन नामक एक मुस्लिम गद्दा व्यापारी ने अपनी सूझबूझ,तत्परता व मानवता के चलते अग्निकांड में फंसे लगभग 15 लोगों की जान बचाकर काफी सुर्खियां बटोरीं। घटनास्थल के करीब ही रियाजुद्दीन की गद्दों (मैट्रेस) की दुकान है। रियाजुद्दीन व उनके बेटे ने आग की लपटें बढ़ते ही अपने नफे-नुकसान की परवाह किये बिना अपनी दुकान के सारे गद्दे जलते हुये भवन के ठीक नीचे एक पर एक रखकर बिछा दिये। इनके अतिरिक्त अफजल, मोहम्मद शाहरुख , मोहम्मद अनीस, मोहम्मद आमिर और मोहम्मद वसीम ने भी अपनी जान पर खेल कर लोगों की जान बचाने में मदद की। नतीजतन लगभग 15 प्रभावित लोगों ने जलते हुये भवन की खिड़कियों से उन्हीं गद्दों पर कूद कर अपनी जान बचाई। हालाँकि इस दौरान रियाजुद्दीन के करीब 2 लाख रुपए के गद्दे क्षति ग्रस्त हो गये। आज स्थानीय लोग यह कहने को मजबूर हैं कि रियाजुद्दीन ने फरिश्ता बनकर लोगों की जान बचाई।

रियाजुद्दीन व उनके बेटे के इस समझदारी भरे साहसिक कार्य के लिये उनकी चौतरफा प्रशंसा की जा रही है। लोग उनके गद्दों की क्षतपूर्ति के लिये व उनके साहसिक कार्य के लिये उनसे मिल रहे हैं उन्हें सम्मानित कर रहे हैं यहाँ तक कि उन्हें आर्थिक सहायता दे रहे हैं। उधर रियाजुद्दीन ने उन्हें आर्थिक सहायता देने वालों से पैसे न भेजने की अपील की है। स्थनीय भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने इनकी तारीफ करते हुये कहा कि आज के जांबाजों को सलाम। हौज रानी, मालवीय नगर में लगी भीषण आग के दौरान इन साहसी नागरिकों ने मदद की और यहां तक कि लोगों को सीपीआर भी दिया। मुझे आप पर बहुत गर्व है। यही इंसानियत है, जो सबसे ऊपर है और सबसे बड़ा धर्म है। निश्चित रूप से यह घटना इंसानियत व धर्म से ऊपर साहस व मानवता की मिसाल बन गई है। एक मुस्लिम व्यापारी ने अपने आर्थिक नुकसान की परवाह किए बिना हिन्दू व अन्य धर्मों के लोगों की जान बचाई, और हिन्दू विधायक व अनेक संस्थाओं ने उसे सम्मान व नकद इनाम दिया।

इसी तरह महाकुंभ 2025 को मौनी अमावस्या पर इलाहाबाद में मची भगदड़ को याद कीजिये जब हजारों हिंदू तीर्थ यात्रियों को मुस्लिम बस्तियों, मस्जिदों और इमामबाड़ों में शरण मिली थी । 28-29 जनवरी 2025 को रात 1-2 बजे के बीच प्रयागराज में संगम नोज और अखाड़ा मार्ग पर मौनी अमावस्या के पावन स्नान पर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच गए थे जिससे शहर की 90 लाख आबादी में दस गुना भीड़ उमड़ पड़ी थी। इसी बीच रात 1 बजे के पास संगम तट से पहले बने द्वार पर भीड़ इतनी बढ़ गई कि भगदड़ जैसी स्थिति बन गयी। तभी अखाड़ा मार्ग पर लगे बैरिकेड्स को फांदकर कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गये जिससे वहां अफरातफरी मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के लिए रास्ते रोके जाने से लोगों को और भी परेशानी का सामना करना पड़ा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस भगदड़ में 30 लोग हताहत हो गए थे। शहर के रास्तों से अनजान लोग अपनी जान बचाने के लिये कई मुस्लिम बस्तियों में प्रवेश कर गये। उसी बीच सर्दी की रात में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने करुणा और सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल पेश कर मानवता का सन्देश दिया था। मुस्लिम लोगों ने भगदड़ के बाद शहर की अनेक मस्जिदों, दरगाहों, इमामबाड़ों व अनेक अल्पसंख्यक संस्थानों में हजारों हिंदू तीर्थयात्रियों को शरण दी और उन्हें परदेस में भी सुरक्षित रहने का एहसास दिलाया। उन्हें जरूरत के अनुसार चाय,नाश्ता,खाना,रजाई,कंबल,दवाइयां आदि मुहैय्या कराई। यह घटना भी सांप्रदायिक सौहार्द्र और इंसानियत की बड़ी मिसाल के रूप में सामने आई जब अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय ने हिंदू तीर्थयात्रियों की मदद कर धार्मिक भावनाओं से ऊपर उठकर मानवता का परिचय दिया।

साम्प्रदायिक सद्भाव पेश करने वाली दिसंबर 2015 की वह घटना भी याद कीजिये जब चेन्नई में आई भयानक बाढ़ में मस्जिदों में हिंदुओं और ईसाइयों को पनाह मिली थी। उन दिनों 1 दिसंबर 2015 से शुरू हुई बारिश एक सप्ताह तक लगातार चली थी।। इसे चेन्नई में 100 वर्षों में सर्वोच्च वर्षा के रूप में रिकॉर्ड किया गया था। बाढ़ का पानी कुछ क्षेत्रों में तो दो मंजिलों तक पहुँच गया था। डैम के गेट खोलने के बाद शहर के कई हिस्से पूरी तरह डूब गए थे। चेन्नई में इसी बाढ़ में 260 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। उस दौरान भी यहाँ की कई मस्जिदों के दरवाजे बाढ़ पीड़ित हिन्दुओं व ईसाईयों के लिये कई हफ़्तों के लिये खुल गये थे। बाढ़ पीड़ितों को मस्जिद में पनाह के साथ साथ रसद व दवाइयां भी मुहैय्या कराई गई थीं। उसी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में प्रसूतावस्था में पीड़ित एक हिन्दू महिला की यूनुस नामक एक मुसलमान ने जान बचाकर उसे अस्पताल तक पहुँचाया। बाद में सुरक्षित डिलेवरी होने पर उस हिन्दू महिला और उसके पति ने अपनी नवजात बच्ची का नाम यूनूस रखा। यह घटना भी धार्मिक सौहार्द और मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल है । इसी तरह 2023 में पंजाब में आई भीषण बाढ़ में मुस्लिम समुदाय ने बिना किसी भेदभाव के सभी प्रभावित लोगों की मदद की थी। जमात-ए-इस्लामी हिंद और जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसी संस्थाओं ने बाढ़ प्रभावितों को राशन, दवाइयां, व कपड़े वितरित किए थे । तमाम मुस्लिम स्वयंसेवकों ने सिख और हिंदू समुदायों के साथ मिलकर बचाव कार्यों में हिस्सा लिया था । यहाँ भी उस समय बाढ़ प्रभावित इलाकों की कुछ मस्जिदों को अस्थायी आश्रय स्थल के रूप में खोला गया था। देशभर के मुसलमान संकट की इस घड़ी में पंजाब के बढ़ प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े दिखाई दिये थे। एक तरफ जहां सत्ता के भूखे भेड़िये देश की सामाजिक एकता को तार तार करने पर तुले हैं वहीं देश भर में साम्प्रदायिक सद्भाव की ऐसी अनगिनत मिसालें भी देखने सुनने को मिलेंगी जब हिन्दुओं ने मुसलमानों की व मुसलमानों ने हिन्दुओं की जान बचाई व संकट की घड़ी में एक दूसरे के साथ खड़े दिखाई दिये। गोया नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक हमेशा जलता रहा है जलता रहेगा।

बेरोजगारों को ठग रहे हैं गिरोहबंद जालसाज

मनोज कुमार अग्रवाल

आजकल ठग बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और फर्जी वेबसाइटों का सहारा ले रहे हैं.एक ओर देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है और केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावे खोखले सिद्ध हो रहे हैं। इसीलिए देश के विभिन्न राज्यों से युवा पलायन करके रोजगार की तलाश में दूसरे देशों को जा रहे हैं और जो विदेश जाने का जुगाड़ नहीं कर पाते उनमें से अनेक नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगने वाले गिरोहों का शिकार बन रहे हैं। कई बार देश विदेश तक फैले जालसाजों के गिरोह भोले भाले युवाओं को रोजगार दिलाने का झांसा देकर विदेश भेज देते हैं वहां पहुंचने पर पता चलता है कि ठगे गए लेकिन समझौता करना पड़ता है और बेहद निम्न स्तरीय काम रोजगार कर विदेश से लौटने के लिए कई कई साल वहां फंसकर रह जाते हैं।

ठगी के कुछ मुख्य प्रचलित तरीके पंजीकरण शुल्क नौकरी शुरू करने या इंटरव्यू के नाम पर एडवांस पैसों की मांग करना.फर्जी जॉइनिंग लेटर बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों के नकली सील-सिक्के वाले पत्र थमाना.वर्क फ्रॉम होम / पार्ट-टाइम टास्कघर बैठे लाइक करें या वीडियो देखें जैसे काम देकर शुरू में थोड़ा फायदा दिखाना और बाद में बड़ी रकम निवेश कराकर ठग लेना। आए दिन इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी है युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगी का शिकार बन जाने पर तमाम कैरियर चौपट हो जाता है परिवार की जमा पूंजी ठग लेकर रफूचककर हो जाते हैं इस तरह बेरोजगारों पर दोहरी मार पड़ जाती है। कुछ वारदातों से समझने का प्रयास करें।

आपको बता दें कि 2 जनवरी को अनूपशहर (उत्तर प्रदेश) के एक युवक अंकित कुमार को गृह मंत्रालय में डाटा एंट्री आप्रेटर की नौकरी दिलाने का लालच देकर उससे 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में दिल्ली की एक महिला के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। 1 मार्च को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में विदेश में ऊंची सैलरी वाली नौकरी दिलवाने का लालच देकर 100 से अधिक लोगों से लगभग 70 लाख रुपयों की ठगी करने वाले 2 जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 13 मार्च को गुरुग्राम में वर्क इंडिया ऐप के जरिए शिस कार्पोरेशन नामक फर्जी कम्पनी बनाकर बेरोजगारों से ट्रेनिंग और वैरीफिकेशन के नाम पर पैसे ऐंठने वाले गिरोह के विरुद्ध एफ. आई.आर. दर्ज की गई। 30 मार्च को ठाणे (महाराष्ट्र) में एक बेरोजगार युवक को रूस में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.92 लाख रुपए ठगने के आरोप में एक महिला सहित 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

5 मई को रायपुर (छत्तीसगढ़) ग्रामीण पुलिस ने सरकारी विभागों में नौकरी दिलवाने के नाम पर 34 लोगों से करोड़ों रुपए की वसूली करने वाले एक शिक्षक और क्लर्क को गिरफ्तार किया।28 मई को जबलपुर (मध्य प्रदेश) में नौकरी लगवाने का लालच देकर एक युवक से 1.26 लाख रुपए की ठगी मारने का मामला सामने आया। आरोपी स्वयं को नेताओं का करीबी बताकर लोगों से रुपए वसूलता था।3 जून को खटीमा (उत्तराखंड) में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिलवाने का लालच देकर तथा उसे फर्जी नियुक्तिपत्र देकर उससे 21 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया 4 जून को पुणे (महाराष्ट्र) के हिंजवाड़ी फेज-2 स्थित थिंक टैक्नोलॉजी इंडिया नाम की कम्पनी द्वारा सैंकड़ों इंजीनियरिंग ग्रैजुएट्स, फ्रैशर्स और इंटर्स को नौकरी, स्टाइपेंड व स्थायी रोजगार का सपना दिखाकर लाखों रुपए ठग लेने के आरोप में कम्पनी के सी.ई.ओ. हर्षल ठाकरे को गिरफ्तार किया गया जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

5 जून को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में होटल मैनेजमैंट के छात्रों को विदेशी क्रूज पर नौकरी दिलाने का लालच देकर 52 लाख रुपयों की ठगी करने का भंडाफोड़ हुआ। ठगों ने सोशल मीडिया विज्ञापनों और फर्जी इंटरव्यू के जरिए छात्रों को जाल में फंसाया था।

5 जून को ही सिरसा (हरियाणा) के नाथूसरी चौपटा गांव में अली मोहम्मद नामक युवक को विदेश में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 1.90 लाख रुपए ठगने के आरोप में राजस्थान के एक आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने केस दर्ज किया।और अब 6 जून को ग्वालियर (मध्यप्रदेश) के महाराजपुरा में एक तांगा चलाने वाले को नगर निगम में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.25 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के विरुद्ध केस दर्ज किया।ये तो वे चंद वारदातें हैं जो समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए हैं। इनके अलावा भी न जाने ऐसे कितने मामले हुए होंगे जिनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। अतः नौकरी पाने के उतावले पन में नौकरी दिलवाने का दावा करने वाले लोगों की अच्छी तरह पड़ताल करने और काम हो जाने के बाद ही उन्हें पैसे देने चाहिएं।

ऐसे मामले सामने आने के बाद पुलिस को आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

शिकायत कहाँ और कैसे करें?यदि आपके साथ या किसी परिचित के साथ ऐसी ठगी हुई है, तो बिना समय गंवाए नीचे दिए गए कदम उठाएंःसाइबर हेल्पलाइन : तुरंत टोल-फ्री नंबर 1930 डायल करें. यदि वित्तीय धोखाधड़ी के 2 घंटे के भीतर शिकायत की जाए, तो पैसे फ्रीज होने की संभावना बढ़ जाती है.ऑनलाइन शिकायत : गृह मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल साइबर क्राइम पोर्टल पर जाकर पूरी जानकारी, चैट स्क्रीनशॉट और बैंक ट्रांजैक्शन डिटेल्स अपलोड करें.लोकल पुलिस स्टेशन आप अपने नजदीकी थाने या साइबर सेल में जाकर भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी की लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं.बैंक को सूचित करेंः जिस बैंक अकाउंट या यूपीआई से पैसे ट्रांसफर हुए हैं, उस बैंक को तुरंत सूचित कर ट्रांजैक्शन ब्लॉक करने को कहें.ठगी से बचने के जरूरी नियमपैसे कभी न देंः कोई भी असली कंपनी या सरकारी विभाग नौकरी देने के बदले पैसों की मांग नहीं करता है.वेबसाइट की जांच करेंः सरकारी नौकरियों की जानकारी हमेशा सिर्फ ड्ढ५.ल्ल या ल्ल्रू.ल्ल वाली आधिकारिक वेबसाइटों पर ही देखें.सत्यापन किसी भी अनजान नंबर से आए जॉब ऑफर पर भरोसा करने से पहले उस कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या लिंक्डइन प्रोफाइल पर जाकर वैकेंसी की पुष्टि करें जरूरत है कि जागरूक बने सावधान रहें सतर्क रहें ऐसा करके ही युवाओं को इस तरह की ठगी से बचाया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

बरेली: दहेज में नहीं मिली बुलेट और 2 लाख तो बाराती-घराती में चले लात-घूंसे, फेंकी प्लेटें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। आंवला थाना क्षेत्र में एक बारात घर में शादी समारोह के दौरान दूल्हा और दुल्हन पक्ष के लोग आपस में बुरी तरह भिड़ गए. दूल्हा पक्ष द्वारा दहेज के रूप में दो लाख रुपये और एक बुलेट मोटरसाइकिल की मांग पूरी न होने के कारण यह विवाद पैदा हुआ. खाना खाने के दौरान दोनों पक्ष अचानक आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे पर लात-घूंसे, कुर्सियां तथा खाने की प्लेटें फेंककर हमला कर दिया. इस हिंसक झड़प की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और वायरल वीडियो के आधार पर जांच-पड़ताल शुरू कर दी.

बारात घर बना जंग का मैदान

शादी की खुशियां उस वक्त काफूर हो गईं जब धूमधाम से संपन्न हो रहे समारोह में दहेज की मांग को लेकर विवाद शुरू हो गया. देखते ही देखते पूरे बारात घर में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने खाना उठाकर इधर-उधर फेंकना शुरू कर दिया. इस मारपीट में जिसके हाथ में जो आया, उसने उसी से हमला किया. किसी ने कुर्सी उठाकर मारी तो कोई खाने की प्लेटें दूसरे पक्ष पर फेंकता नजर आया.

पुलिस में शिकायत और जांच शुरू

इस पूरी घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने आंवला थाने में पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस वीडियो के आधार पर हुड़दंगियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है. इस संबंध में फोन पर जानकारी देते हुए आईपीएस अंशिका वर्मा ने बताया कि पुलिस को मामले की शिकायत प्राप्त हो चुकी है और जल्द ही जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

BJP नेताओं को ठगने का खेल, प्रदेश उपाध्यक्ष का मोबाइल हैक, गृहमंत्री, PMO समेत हरियाणा के CM से मांगे पैसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। साइबर अपराधियों की शातिराना हरकत बेखौफ हैं। ये किसी भी स्तर की शख्सियत को ठगने से नहीं चूकते। ताजा मामला बीजेपी शीर्ष नेताओं से जुड़ा है। बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष का मोबाइल फोन हैक करके अपराधियों ने गृहमंत्री, पीएमओ, हरियाणा के मुख्यमंत्री समेत 6000 लोगों को रुपये मांगने की संदेश भेजे। जिनमें से कुछ लोगों ने रुपये भी भेज दिए। पता चलने पर गृह मंत्रालय से आगरा के थाना न्यू आगरा में केस दर्ज हुआ है। पुलिस की साइबर टीम अपराधियों का पता लगाने में जुटी है। मामला एक जून का है। हाथरस के रहने वाले बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा एक जून को आगरा में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। तभी उनके मोबाइल फोन पर एक अनजान कॉल आई। कॉलर से उन्हें बताया कि वह प्रदेश अध्यक्ष को गिफ्ट पार्सल भेजना चाहता है। डिलीवरी मैन को लोकेशन देनी है। इसके लिए कॉलर ने उनसे स्टार और हैश लगाकर एक नंबर डायल करने के लिए कहा। कॉलर की बातों में आकर उन्होंने नंबर डायल कर दिया था।

हैक कर लिया वॉट्सऐप और फेसबुक

दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि उन्हें एक मीटिंग में भाग लेना था। इसलिए जल्दबाजी में उन्होंने कॉलर के कहे अनुसार नंबर डायल कर दिया। इसके बाद उनका व्हाट्सएप और फेसबुक हैक हो गया। साइबर अपराधियों ने गृहमंत्री, पीएमओ, हरियाणा के मुख्यमंत्री समेत 6000 लोगों को पैसे मांगने के लिए संदेश भेज दिए। कॉलर ने उनकी ओर से जरुरत पड़ने पर पैसे की डिमांड की थी। गुजरात के एक व्यक्ति ने उन्हें फोन करके इसकी जानकारी दी तब उन्हें पता चला कि कोई उनके नंबर से रुपये मांग रहा है।

बिहार से आया था कॉल

पुलिस की जांच में कॉलर की लोकेशन बिहार के मैसी इलाके की मिली है। जिस नंबर से कॉल किया गया था, वह जयपुर का निकला है। डीसीपी सिटी अली अब्बास का कहना है कि मोबाइल हैक कर रुपये मांगे गए थे। जिन नंबर से कॉल किया गया था उनकी जानकारी ली जा रही है। साइबर थाना सेल को लगाया गया है। जल्द ही खुलासा किया जाएगा। पुलिस जानकारी में पता चला है कि साइबर फ्रॉड ने लगातार लोगों को कॉल करके रुपये मांगे थे। लोगों के मोबाइल फोन पर क्यूआर कोड भेजे गए थे।

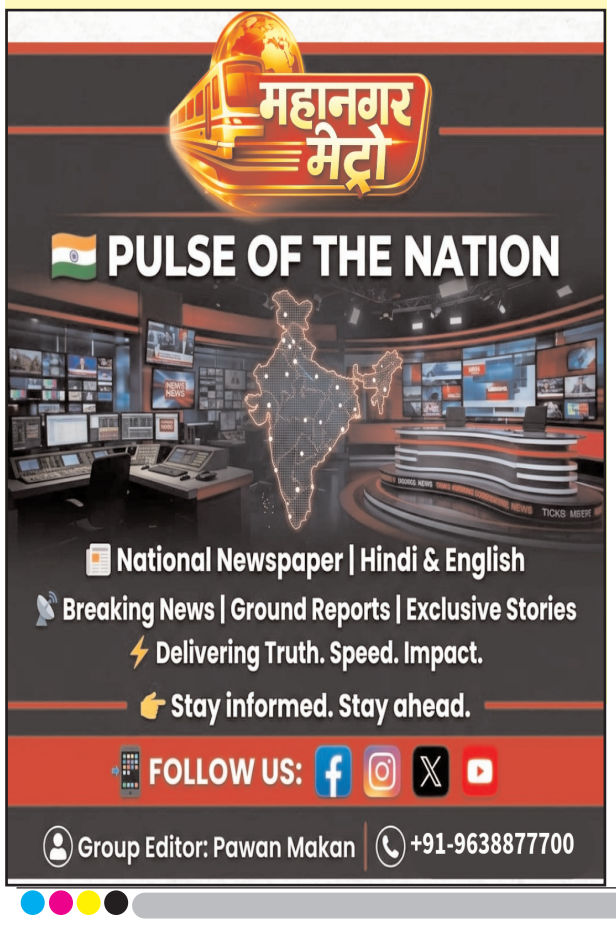

राज्यसभा चुनाव: राहुल गांधी से हुई चूक, 100% सच निकली कांग्रेस नेता की भविष्यवाणी, 5 दिन पहले ही कह दी थी ये बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अपने विधायकों को रिसॉर्ट पॉलिटिक्स के जरिए सहेजने और क्रॉस वोटिंग से बचाने के ताने-बाने बुन रही थी, ठीक उसी वक्त पार्टी के भीतर से एक ऐसी आवाज उठी, जिसे आलाकमान ने पूरी तरह अनसुना कर दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी ने सोशल मीडिया से लेकर दिल्ली दरबार तक सीधे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को टैग करते हुए साफ शब्दों में आगाह किया था कि मध्य प्रदेश में राज्यसभा उम्मीदवार चुनने में बहुत बड़ी चूक की जा रही है। आज जब बिना वोटिंग के बीजेपी ने तीसरी सीट अपनी झोली में डाल ली, तो ज्ञानचंदानी की वही बातें कांग्रेस को सबसे ज्यादा चुभ रही हैं।

पूरे मामले की 6 बड़ी बातें

नरेश ज्ञानचंदानी ने नामांकन से पहले ही राहुल और प्रियंका गांधी को मैसेज भेजकर बड़ी चूक के प्रति सचेत किया था।

ज्ञानचंदानी का साफ दावा था कि मध्य प्रदेश से दिग्विजय सिंह को दोबारा रिपीट करना ही एकमात्र सबसे सुरक्षित विकल्प था। दिग्विजय सिंह के मैदान में रहने से न तो फॉर्म में तकनीकी लापरवाही होती और न ही क्रॉस वोटिंग का कोई खतरा रहता। आलाकमान ने ज्ञानचंदानी की चेतावनी को नजरअंदाज कर मीनाक्षी नटराजन पर दांव खेला। नटराजन के नामांकन फॉर्म में रह गई एक मामूली तकनीकी लापरवाही को बीजेपी के रणनीतिकारों ने हथियार बना लिया। संख्या बल न होने के बावजूद बीजेपी ने बिना वोटिंग के कांग्रेस के हाथ से यह तीसरी सीट छीन ली। दिग्विजय सिंह को न लाने का खामियाजा भुगतानरेश ज्ञानचंदानी का यह तर्क अब राजनीतिक गलियारों में सच की तरह गूंज रहा है कि अगर पार्टी दिग्विजय सिंह के नाम पर मुहर लगाती, तो उनका जमीनी मैनेजमेंट और कानूनी समझ ऐसी किसी भी तकनीकी चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ती। वरिष्ठ पत्रकार प्रभु पटेरिया समेत तमाम विश्लेषक भी अब ज्ञानचंदानी के सुर में सुर मिला रहे हैं। दिग्गजों का मानना है कि पार्टी नेतृत्व विधायकों की गिनती में इतना उलझ गया कि फॉर्म की बुनियादी जांच जैसी जरूरी चीज ही भूल गया। अमित शाह की एडवांस प्लानिंग ने कांग्रेस की इसी संगठनात्मक ढिलाई को पकड़ लिया और पूरा पासा ही पलट दिया।

क्रेडिबिलिटी पर उठ रहे सवाल

इस करारी हार ने मध्य प्रदेश कांग्रेस के भीतर एक नए गृहयुद्ध का रास्ता साफ कर दिया है। ज्ञानचंदानी की चेतावनी का सच होना यह साबित करता है कि जमीन से जुड़े नेताओं के फीडबैक को नजरअंदाज करना आलाकमान को कितना भारी पड़ सकता है। जहां बीजेपी हर एक सीट के लिए माइक्रो-लेवल पर जाकर व्यूहरचना कर रही थी, वहीं कांग्रेस अपने उम्मीदवार के कागजात तक दुरुस्त नहीं रख पाई।

राज्यसभा चुनाव: मीनाक्षी नटराजन का पर्चा खारिज होने पर झुका चुनाव आयोग, बुलाई बड़ी बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी में चुनाव आयोग दफ्तर के सामने गजब का नजारा दिखा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार जैसी भारी-भरकम सियासी हस्तियां गर्मी में दफ्तर के फर्श पर चादर बिछाकर सोई नजर आईं। वजह थी राहुल गांधी की बेहद करीबी और राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के फॉर्म का रिजेक्ट होना। कांग्रेस का आरोप है कि यह लोकतंत्र की हत्या है। वहीं दिल्ली में भी कांग्रेस नेताओं को जब निर्वाचन सदन के भीतर जाने से रोका गया, तो वे मुख्य गेट पर ही धरने पर बैठ गए।

इस पूरे सियासी घमासान की 6 बड़ी बातें:

चुनाव आयोग ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को बुधवार दोपहर 12 बजे दिल्ली में बैठक का समय दिया है। बीजेपी उम्मीदवार महेश केवट की शिकायत के बाद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किया गया

था। आरोप है कि नटराजन ने अपने हलफनामे में तेलंगाना के एक पेंडिंग क्रिमिनल केस की जानकारी छिपाई। कांग्रेस ने इस कार्रवाई को वोट चोरी के बाद अब बीजेपी की सीट चोरी करार दिया है। भोपाल में जीतू पटवारी और उमंग सिंघार ने पूरी रात चुनाव आयोग के दफ्तर के फर्श पर सोकर काटी। कांग्रेस ने हार न मानते हुए इस पूरे मामले को अब देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट में ले जाने का मन बनाया है। महेश केवट का वो एक दांव इस पूरे खेल की स्क्रिप्ट बीजेपी उम्मीदवार महेश केवट की एक शिकायत से लिखी गई। केवट ने रिटर्निंग ऑफिसर के सामने पुख्ता सबूत रखे कि नटराजन ने तेलंगाना में दर्ज एक पुराने मुकदमे को छुपाया है। फॉर्म रिजेक्ट होने के बाद मीनाक्षी नटराजन ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, 'जब बीजेपी को लगा कि कांग्रेस का घर पूरी तरह एकजुट है और वे वोट नहीं तोड़ पाएंगे, तो उन्होंने कानूनी दांवपेंच का सहारा लेकर सीधे सीट ही चुरा ली।' बता दें कि नटराजन 2009 से 2014 तक मंदसौर से सांसद रही हैं .

लखनऊ में इकाना स्टेडियम पर एलडीए का एक्शन... निर्माण से रखरखाव तक होगी जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। स्थित भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम एक बार फिर चर्चा में है. इस बार वजह कोई क्रिकेट मुकाबला नहीं, बल्कि स्टेडियम के निर्माण, रखरखाव और अनुबंध से जुड़ी शर्तों की जांच है. लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने स्टेडियम के संचालन और उससे जुड़े निर्माण कार्यों की समीक्षा के लिए एक विशेष समिति का गठन किया है. लखनऊ का इकाना स्टेडियम... वही मैदान जहां चौके-छक्कों की गूंज सुनाई देती है, जहां हजारों दर्शक मैच का रोमांच देखने पहुंचते हैं. लेकिन इस बार चर्चा क्रिकेट की नहीं, बल्कि जांच की हो रही है. कारण है- लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) का एक फैसला. एलडीए ने इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण, संचालन, रखरखाव और अनुबंध की शर्तों की जांच के लिए एक विशेष समिति गठित कर दी है. यानी अब स्टेडियम में रिकॉर्ड और फाइलें खंगाली जाएंगी. एलडीए यह पता लगाना चाहता है कि स्टेडियम का संचालन उन शर्तों के मुताबिक हो रहा है या नहीं, जिनके आधार पर इसका अनुबंध किया गया था. सवाल सिर्फ इमारत का नहीं है. जांच का दायरा काफी बड़ा रखा गया है. समिति यह देखेगी कि निर्माण कार्य तय मानकों के अनुसार हुआ या नहीं. रखरखाव व्यवस्था कैसी है. अनुबंध की शर्तों का पालन हो रहा है या नहीं. स्टेडियम परिसर में विकसित खेल सुविधाएं और अन्य ढांचागत परियोजनाएं किस स्थिति में हैं. यानि सिर्फ पिच नहीं, पूरे सिस्टम का निरीक्षण होगा. एलडीए ने समिति को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपे. इस रिपोर्ट में निर्माण की गुणवत्ता, रखरखाव की स्थिति और अनुबंध से जुड़े सभी पहलुओं का विस्तृत ब्योरा होगा. इसके बाद एलडीए रिपोर्ट की स्टडी करेगा और जरूरत पड़ने पर आगे की कार्रवाई तय करेगा. फिलहाल जांच शुरुआती चरण में है और किसी तरह की अनियमितता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

'हमारे नेताओं ने विधायकों की बेइज्जती करवा दी', रनवे से प्लेन लौटने पर फूटा कांग्रेस विधायक का गुस्सा, कहा- हम बहुत दुखी हैं

रनवे से प्लेन लौटने पर कांग्रेस विधायक रामकिशोर दोगने का गुस्सा फूट पड़ा है। उन्होंने एयरपोर्ट पर कहा कि हमारे नेताओं विधायकों की बेइज्जती करवा दी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। कांग्रेस विधायकों का प्लेन रनवे से लौट गया है। इसके बाद कांग्रेस के एक विधायक का गुस्सा फूट पड़ा है। एयरपोर्ट से बाहर लौटते वक्त वह कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं के प्रति गुस्से से लाल था। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारे नेताओं ने विधायकों की बेइज्जती करवा दी है। विधायकों के बेंगलुरु शिफ्ट कर रही थी कांग्रेस दरअसल, राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अपने विधायकों को बेंगलुरु शिफ्ट कर रही थी। विधायकों को लेकर जाने के लिए प्लेन आ गई थी। कांग्रेस विधायक बेंगलुरु में पिकनिक मनाने की तैयारी में थे। कांग्रेस विधायक परिवार के साथ वहां जा रहे थे। सभी विधायक प्लेन में जाकर बैठ गए। प्लेन बेंगलुरु ले लिए उड़ान भरने वाली थी। रनवे पर टेक ऑफ के लिए तैयार थी। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन कैंसिल हुआ तो विधायकों से भरे प्लेन को रनवे से लौटना पड़ा। बेंगलुरु टूर कैंसिल होने के बाद हरदा से कांग्रेस विधायक रामकिशोर दोगने का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि हमारे नेताओं की भी बहुत बड़ी गलती है। ये सब चीजें इतनी जल्दी करवाने की जरूरत क्या थी। आपको इतनी जल्दी

क्या थी। दो दिन रुकने के बाद सब प्लान करना चाहिए था। पहले से जगाकर सामने वाले को मौका दिया और उन्होंने नुकसान कर दिया। बेइज्जती करने के सिवा कुछ और नहीं किया। कांग्रेस के नेताओं ने हम विधायकों की बेइज्जती की है। बीजेपी ने भी की है। रामकिशोर दोगने, कांग्रेस विधायक उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेताओं ने हमारी बेइज्जती की है। हमें गुस्सा है। पार्टी कार्यकर्ता और विधायक जमीन पर लड़ते हैं और यहां इस तरह की हरकतें होती हैं। तीन दिन से चल रहीं हरकतें ठीक नहीं हैं। ये सब प्लान से हुआ है। प्लेन रनवे पर चल गया और लौटा दिया गया। ऐसा कही होता है क्या। ये सब कुछ प्लान के तहत हुआ है। गौरतलब है कि कांग्रेस विधायकों को क्रॉस वोटिंग रोकने के नाम पर फ्री में एक ट्रिप मिलने वाला था। अचानक से ट्रिप कैंसिल होने के बाद कांग्रेस विधायक रामकिशोर दोगने आगबबूला हो गए। अब कई विधायक अपने नेतृत्व को ही इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। विधायकों को बेंगलुरु में रुकना था। वे वोटिंग के दिन यहां लौटकर आने वाले थे।

तीन बहनों की खातिर इकलौते भाई ने छुपाई रखी मुस्लिम बनने की बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तरप्रदेश। शामली के चर्चित धर्मांतरण मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं. करोड़पति दवा कारोबारी के इकलौते बेटे आयुष मलिक उर्फ मोहम्मद अली ने दावा किया है कि उसने कई साल पहले अपनी मर्जी से इस्लाम धर्म अपना लिया था, लेकिन अपनी तीन सगी बहनों की शादी प्रभावित न हो इसलिए इस बात को सबसे छिपाकर रखा. वहीं शामली के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अक्षय यादव की अदालत ने इस मामले में गिरफ्तार चांदनी कुरैशी और उसके पिता इस्लाम कुरैशी की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं. अदालत ने कहा कि फिलहाल मामले में जमानत देने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं. आयुष मलिक ने दावा किया कि उन्होंने कई साल पहले इस्लाम धर्म अपना लिया था. हालांकि उन्होंने यह बात सार्वजनिक नहीं की क्योंकि उनकी तीन बहनों की शादी होनी बाकी थी. मीडिया से बातचीत में आयुष ने कहा कि यदि उस समय परिवार और समाज को उनके धर्म परिवर्तन की जानकारी मिल जाती तो इसका असर उनकी बहनों के रिश्तों पर पड़ सकता था. इसी वजह से उन्होंने अपने फैसले को निजी रखा. आयुष का कहना है कि अब जब बहनों की शादी हो चुकी है, तब उन्होंने खुलकर अपनी पहचान सामने रखी है. पुलिस रिकॉर्ड और शिकायत के अनुसार, आयुष की पहचान चांदनी कुरैशी से हुई थी. दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में शादी हुई. हालांकि यहां से कहानी दो हिस्सों में बंट जाती है. आयुष का दावा है कि उन्होंने अपनी इच्छा से धर्म परिवर्तन किया और किसी ने उन पर दबाव नहीं बनाया. वहीं उनके पिता का आरोप है कि चांदनी और उससे जुड़े लोगों ने शादी का लालच देकर उनके बेटे का धर्म परिवर्तन कराया. दूसरी तरफ आयुष के पिता देवराज मलिक इस पूरे घटनाक्रम को अलग नजरिए से देख रहे हैं.

MP के अस्पताल में गार्ड मरीजों को चढ़ा रहा था ड्रिप, वीडियो सामने आया तो जिम्मेदार बोले- जांच करा रहे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले का चितरंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों किसी उपलब्धि की वजह से नहीं, बल्कि एक वायरल वीडियो की वजह से चर्चा में है. वीडियो में एक शख्स मरीजों को ड्रिप चढ़ाता दिखाई दे रहा है. आरोप है कि वह अस्पताल का सिक्योरिटी गार्ड है. यानी जिसकी जिम्मेदारी अस्पताल की सुरक्षा देखना है, वह मरीजों के इलाज से जुड़ा काम करता नजर आ रहा है. अब अगर यह आरोप सही है, तो सवाल छोटा नहीं है. वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भी सामने आया है. उनका कहना है कि चितरंगी अस्पताल में यह कोई नई बात नहीं है. यहां पहले भी वार्ड बॉय द्वारा इंजेक्शन लगाने और ड्रिप चढ़ाने जैसी घटनाओं के वीडियो सामने आ चुके हैं. यानी आरोप यह है कि अस्पताल में इलाज का काम प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ नहीं, बल्कि दूसरे कर्मचारी संभाल रहे हैं. और

अगर ऐसा है, तो फिर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ आखिर कर क्या रहे हैं? वीडियो बनाने वाले राकेश मौर्य का कहना है कि अस्पताल की व्यवस्था लंबे समय से सवालों के घेरे में है. उनके मुताबिक, कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां मरीजों की देखभाल और इलाज से जुड़े काम गैर-प्रशिक्षित लोग करते दिखाई दिए हैं. वीडियो में भी इसी तरह का दृश्य कैद हुआ, जिसने सोशल मीडिया पर आते ही लोगों का ध्यान खींच लिया.

सबसे बड़ा सवाल: दोपहर 2 बजे स्टाफ कहां था?

स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना दोपहर करीब 2 बजे की है. यह वह समय होता है जब अस्पताल पूरी तरह सक्रिय रहता है. ऐसे में सवाल है कि अगर एक सुरक्षा गार्ड ड्रिप लगा रहा था, तो उस वक्त ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मी कहां थे क्या वे अस्पताल में मौजूद नहीं थे या फिर मौजूद थे और जिम्मेदारी किसी और के हवाले कर दी गई थी सोशल मीडिया पर मामला तूल पकड़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया. सीएमएचओ सिंगरौली पुष्पराज सिंह का कहना है कि एक वीडियो संज्ञान में आया है. चितरंगी ब्लॉक मेडिकल आफिसर को पत्र भेजकर जानकारी की जा रही है, साथ ही नर्सिंग स्टाफ कहां था, सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराने वाली संस्था को सैडमैप को भी नोटिस जारी किया है. फिलहाल जांच शुरू हो चुकी है और स्वास्थ्य विभाग जिम्मेदार लोगों की पहचान करने की बात कह रहा है. लेकिन इस पूरे मामले ने एक बार फिर सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है. क्योंकि अगर अस्पताल में मरीजों को ड्रिप चढ़ाने का काम सुरक्षा गार्ड कर रहे हैं.

पीएम नरेंद्र मोदी ने तोड़ा नेहरू का रिकॉर्ड तो बोलीं शाइता अंबर- 'कोई तो वजह होगी, विपक्ष को सोचना चाहिए'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में सबसे लंबे समय तक इस पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने 4399 दिनों तक प्रधानमंत्री पद पर रहकर पहले पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस मौके पर पीएम मोदी को तमाम बधाइयां मिल रही हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम विमेंस पर्सनल लॉ बोर्ड की अध्यक्ष और संस्थापक शाइस्ता अंबर ने भी शुभकामनाएं दी हैं। शाइस्ता अंबर ने कहा- 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके संगठन और भारत सरकार को इतने बड़े रिकॉर्ड के लिए बधाई देना चाहती हूं। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया है। जरूर कोई वजह होगी कि हमारे देश के लोगों ने आप पर भरोसा किया है और आप उनका प्रतिनिधित्व करते हैं। आप सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं और कई राज्यों में आपकी पार्टी सत्ता में है। विपक्षी पार्टियों को इस उपलब्धि को मानना चाहिए और इसके पीछे की वजहों पर सोचना चाहिए।' 'विपक्ष को इसकी

वजह सोचना चाहिए' शाइस्ता अंबर ने आगे कहा- 'युवाओं की शिक्षा और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें। जिस तरह विदेश में बसे लोग पीएम नरेंद्र मोदी पर भरोसा करते हैं, ये प्रशंसा के लायक है। ये अकेले प्रधानमंत्री के साथ ही नहीं, उनके संगठन में इतना अनुशासन है, उनके साथ काम करने वाले अफसर भी प्रशंसा के लायक हैं। मोदी जी को बार-बार प्रधानमंत्री बनाने के पीछे उनका भी योगदान है। विपक्ष को इसका कारण जानना चाहिए। आपस में विवाद करने की जगह विपक्ष को सरकार के साथ मिलकर देश को मजबूत करने का काम करना चाहिए।' नेहरू का था 4398 दिन का रिकॉर्ड गौरतलब है कि 10 जून, 2026 को नरेंद्र मोदी ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में 4399 दिन पूरे कर लिए हैं। ऐसा कर उन?होंने पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के 4398 दिनों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। राष?ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पत्र लिखकर पीएम मोदी को बधाई दी है कांग्रेस के वरिष?ठ नेता कर्ण सिंह ने भी पीएम मोदी को बधाई देते हुए उनकी उपलब्धियों की सराहना की है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (गुरुवार) 11 जून 2026

दिल्ली-NCR में मौसम का रौद्र रूप, 128 KM/घंटा की स्पीड वाली हवाओं ने उड़ाए होश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भीषण गर्मी से जूझ रहे दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार रात मौसम ने अचानक करवट ली. धूल भरी आंधी, तेज बारिश और 128 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली हवाओं ने गर्मी से राहत तो दी, लेकिन कई इलाकों में अफरा-तफरी भी मचा दी. मौसम विभाग का कहना है कि यह राहत अभी जारी रह सकती है और अगले कुछ दिनों में बारिश बढ़ने के आसार हैं. दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार रात तेज बारिश, गरज और धूल भरी आंधी ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया. इस दौरान हवाएं इतनी तेज चलीं कि पिछले कई दशकों के कुछ सबसे शक्तिशाली झोंके दर्ज किए गए. हालांकि, बारिश उतनी नहीं आई, जितनी उम्मीद की जा रही थी. धूल भरी आंधी, तेज हवाओं, बिजली की चमक और हल्की बारिश के साथ आए इस भीषण मौसम ने राजधानी को गर्मी से तो राहत दी, लेकिन शहर के कई हिस्सों में हालात भी बिगाड़ दिए. पूसा में देर रात 128 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा का सबसे तेज झोंका दर्ज किया गया, जबकि पालम में हवा की गति 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई, जो 25 साल पुराने रिकॉर्ड के बराबर है. कि इससे पहले के दशकों में इससे भी तेज हवा के झोंके दर्ज किए गए थे, जिनमें मई 1991 में 147 किमी प्रति घंटा, मई 1989 में 145 किमी प्रति घंटा, जून 1997 में 139 किमी प्रति घंटा और जून 1988 में 126 किमी प्रति घंटा शामिल हैं. पालम के अलावा, दिल्ली भर के कई निगरानी केंद्रों ने तेज हवाओं की जानकारी दी. सफदरजंग में 64 किमी प्रति घंटा, पूसा में 80 किमी प्रति घंटा, जाफरपुर में 59 किमी प्रति घंटा, छतरपुर में 56 किमी प्रति घंटा, पीतमपुरा में 35 किमी प्रति घंटा, लोदी रोड में 31 किमी प्रति घंटा और जनकपुरी में 30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा के झोंके दर्ज किए गए. इस तूफान के कारण दिल्ली और एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई और दिन की भीषण गर्मी से राहत मिली.

सौरभ भारद्वाज के खिलाफ मानहानि केस में स्टेटमेंट दर्ज कराने नहीं पहुंच सके प्रवेश वर्मा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री और भाजपा नेता प्रवेश वर्मा द्वारा आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले मेंमंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रवेश वर्मा की ओर से अदालत से उनका बयान दर्ज कराने के लिए समय मांगा गया। उनके वकील ने कोर्ट को बताया कि व्यस्तता के कारण प्रवेश वर्मा निर्धारित तारीख पर पेश नहीं हो सके। अदालत ने अनुरोध स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई तय की है। अब 4 जुलाई को राउज एवेन्यू कोर्ट में प्रवेश वर्मा का बयान दर्ज किया जाएगा। दरअसल, आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया था कि प्रवेश वर्मा ने 'एस.एस. मोटा सिंह स्कूल ट्रस्ट' में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने करीबी सहयोगियों की नियुक्ति कराई है। भारद्वाज ने दावा किया था कि इस ट्रस्ट के पास करीब 500 करोड़ रुपए की संपत्ति है। इन आरोपों को प्रवेश वर्मा ने पूरी तरह झूठा, निराधार और मानहानिकारक बताते हुए सौरभ भारद्वाज के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले से जुड़े सिविल मानहानि मुकदमे में भी कार्रवाई जारी है। प्रवेश वर्मा द्वारा दायर सिविल मानहानि याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने सौरभ भारद्वाज को समन जारी किया और उन्हें 30 दिनों के भीतर लिखित जवाब तथा हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। सिविल मानहानि मामले में प्रवेश वर्मा ने सौरभ भारद्वाज से 5 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की है। मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है। प्रवेश वर्मा ने अपनी याचिका में कहा है कि सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके खिलाफ झूठे, दुर्भावनापूर्ण और अत्यधिक अपमानजनक पोस्ट और वीडियो शेयर किए थे। जिसमें आरोप लगाया गया कि एक मंत्री के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करके उन्होंने अपने एक सहयोगी को निजी स्कूल ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्त किया।

साढ़े 7 एकड़ जमीन मिलते ही पोतों ने बेसहारा छोड़ा, दादी ने केस कर दिया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र । लातूर जिले में 89 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अपने ही पोतें के खिलाफ कानूनी लड़ाई जीतकर साढ़े 7 एकड़ जमीन वापस हासिल कर ली. आरोप है कि जमीन अपने नाम कराने के बाद दोनों ने दादी की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी नहीं निभाई. इसके बाद बुजुर्ग महिला ने सीनियर सिटिजन ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया, जहां सुनवाई के बाद गिफ्ट डीड रद्द कर दी गई. इस फैसले के साथ जमीन का अधिकार फिर से महिला को मिल गया. अब यह मामला इस वजह से चर्चा में है कि बुजुर्गों की देखभाल के वादे पर ली गई संपत्ति को कानून के जरिए वापस भी लिया जा सकता है. यह पूरा मामला लातूर जिले के करसा गांव का है. पीड़ित बुजुर्ग महिला हौसाबाई लहाड़े ने अपनी तीन हेक्टेयर (लगभग साढ़े सात एकड़) उपजाऊ खेती की जमीन अपने पोते और परपोते के नाम कर दी थी. उन्होंने यह जमीन एक रजिस्टर्ड गिफ्ट डीड के जरिए इस उम्मीद में सौंपी थी कि दोनों पोते उनके बुढ़ापे का सच्चा सहारा बनेंगे. वे जीवन के आखिरी पड़ाव में उनकी हर छोटी-बड़ी जरूरत का ख्याल रखेंगे. जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम होते ही दोनों पोतों ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया. उन्होंने बुजुर्ग हौसाबाई की देखभाल करने और उन्हें भोजन-दवाई देने से साफ मना कर दिया. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, जब प्रताड़ना हद से ज्यादा बढ़ गई, तब हौसाबाई ने हिम्मत दिखाई. उन्होंने Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act (माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण कानून) 2007 के तहत ट्रिब्यूनल में कानूनी न्याय की गुहार लगाई, ताकि उन्हें अपनी ही जमीन वापस मिल सके. सीनियर सिटिजन ट्रिब्यूनल की पीठासीन अधिकारी रोहिणी नरहे-विरोले ने मामले की गहन सुनवाई की. उन्होंने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद साफ कहा कि बुजुर्ग माता-पिता की सेवा करना सिर्फ एक नैतिक जिम्मेदारी नहीं है. जब कोई संपत्ति इस वादे पर ट्रांसफर की जाती है, तो बुजुर्गों की देखभाल करना एक कानूनी शर्त बन जाती है. पोतों ने इस शर्त का खुला उल्लंघन किया था, इसलिए उनका जमीन पर अब कोई अधिकार नहीं बचता. अदालत ने न केवल रजिस्टर्ड गिफ्ट डीड को रद्द किया, बल्कि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज पोतों के नामों को भी तुरंत हटाने का निर्देश दिया. इसके साथ ही प्रशासन ने हौसाबाई के मालिकाना हक को दोबारा पूरी तरह बहाल कर दिया.

ब्रिगेडियर उस्मान और ललितादित्य मुक्तापीड के नाम पर हो जोजिला टनल का नामकरण, संजय राउत का पीएम मोदी को खत

शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सुझाव दिया है 8वीं सदी के कश्मीरी शासक सम्राट ललितादित्य मुक्तापीड के नाम पर रखा जाए।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पीएम मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने मांग की है कि कश्मीर घाटी को लद्दाख से जोड़ने वाली जोजिला सुरंग के दो पोर्टल का नाम 1947-48 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के नायक ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान और 8वीं सदी के कश्मीर के शासक सम्राट ललितादित्य मुक्तापीड़ के नाम पर रखा जाए। जोजिला सुरंग कश्मीर घाटी को लद्दाख से जोड़ने वाली एशिया की सबसे लंबी सुरंग है। करीब 6,800 करोड़ रुपये की लागत से बन रही यह सुरंग देश की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है। मंगलवार को एक विस्फोट के बाद अंतिम 'ब्रेकथ्रू' (आर-पार रास्ता) प्राप्त कर लिया गया। यह रिकॉर्ड ऊंचाई पर स्थित दुनिया की सबसे लंबी 'सिंगल-ट्यूब', दो मार्ग वाली सुरंग है जो अब पूरा होने के करीब है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रिमोट का बटन दबाकर लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के मिनीमर्ग स्थित सुरंग के ईस्ट पोर्टल के पास 'ब्रेकथ्रू' स्थल पर विस्फोट किया। सुरंग के निर्माण कार्य में 'ब्रेकथ्रू' उस स्थिति को कहते हैं जब सुरंग की खुदाई दोनों दिशाओं से पूरी हो जाती है और सुरंग दोनों ओर आर-पार के लिए खुल जाती है। अधिकारियों के अनुसार इस सुरंग के फरवरी 2028 में जनता के लिए खोले जाने की संभावना है। संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में कहा कि जोजिला सुरंग आज़ाद भारत की सबसे शानदार अवसंरचना परियोजनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि इसके पूरा होने पर, यह न सिर्फ़ कश्मीर और लद्दाख के बीच हर मौसम में आसान संपर्क प्रदान करेगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मज़बूत करेगी, आर्थिक मौके बढ़ाएगी, पर्यटन को बढ़ावा देगी और हमारे देश के कुछ सबसे रणनीतिक रूप से अहम इलाकों के बीच एकीकरण को और मज़बूत करेगी। संजय राउत ने कहा कि मेरा प्रस्ताव है कि जोजिला सुरंग के एक छोर को ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान का नाम दिया जाए। वहीं दूसरे छोर को सम्राट ललितादित्य मुक्तापीड के नाम पर पुकारा जाए। इस तरह दो खास लोगों को याद रखा जाए जो भारत की राष्ट्रीय विरासत के अलग-अलग लेकिन एक-दूसरे के पूरक पहलुओं के प्रतीक हैं। भारतीय इतिहास में एक शक्तिशाली सांस्कृतिक एवं सैन्य केंद्र के तौर पर स्थापित किया।

ठाणे में बर्थडे केक संग 2 मेटल पिन निगल गया बच्चा, मां ने बताया 48 घंटे का वह खौफनाक मंजर, पैरेंट्स को दी सलाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। रेयांश का तीसरा जन्मदिन खुशी-खुशी मनाया जाना था, लेकिन उसके परिवार के लिए यह 48 घंटे की परेशानी और सदमे में बदल गया। ऐसा तब हुआ जब उसने अनजाने में चॉकलेट बॉलिंग पिन के अंदर छिपी दो मेटल पिन निगल लीं, जो उसके जन्मदिन के केक को सजाने के लिए इस्तेमाल की गई थीं। ठाणे के हीरानंदानी एस्टेट में रहने वाली बायोलॉजी टीचर स्नेहा शेलार के लिए यह घटना एक बुरा सपना बन गई, जिसके निशान उनके बेटे के शरीर से मेटल के टुकड़ों के सुरक्षित रूप से बाहर निकल जाने के बाद भी उनके मन पर रह गए। बच्चे की मां ने कहा कि मेरे बेटे का जन्मदिन का केक मेरी ज़िंदगी का सबसे बुरा सपना बन गया। 31 मई को परिवार ने स्पाइडरमैन-थीम वाली पार्टी और कस्टमाइज़्ड बॉलिंग एली केक के साथ रेयांश के जन्मदिन की पूर्व संध्या मनाई थी। स्नेहा शेलार ने कहा कि यह सब वैसा ही था जैसा मैंने सपना देखा था, सजावट, केक और हमारा पूरा परिवार, असल में वह सब कुछ जो उसे पसंद है। लेकिन अगले दिन, बच्चे के असली जन्मदिन पर, परिवार जश्न मनाने के बजाय अस्पताल में था। शेलार ने आरोप लगाया कि ठाणे की एक बेकरी ने परिवार को बिना बताए चॉकलेट बॉलिंग पिन के अंदर सपोर्ट के लिए मेटल के तार डाले थे, जबकि उन्हें बताया गया था कि केक छोटे बच्चों के लिए है। आंत में फंसी नजर आईं दो पिन खतरे का पता तब चला जब बड़े बच्चों को सजावट के अंदर मेटल की रॉड मिलीं और उन्होंने अपने माता-पिता को बताया। रेयांश के उन्हें निगल लेने के डर से, परिवार उसे अगली सुबह एक्स-रे के लिए ले गया। उनकी मां ने कहा कि स्कैन में उसकी छोटी आंत में दो मेटल पिन फंसी हुई दिखाई दीं। जुपिटर हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने सर्जरी न करने की सलाह दी क्योंकि पिन पहले ही आंत तक पहुंच चुकी थीं और उन्होंने उनके प्राकृतिक रूप से बाहर निकलने का इंतजार करने की सलाह दी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि रेयांश अब सुरक्षित है। 48 घंटे बाद दोनों तार प्राकृतिक रूप से बाहर निकल गए।

'समुद्र' में पुलिस का छापा... कोर्ट ने पूछा- 64 ग्राहकों को क्यों कस्टडी में लिया? मुंबई के ऑर्केस्ट्रा बार की कहानी

पुलिस ने आठ स्टाफ मेंबर और 64 कस्टमर्स को पकड़ लिया. इसके बाद सभी को बोरीवली कोर्ट में पेश किया गया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दहिसर इलाके में एक ऑर्केस्ट्रा बार पर पुलिस की रात की छापेमारी अचानक सुर्खियों में आ गई. नियमों के उल्लंघन की शिकायत पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने बार स्टाफ के साथ-साथ 64 ग्राहकों को भी हिरासत में ले लिया. लेकिन मामला तब पलट गया जब कोर्ट ने ग्राहकों को हिरासत में लेने पर सवाल उठाए और उन्हें छोड़ने का आदेश दे दिया. वहीं बार स्टाफ के खिलाफ एक्शन जारी है. मुंबई का एक ऑर्केस्ट्रा बार- नाम 'समुद्र'- जहां आमतौर पर लोग म्यूजिक और माहौल के लिए आते हैं, वहां अचानक पुलिस की एंट्री होती है. और एंट्री भी ऐसी कि कहानी सिर्फ स्टेज पर नहीं रुकती, सीधे थाने और फिर कोर्ट तक पहुंच जाती है. सूचना थी कि बार में तय नियमों की अनदेखी हो रही है- समय सीमा से ज्यादा देर तक संचालन, और कुछ अन्य गड़बड़ियां. पुलिस पहुंची तो अंदर का नजारा सिर्फ स्टाफ तक सीमित नहीं था. पुलिस की छापेमारी के दौरान समुद्र नाम के इस बार में मौजूद करीब 64 ग्राहक और 8 स्टाफ मेंबर- सभी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया. साथ ही मौके से कुछ बार डांसरों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया. बार की सामान्य रात अचानक पुलिस ऑपरेशन में बदल चुकी थी. छापेमारी के बाद सभी को दहिसर पुलिस स्टेशन लाया गया. मामला अब सिर्फ नियमों के उल्लंघन का नहीं, बल्कि बड़ी कार्रवाई का बन चुका था. पुलिस का दावा था कि बार तय नियमों के बाहर जाकर चल रहा था और कार्रवाई जरूरी थी. मंगलवार को सभी को बोरीवली कोर्ट में पेश किया गया. और यहीं कहानी ने दिशा बदल ली. कोर्ट ने जब मामले को सुना तो खासतौर पर इस बात पर सवाल उठे कि सिर्फ बार में मौजूद ग्राहकों को हिरासत में क्यों लिया गया? कोर्ट की टिप्पणी साफ थी- सिर्फ वहां मौजूद होना किसी अपराध का आधार नहीं बन सकता. कोर्ट ने आदेश दिया कि सभी 64 ग्राहकों को नोटिस देकर तुरंत रिहा किया जाए. पुलिस को निर्देश मिला कि ग्राहकों को छोड़ दिया जाए, जबकि बार स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और उन्हें आगे फिर कोर्ट में पेश किया जाएगा.

पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ को वकील का कानूनी नोटिस, कहा- आपकी पीरियड्स वाली स्पीच सनातन धर्म का अपमान

मासिक धर्म और पूजा को लेकर दिए गए एक बयान ने पूर्व मुख्य चंद्रचूड़ को विवादों में ला दिया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

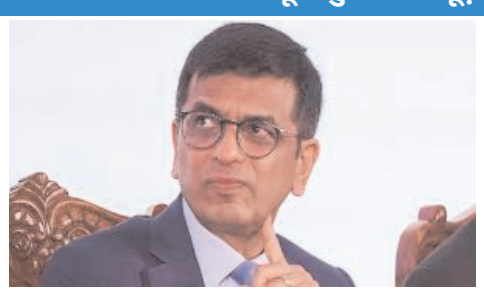

मुंबई। एक वकील ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को 28 मई को मासिक धर्म स्वच्छता सप्ताह के दौरान उनके द्वारा सुनाए गए एक किस्से को लेकर कानूनी नोटिस भेजा है. पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा था, 'जब मेरे बेटे की शादी हुई, तो हमारे घर में पहला गणपति उत्सव था. मेरी बहू मेरे पास आई और बोली, 'पापा, मुझे मासिक धर्म हो रहा है. क्या मैं उस कमरे में आ सकती हूं जहां गणपति विराजमान हैं और क्या मैं पूजा कर सकती हूं?' चंद्रचूड़ ने आगे कहा था, 'मैंने उसकी ओर देखा और कहा बेटी, किसी भी इंसान में कोई अशुद्धता नहीं होती. अशुद्धता मन की अवस्था होती है, शरीर की नहीं. इसलिए, चाहे आपको मासिक धर्म हो या न हो, आप पूरी तरह से स्वतंत्र हैं यहां आकर बैठ सकती हैं और पूजा कर सकती हैं. आप इस घर के हर हिस्से का इस्तेमाल कर सकती हैं और पूजा में भाग ले सकती हैं.' और उसने ठीक वैसा ही किया.'कानूनी नोटिस भेजने वाले एडवोकेट घनश्याम उपाध्याय ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश से बिना शर्त माफी मांगने और अपने बयान पर सार्वजनिक रूप से सफाई देने की मांग की है. उपाध्याय का कहना है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश को स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी टिप्पणियां केवल उनके निजी पारिवारिक मामलों तक सीमित थीं. साथ ही उन्हें यह भी कहना चाहिए कि उन्हें सनातन धर्म के धार्मिक ग्रंथों और परंपराओं की नई व्याख्या करने या उनमें बदलाव सुझाने का कोई धार्मिक अधिकार नहीं है. नोटिस में यह भी मांग की गई है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश साफ करें कि उनका उद्देश्य सबरीमाला मामले से जुड़ी सुप्रीम कोर्ट में चल रही कार्यवाही को किसी भी तरह से प्रभावित करना नहीं था. उपाध्याय ने अपने नोटिस में यह भी मांग की है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश भविष्य में सार्वजनिक कार्यक्रमों, मीडिया मंचों या सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियां करने से बचें, जिनसे सनातन धर्म की मान्यताओं, परंपराओं और धार्मिक नियमों को लेकर विवाद पैदा हो. नोटिस में कहा गया है कि उन्हें अपने पूर्व संवैधानिक पद की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल धार्मिक मामलों की नई व्याख्या करने या उन्हें बदलकर पेश करने के लिए नहीं करना चाहिए, खासकर तब जब धर्म, मंदिरों के अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़े मामले अदालतों में विचाराधीन हों. कानूनी नोटिस में आरोप लगाया गया है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने सिर्फ अपने परिवार की एक निजी परंपरा का जिक्र नहीं किया, बल्कि अपनी व्यक्तिगत राय को ऐसे पेश किया मानो वह धार्मिक परंपराओं में सुधार का सही तरीका हो. नोटिस के अनुसार, इससे सनातन धर्म की स्थापित धार्मिक मान्यताओं और नियमों को चुनौती मिली और उनका मजाक उड़ाया गया. वकील घनश्याम उपाध्याय का कहना है कि सनातन धर्म में मासिक धर्म के दौरान कुछ महिलाओं द्वारा अपनाया जाने वाला अस्थायी एकांतवास (राजस्व व्रत) किसी तरह की हीनता, अपमान या सामाजिक बहिष्कार का प्रतीक नहीं माना जाता. उनके अनुसार, यह धार्मिक और पारंपरिक नियमों से जुड़ी एक प्रथा है.

घर से निकलते ही कुछ दूर चलते ही रौंद गई तेज रफ्तार कार, CCTV में कैद हुई घटना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। लक्ष्मी नगर स्थित ललिता पार्क में एक महिला घर से बाहर निकलते ही सड़क हादसे का शिकार हो गई. तेज रफ्तार मारुति ब्रेजा कार ने उसे टक्कर मार दी, जिसकी पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई. राहत की बात यह रही कि महिला को गंभीर चोट नहीं आई. राजधानी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में एक महिला सड़क हादसे का शिकार होते-होते बाल-बाल बच गई. ललिता पार्क क्षेत्र में हुई यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सामने आया है. बताया जा रहा है कि महिला अपने घर से बाहर निकल रही थी. जैसे ही वह सड़क की ओर बढ़ी, उसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक मारुति ब्रेजा कार ने उसे टक्कर मार दी. टक्कर लगते ही महिला सड़क पर गिर गई और आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई. फुटेज में देखा जा सकता है कि कार काफी तेज गति में थी. वीडियो देखकर हादसा बहुत भीषण मालूम पड़ता है लेकिन महिला की जान बच जाने पर वही कहावत याद आती है- जाको राखे साइयां मार सके न कोई. हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोग तुरंत महिला की मदद के लिए दौड़े. स्थानीय लोगों ने महिला को संभाला और उसकी हालत की जानकारी ली. गनीमत रही कि इस हादसे में महिला को गंभीर चोट नहीं आई. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उसे मामूली चोटें लगी हैं और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है. हालांकि हादसा इतना अचानक हुआ कि कुछ क्षणों के लिए वहां मौजूद लोग भी घबरा गए. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लेकर कार चालक की पहचान और हादसे की परिस्थितियों की पड़ताल शुरू कर दी है

मालवीय नगर हादसे के बाद जागा प्रशासन, दिल्ली में अवैध निर्माण पर MCD सख्त, 29 इमारतें सील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। अवैध निर्माण और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सरकार सख्त हो गई है. मंगलवार को अधिकारियों ने दिल्ली में 86 इमारतों की अचानक जांच की. इस बड़ी कार्रवाई के दौरान, दिल्ली नगर निगम ने 16 अवैध इमारतों को तोड़ दिया और 29 जगहों को सील कर दिया. ये अभियान हाल ही में हौज रानी इलाके में हुए हादसे के बाद शुरू किया गया है, जहां एक अवैध 'बेड-एंड-ब्रेकफास्ट' गेस्ट हाउस में भीषण आग लग गई थी. इस हादसे में 22 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी. इस बड़ी दुर्घटना के बाद से ही प्रशासन बिना अनुमति और सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर बनी इमारतों पर लगातार कार्रवाई कर रहा है. रेवेन्यू डिपार्टमेंट की रोजाना जांच रिपोर्ट के अनुसार, केवल मंगलवार को ही 86 संपत्तियों की जांच की गई, जबकि 5 जून से 9 जून के बीच कुल 538 संपत्तियों की जांच की जा चुकी है. इस दौरान सिविक अधिकारियों के साथ मिलकर नोटिस जारी करने, सीलिंग, तोड़-फोड़ और खाली कराने की कार्रवाई भी शामिल थी. इसके अलावा, एमसीडी ने मंगलवार को अवैध निर्माण के लिए 21 शो-कॉज नोटिस, सीलिंग के लिए 57 शो-कॉज नोटिस और 22 इमारतों को गिराने के आदेश भी जारी किए. अधिकारियों ने कहा कि हौज रानी में आग लगने की घटना के बाद ये कार्रवाई तेज हो गई है. अधिकारियों के मुताबिक, अगर 1 जून से 9 जून के बीच का रिकॉर्ड देखें, तो पूरी दिल्ली में 139 अवैध निर्माण गिराए जा चुके हैं और नियमों को अनदेखा करने वाली 199 जगहों को सील किया गया है. इस दौरान, एमसीडी ने 132 अवैध निर्माणों को शो-कॉज नोटिस, 121 जगहों को सीलिंग के लिए शो-कॉज नोटिस और 64 तोड़-फोड़ के आदेश भी जारी किए. दिल्ली के अलग-अलग जिलों में प्रशासन ने कई कड़े कदम उठाए हैं. साउथ जिले में एक संपत्ति सील की गई और वहां तोड़-फोड़ की कार्रवाई शुरू की गई. साउथ-ईस्ट जिले में अतिरिक्त निर्माण हटाए गए और अवैध निर्माण पर रोक लगाने के आदेश जारी किए गए. पुरानी दिल्ली में एक इमारत को सील कर उसमें तोड़-फोड़ की गई, साथ ही एक दूसरे मामले में नोटिस भी जारी किया गया.

दिल्ली ओ-जोन कॉलोनियों पर सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में ओ-जोन कॉलोनियों में तोड़?फोड़ को लेकर फैल रही आशंकाओं के बीच सीएम रेखा गुप्ता ने मंगलवार को उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक के बाद भरोसा दिया कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार कॉलोनियों में पुराने निर्माण पर कोई तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं होगी। सिर्फ नए निर्माण ही टूटेंगे। बैठक में DDA , MCD मुख्य सचिव के अलावा BJP सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, मनोज तिवारी और यमुनापार विकास बोर्ड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली भी मौजूद रहे। बैठक में सीएम को बताया गया कि ओ-जोन क्षेत्र में करीब 92 कॉलोनियां और एक दर्जन पुराने गांव हैं। इन कॉलोनियों में लगभग 15 लाख लोग निवास करते हैं। प्रशासन द्वारा अब उन कॉलोनियों में ओ-जोन के बोर्ड ने लोगों के मन में आशंका भर दी है, जबकि जनप्रतिनिधियों ने हाई कोर्ट के आदेशों और सरकारी रिकॉर्ड में पाया है कि इन कॉलोनियों जो के पुराने निर्माण पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। आदेश है, वह नए या चल रहे निर्माण को ध्वस्त करने को लेकर है। सांसदों ने ओ-जोन क्षेत्र में बसी कॉलोनियों में शासन द्वारा लगाए गए नोटिस बोर्ड का भी मुद्दा उठाया। सीएम ने पूरे मुद्दे पर ष्ष्ठ से स्पष्टीकरण मांगा तो बताया गया कि हाई कोर्ट ने बन चुके निर्माण पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन माननीय कोर्ट ने चल रहे निर्माण पर सवाल खड़े किए हैं। जिस पर सीएम ने कहा कि हाईकोर्ट ने स्थिति साफ की है कि उसी का पालन होना चाहिए। सिर्फ नए निर्माण पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने DD अधिकारियों से कहा कि वे हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार ओ-जोन क्षेत्र में लगाए गए बोर्ड की भाषा भी बदलें ताकि वहां बसी कॉलोनियों में किसी प्रकार की भ्रम ना हो।

उरी सेक्टर में उपकरणों के रख-रखाव में ग्रेनेड फटा, दो जवान शहीद

बारामूला (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में मंगलवार को उपकरणों के रख-रखाव के दौरान एक हैंड ग्रेनेड फट गया। इस दर्दनाक हादसे में भारतीय सेना के दो जवान शहीद हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने इस घटना की पुष्टि की है। बलिदानी जवानों की पहचान महाराष्ट्र के ऐरोली के रहने वाले चव्हाण विक्रम बालकृष्ण और महाराष्ट्र के सतारा जिले की कराड तहसील के शाहपुर के रहने वाले अर्जुन जाधव राजेंद्र के तौर पर हुई है। सैन्य अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक यह हादसा उरी सेक्टर के कमलकोट स्थित सेना के एक शिविर में हुआ। शिविर में सैन्य उपकरणों और हथियारों के नियमित हस्तांतरण का काम चल रहा था। इसी दौरान एक हैंड ग्रेनेड अचानक डिफ्यूज होने के बजाय फट गया। विस्फोट की चपेट में आने से ड्यूटी पर तैनात दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाके के तुरंत बाद शिविर में अफरा-तफरी मच गई। साथी जवानों और अधिकारियों ने बिना वक्त गंवाए दोनों घायल जवानों को तुरंत वहां से निकाला और अस्पताल ले गए। हालांकि, चोटें इतनी गंभीर थीं कि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों जवानों को मृत घोषित कर दिया। सैन्य और स्थानीय पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के संबंध में कानून के तहत आवश्यक कानूनी और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए आंतरिक जांच भी की जा रही है।

36 हजार भारतीय सिम कंबोडिया में एक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कंबोडिया से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान और पंजाब में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। जांच में खुलासा हुआ है कि हजारों भारतीय सिम कार्ड फर्जी तरीके से एक्टिव कर विदेशी नेटवर्क तक पहुंचाए जा रहे थे, जिनका इस्तेमाल भारत में बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा था। जांच के दौरान एजेंसी ने करीब 2.3 लाख संदिग्ध मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया। इसमें सामने आया कि लगभग 36 हजार भारतीय सिम कार्ड कंबोडिया में सक्रिय थे। इनमें से करीब 5300 सिम कार्ड सीधे तौर पर भारत में साइबर फ्रॉड के मामलों में इस्तेमाल किए गए। जांच एजेंसियों के अनुसार इन नंबरों के जरिए देशभर में सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी को अंजाम दिया गया। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जोधपुर साइबर पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की।

सिख श्रद्धालुओं का जत्था गया पाकिस्तान

अमृतसर (एजेंसी)। पांचवें पातशाह श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर बुधवार को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी यानी एसजीपीसी की अगुवाई में श्रद्धालुओं का एक विशेष जत्था पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुधामों के दर्शन के लिए रवाना हुआ। अटारी-वाघा सीमा पर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा की शुरुआत की। जानकारी के मुताबिक, कुल 561 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट वीजा के लिए भेजे गए थे, जिनमें से 541 श्रद्धालुओं को पाकिस्तान हाई कमीशन द्वारा वीजा जारी किया गया। वहीं 20 श्रद्धालुओं की वीजा अर्जी स्वीकृत नहीं हो सकी। धर्म प्रचार कमेटी के सचिव गुरिंदर सिंह मथरेवाल ने बताया कि पाकिस्तान में 18 जून को श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस से संबंधित मुख्य धार्मिक समागम आयोजित किए जाएंगे। जत्था विभिन्न ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करने के बाद इन समागमों में शामिल होगा और 19 जून को भारत वापस लौटेगा।

आरएसएस मुख्यालय, सीएम दफ्तर उड़ाने की धमकी, खालिस्तान नाम से भेजे गए ईमेल, महाराष्ट्र में जांच एजेंसियां सतर्क

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में बुधवार को आरएसएस मुख्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय और मुंबई-पुणे के मेयर कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले। ईमेल खालिस्तान नेशनल आर्मी बताने वाले ग्रुप की ओर से भेजे गए थे। इसके बाद कई इमारतें खाली कराई गईं और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के मुताबिक कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। नागपुर की मेयर नीता ठाकरे को एक ईमेल मिला। इसमें दावा किया गया था कि महाल स्थित ऋस्स् मुख्यालय और रेशीमबाग के डॉ. हेडगेवार स्मृति भवन में विस्फोटक लगाया गया है। सूचना मिलते ही बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड को मौके पर भेजा गया। पूरे परिसर और आसपास के संवेदनशील इलाकों की जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन एहतियात के तौर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

राम को काल्पनिक कहने पर राहुल के खिलाफ दोबारा सुनवाई

वाराणसी (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से भगवान राम को कथित तौर पर 'मिथकीय पात्र' बताए जाने संबंधी टिप्पणी को लेकर दायर शिकायत मामले में वाराणसी की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के एफआईआर दर्ज करने की मांग खारिज करने वाले आदेश को रद्द करते हुए मामले की नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने कहा कि संबंधित मजिस्ट्रेट सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के फैसलों के आलोक में मामले की दोबारा सुनवाई करें और कानून के अनुसार नया आदेश पारित करें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हरिशंकर पांडेय बनाम राहुल गांधी एवं अन्य में 27 मई 2025 को पारित मजिस्ट्रेट का आदेश निरस्त किया जाता है और मामले पर पुन- विचार किया जाए।

भगवान राम को पौराणिक बताया- दरअसल, राहुल गांधी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप है। राहुल ने भगवान श्रीराम को लेकर विवादित बयान दिए थे। उन्होंने भगवान राम को पौराणिक बताया था और उस युग पर बताई जाने वाली कहानियों को काल्पनिक कहा था। इस मामले में वकील हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है।

आ रही नितिन नवीन की नई भाजपा टीम, मोदी कैबिनेट में भी फेरबदल की तैयारी!

टीम नवीन में युवा और अनुभव का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठनात्मक ढांचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंत्रिपरिषद में जल्द ही बड़ा फेरबदल हो सकता है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में एक नई और युवा टीम की घोषणा जल्द हो सकती है, वहीं मोदी कैबिनेट में भी नए चेहरों को जगह मिलने की अटकलें तेज हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 15 जून के बाद कभी भी नए पदाधिकारियों के नामों का ऐलान हो सकता है, जबकि कैबिनेट विस्तार को लेकर भी सुगबुगाहट तेज है।

जनवरी में पदभार संभालने के बाद से ही 45 वर्षीय नितिन नवीन, जो भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष हैं, अपनी नई टीम के गठन में जुटे हैं। पार्टी की परंपरा रही है कि नए अध्यक्ष के चुने जाने के बाद संगठन में बदलाव होते हैं। पार्टी आलाकमान संगठन को अधिक युवा, अनुभवी और सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाला बनाना चाहता है। माना जा रहा है कि नई टीम में युवा और अनुभव का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा, जिसमें आगामी राजनीतिक रणनीतियों को ध्यान में रखते हुए ओबीसी और दलितों जैसे प्रमुख वर्गों पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। अध्यक्ष नवीन इन दिनों लगातार कई राज्यों का सघन दौरा कर जमीनी फीडबैक जुटा रहे हैं, जो संगठनात्मक बदलावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पार्टी संगठनात्मक बदलावों के साथ ही मोदी कैबिनेट में भी व्यापक फेरबदल की चर्चाएं तेज हैं। प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल के दो साल पूरे करने वाले हैं, जिसके बाद कैबिनेट विस्तार की अटकलें और तेज हो गई हैं। हाल के कुछ घटनाक्रमों ने इन अटकलों को बल दिया है। दो केंद्रीय मंत्रियों पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को क्रमशः उत्तर प्रदेश और दिल्ली में पार्टी की राज्य इकाइयों का प्रमुख बनाकर भेजा गया है, जिससे कैबिनेट में पहले से ही जगह खाली हुई है। वहीं, जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह बिट्टू जैसे नेताओं को राज्यसभा के लिए फिर नामित नहीं किया गया है, जिससे उनके लिए नई भूमिकाओं की संभावना बनी है। चर्चा है कि बिट्टू को पंजाब चुनाव के मद्देनजर कोई बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी या चुनाव अभियान का अहम जिम्मा सौंपा जा सकता है, जबकि कुरियन को किसी राज्य का राज्यपाल बनाकर भेजा जा सकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन की नई कोर टीम और प्रधानमंत्री मोदी के संभावित कैबिनेट विस्तार में कई चौंकाने वाले नाम सामने आ सकते हैं। भाजपा आलाकमान की रणनीति में दक्षिण भारत में पार्टी की स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और पश्चिम बंगाल जैसे अहम राज्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 46 वर्षीय अध्यक्ष नवीन की टीम में अनुभवी नेताओं को उपाध्यक्ष और युवा चेहरों को अन्य पदों पर जगह मिल सकती है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है, जिससे उनके केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने की प्रबल संभावनाएं हैं। एनडीए के सहयोगी दलों जैसे जेडीयू, टीडीपी, एनसीपी और आरएलएम के नेताओं को भी कैबिनेट विस्तार में तवज्जो मिलने की उम्मीद है, खासकर जेडीयू और टीडीपी को कुछ राज्यमंत्री पद मिल सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पंजाब से आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए एक राज्यसभा सांसद को भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। नीट पेपर लीक विवाद के चलते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठ रही है, इसके बाद माना जा रहा है कि उनके विभाग में भी बदलाव किया जा सकता है। कुल मिलाकर, जल्द ही सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर बड़े बदलावों का साक्षी बनने की उम्मीद है।

ममता को एक और झटका : ममता की सयानी भी हुई बागी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। तृणमूल कांग्रेस में बढ़ता बिखराव उनकी चिंता का कारण बन गया है। हाल ही में, 20 टीएमसी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर संसद में अलग बैठने की मांग की है, और इस सूची में अभिनेत्री से नेता बनी सयानी घोष का नाम भी शामिल है। सियानी के इस बदले तेवर को ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सयानी घोष की कुल संपत्ति 90 लाख रुपये से अधिक है। सयानी ने मात्र 17 साल की उम्र में साल 2010 में टेलीफिल्म इच्छे दाना से बंगाली सिनेमा में कदम रखा था। जल्द ही उन्होंने एक अभिनेत्री और गायिका के रूप में अपनी पहचान बनाई। 12वीं तक शिक्षित सयानी 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुई थीं। इसी साल उन्हें आसनसोल सीट से विधानसभा चुनाव लड़ाया गया, हालांकि उन्हें हार मिली। उनकी राजनीतिक यात्रा ने 2023 में तब नया मोड़ लिया, जब वे टीएमसी यूथ विंग की अध्यक्ष बनीं और 2024 के लोकसभा चुनाव में जाधवपुर सीट से जीत कर सांसद बनीं। चुनाव आयोग को दिए गए उनके हलफनामे के अनुसार, सयानी की कुल संपत्ति 91.89 लाख रुपये है, जबकि उन पर करीब 59 लाख का कर्ज भी है। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान घोषित जानकारी के मुताबिक, उनके पास 35,000 रुपये नकद थे, वहीं विभिन्न बैंक खातों जैस एचडीएफसी बैंक, यूको बैंक और रिकरिंग डिपॉजिट में 10.25 लाख रुपये जमा थे। उन्होंने शेयर बाजार या पोस्टल सेविंग में कोई निवेश नहीं किया है। सयानी के पास कुल 11.03 लाख रुपये मूल्य की चार जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जिनमें से दो एलआईसी और दो एचडीएफसी लाइफ की हैं। चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास 8 ग्राम सोना भी है। इसके अतिरिक्त, उनके नाम पर एक होंडा जैज कार है, जिसकी अनुमानित कीमत 6 लाख रुपये है। इन सभी को मिलाकर उनकी कुल चल संपत्ति लगभग 29 लाख रुपये बैठती है।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की संभावना, राघव चड्ढा की एंट्री की अटकलें

-राज्यसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल बढ़ी; 10-12 मंत्रियों के विभाग बदलने और कुछ मंत्रियों के बाहर होने की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव के नतीजों से पहले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) या भारतीय जनता पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन विभिन्न राजनीतिक और मीडिया हलकों में बड़े बदलावों की संभावनाएं जताई जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आगामी फेरबदल में कुछ मौजूदा मंत्रियों को संगठन में जिम्मेदारी दी जा सकती है, जबकि चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्यों को ध्यान में रखते हुए नए चेहरों को मंत्रिपरिषद में शामिल किया जा सकता है। खासकर पंजाब को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं, जहां भाजपा संगठन को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय दिखाई दे रही है। इसी बीच सबसे अधिक चर्चा राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के नाम को लेकर हो रही है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि आम आदमी पार्टी से जुड़े राघव चड्ढा को केंद्र सरकार में जिम्मेदारी मिल सकती है। हालांकि इस संबंध में न तो राघव चड्ढा और न ही किसी राजनीतिक दल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि की गई है। इसलिए फिलहाल इसे केवल अटकलों के तौर पर ही देखा जा रहा है।

पंजाब से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं तरुण चुघ और सुनील जाखड़ के नाम भी संभावित नए चेहरों में शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को इस बार राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार नहीं बनाए जाने के बाद उनके भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन को भी टिकट नहीं मिलने से मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव की अटकलों को बल मिला है।

मंत्रियों के विभाग बदलने की संभावना

रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि फेरबदल के दौरान 10 से 12 मंत्रियों के विभाग बदले जा सकते हैं। कुछ मंत्रियों को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं, जबकि दक्षिण भारत में पार्टी के विस्तार को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण नियुक्तियां होने की संभावना है। कर्नाटक भाजपा की कमान किसी केंद्रीय मंत्री को सौंपे जाने की भी चर्चा है, हालांकि इस संबंध में कोई नाम स्पष्ट नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में राघव चड्ढा को राज्यसभा की याचिका समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इसके बाद से राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर अटकलों का दौर और तेज हो गया है। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल को लेकर अंतिम फैसला भाजपा नेतृत्व और प्रधानमंत्री कार्यालय की घोषणा के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

मीनाक्षी के खारिज नामांकन को लेकर ईसीआई के साथ कांग्रेस नेताओं की बैठक आज

कमलनाथ ने बीजेपी पर अलोकतांत्रिक तरीकों से सीट हथियाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग बुधवार को कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेगा। बैठक में मध्य प्रदेश में 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र खारिज किए जाने पर कांग्रेस की आपत्तियों पर चर्चा की जाएगी। ईसीआई के सीनियर अधिकारियों और कांग्रेस नेताओं के बीच बैठक दोपहर में नई दिल्ली में आयोग के हेडक्वार्टर में होनी है। बैठक के लिए कांग्रेस के अनुरोध को स्वीकार करते हुए, ईसीआई के सचिव अश्विनी कुमार मोहाल ने उन प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम भी मांगे जो बुधवार को ईसीआई ऑफिस जाने वाले हैं।

इससे पहले मध्य प्रदेश में 18 जून को होने वाले द्विवार्षिक चुनावों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर ने कांग्रेस की एकमात्र उम्मीदवार नटराजन के नॉमिनेशन पेपर खारिज कर दिए थे। पूर्व सीएम कमलनाथ ने बीजेपी पर अलोकतांत्रिक तरीकों से कांग्रेस की राज्यसभा सीट हथियाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल प्रशासनिक और प्रक्रियागत हथकंडों के जरिए कांग्रेस के अभियान को पटरी से उतारने की कोशिश कर रही है। कमलनाथ ने आरोप लगाया कि बीजेपी नेताओं ने विधानसभा परिसर में हंगामा करने से पहले जानबूझकर नटराजन के नॉमिनेशन को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि बीजेपी मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की राज्यसभा सीट छीनने के लिए सभी राजनीतिक मानदंडों का उल्लंघन करने पर आमादा है। हालांकि, कांग्रेस ऐसे तरीकों से डरेगी नहीं, और बीजेपी को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ेगा। बता दें बीजेपी ने नटराजन के नॉमिनेशन फॉर्म पर आपत्ति जताई थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने तेलंगाना की अदालत में लंबित एक मामले के बारे में जानकारी छिपाई थी। दर्ज की गई आपत्ति के मुताबिक पूर्व कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव ए श्रीलता ने नटराजन के खिलाफ चौथे अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दायर की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि नटराजन ने कुंभम शिवकुमार रेड्डी को राजनीतिक संरक्षण दिया, जिन पर श्रीलता ने छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी समेत गंभीर आरोप लगाए हैं। सीनियर कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने बीजेपी की आपत्ति के आधारों पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि नटराजन की उम्मीदवारी के बारे में गलत जानकारी फैलाई जा रही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। उन्होंने बताया कि यह मामला सिर्फ एक नोटिस से जुड़ा है, जिसमें पूछा गया था कि उनसे और कई अन्य लोगों से 10 करोड़ रुपए के मुआवजे की वसूली की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। उनके मुताबिक नटराजन के वकील ने चुनाव कार्यालय में नोटिस का जवाब पहले ही जमा कर दिया था और इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

पीएम मोदी के 12 वर्ष पूरे होने पर दरगाह में चढ़ाई चादर, देश की खुशहाली के लिए मांगी गई दुआ

अजमेर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने बुधवार को अजमेर स्थित अजमेर शरीफ दरगाह में चादर पेश कर विशेष दुआ की। दरगाह पहुंचे लोगों ने पीएम मोदी की दीर्घायु के साथ ही देश की खुशहाली की दुआ मांगी। दरगाह में चादर चढ़ाने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, लंबी आयु और देश में अमन-चेन, शांति, भाईचारे और समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दरगाह के गद्दीनशीन सैयद अफशान चिश्ती ने प्रतिनिधिमंडल को जियारत कराई और दस्तारबंदी के बाद तबरूक भेंट किया। कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद मेवाती सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगठन के नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और इसी क्रम में देश की उन्नति एवं सामाजिक सौहार्द के लिए दुआ की गई।

गाजियाबाद के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में मिला पोलियोवायरस

-स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप, 107 टीमें घर-घर जाकर करेंगी जांच

गाजियाबाद (एजेंसी)। भारत के पोलियो मुक्त अभियान को एक बड़ा झटका लगा है। गाजियाबाद के डूंडाहेड़ा स्थित एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) से लिए गए दूषित पानी के नमूने की जांच में वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियोवायरस (वीडीपीवी) टाइप-1 की पुष्टि हुई है। इस चौंकाने वाली रिपोर्ट के सामने आते ही स्थानीय स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए शहरी क्षेत्र की 12 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) के तहत 107 टीमों को तैनात किया है, जो घर-घर जाकर बच्चों की सेहत की जांच करेंगी और उन्हें पोलियो ड्रॉप्स पिलाएंगी।

दरअसल, स्वास्थ्य विभाग द्वारा पोलियोवायरस की नियमित निगरानी के लिए हर महीने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के दूषित पानी का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जाता है। इसी प्रक्रिया के तहत हाल ही में डूंडाहेड़ा एसटीपी से भी सैंपल लेकर दिल्ली की प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया था। सोमवार को विभाग को प्राप्त हुई इस जांच रिपोर्ट ने अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी, क्योंकि इसमें वीडीपीवी टाइप-1 वायरस सक्रिय पाया गया। रिपोर्ट मिलते ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) सभागार में आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें पीएचसी प्रभारियों ने वायरस के स्रोत और इसके नियंत्रण पर गहन मंथन किया।

बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, चिन्हित किए गए क्षेत्रों में आशा, एएनएम और स्वास्थ्य कर्मियों की 107 टीमें डोर-टू-डोर सर्वे करेंगी। ये टीमें शून्य से पांच साल तक के बच्चों की सेहत की बारीकी से जांच करेंगी ताकि किसी भी संभावित संक्रमण को समय रहते पकड़ा जा सके। वायरस की पुष्टि होने के बाद मुख्य रूप से राजनगर, शास्त्रीनगर, बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र, दौलतपुरा, न्यू पंचवटी, घुकना, हिंडन विहार, कैला भट्ठा, मिर्जापुर, विजय नगर-1 और 2 तथा खैराती नगर पीएचसी क्षेत्रों को इस सघन सर्वे अभियान में शामिल किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन से उत्पन्न यह पोलियो वायरस उन बच्चों की आंतों में आसानी से पनपने और फैलने लगता है, जिनका पूर्ण टीकाकरण नहीं हुआ होता है। आशंका जताई जा रही है कि जिन रिहायशी इलाकों में स्वच्छता या सैनिटाइजेशन का स्तर खराब है, वहां किसी संक्रमित व्यक्ति के मल के माध्यम से यह वायरस बहकर सीवरेज प्लांट तक पहुंच गया होगा। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, यह वायरस उन बच्चों को लकवाग्रस्त (पैरालाइज्ड) कर सकता है जिनका टीकाकरण अधूरा है या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहद कमजोर है। दूषित माहौल में यह एक बच्चे से दूसरे बच्चे में बहुत तेजी से फैलता है। जिला सर्विलांस अधिकारी ने बताया कि रूटीन जांच में इस तरह पोलियो वायरस का मिलना बेहद चिंता का विषय है। विभाग ने इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेते हुए अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों के हर एक बच्चे की सघन जांच कराकर जल्द से जल्द इस वायरस के मुख्य स्रोत (सोर्स) का पता लगाया जाएगा ताकि इसे आगे फैलने से रोका जा सके।

जोजिला टनल : सेना के लिए रसद और हथियारों की सप्लाई होगी आसान

-11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही टनल 2028 में खुलने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच बन रही जोजिला टनल टनल के दोनों छोर मंगलवार को आपस में जुड़ गए। इससे पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रिमोट दबाकर ब्लास्ट किया। उनके साथ जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा और सीएम उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। यह टनल 13.15 किमी लंबी है, जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को जोड़ेगी। इससे सेना के लिए रसद और हथियारों की सप्लाई आसान हो जाएगी।

यहां बताते चलें कि करीब 11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही यह टनल की लागत करीब 6,500 करोड़ रुपए है। जोजिला टनल में सीसीटीवी कैमरे, रेडियो कंट्रोल और हवा के बहाव के लिए एडवांस वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, ब्रेकथ्रू के बाद सिविल और इलेक्ट्रिकल काम पूरा करके इस सुरंग को जनवरी-फरवरी 2028 तक आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक टनल का करीब 50फीसदी काम पूरा हो चुका है, जबकि कुछ अधिकारियों का कहना है कि 80फीसदी काम हो चुका है। अधिकारियों के मुताबिक टनल को फरवरी 2028 तक आम लोगों के लिए खुल सकती है। समुद्र तल से करीब 11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही ये सुरंग दुनिया की सबसे लंबी सिंगल-ट्यूब बाईडायरेक्शनल सुरंग है। ये सुरंग श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे पर स्थित है। श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे भारी बर्फबारी और हिमस्खलन की वजह से सर्दियों के तीन महीनों के लिए पूरी तरह बंद हो जाता है, जिससे लद्दाख का संपर्क देश से कट जाता है। लेकिन इस ऑल-वेदर सुरंग के पूरी तरह शुरू होने के बाद कश्मीर घाटी और लद्दाख के बीच साल भर आना-जाना हो सकेगा। पहले जोजिला दर्रे को पार करने में 1 से 1.5 घंटे का समय लगता था, वह सफर अब महज 15 मिनट में तय होगा। जोजिला सुरंग संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में भारतीय सशस्त्र बलों के लिए रसद, सैन्य टुकड़ियों और हथियारों की सप्लाई को बेहद सुरक्षित होगी। इसके साथ ही आम नागरिकों के लिए भी ये वरदान से कम नहीं है। इससे सर्दियों में होने वाला अलगाव खत्म होगा और क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और जरूरी सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। लोगों का कहना है कि इस सुरंग के बनने से उनका सालों पुराना सपना सच होने जा रहा है। लद्दाख के रहने वाले एक शख्स ने कहा कि हम इस टनल का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार का शुक्रिया अदा करते हैं। हम न सिर्फ यात्रा कर पाएंगे, बल्कि टनल के जरिए चीजों का लेन-देन भी कर पाएंगे। इससे हमारे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। बता दें पश्चिमी हिमालय के इस हिस्से में सुरंग बनाना बेहद मुश्किल काम था। इसे बनाने में इंजीनियरों को -20डिग्री से -30डिग्री तक के तापमान, हिमस्खलन के खतरे और हिमालय की नाजुक और बदलती चट्टानी संरचना जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एजेंसी ने बिना किसी दुर्घटना के इस काम को पूरा किया।

मध्यप्रदेश में हर दिन हो रही 42 आत्महत्याएं, हिंदी भाषी राज्यों में पहले नंबर पर

-रिपोर्ट में खुलासा, देश में हुई 1,70,924 में से 15,386 आत्महत्या मप्र में

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आंकड़ें सामने आ गए हैं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हुई आत्महत्या के मामले में मध्यप्रदेश तीसरे नंबर पर और हिंदी राज्यों में पहले नंबर है। देश में हुई 1,70,924 में से 15,386 आत्महत्या मध्यप्रदेश में हुईं। आंकड़ों के मुताबिक जहां राष्ट्रीय औसत प्रतिदिन 468 आत्महत्या का है, वहीं प्रदेश में प्रतिदिन 42 लोग या प्रति घंटे करीब दो लोगों का है।

रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र में 22,746 आत्महत्या, तमिलनाडु में 19,834, मध्यप्रदेश में 15,386 आत्महत्या हुई है। कर्नाटक में यह आंकड़ा 13,606 और पश्चिम बंगाल में 12,669 है। वहीं, देश की 17 फीसदी आबादी वाले उत्तर प्रदेश में 2022 में हुई आत्महत्याओं से केवल 4.8 फीसदी मौतें हुईं, जबकि इन राज्यों में सभी आत्महत्याओं का 49.3 फीसदी हिस्सा था, शेष 23 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में थे।

इससे यह भी पता चला कि देश में अपना जीवन समाप्त करने वाले 59,087 लोग 18-30 आयु वर्ग के थे। इनमें 38,259 पुरुष और 20,828 महिलाएं शामिल थीं। इनमें से 31.7 फीसदी लोगों ने पारिवारिक समस्याओं के कारण जबकि 18.4 फीसदी लोगों ने बीमारी के कारण आत्महत्या की। पिछले साल मध्यप्रदेश में इंदौर में 746 आत्महत्याएं हुईं। इसके बाद भोपाल में 527, ग्वालियर में 307 और जबलपुर में 213 आत्महत्याएं हुईं।

भोपाल के पुलिस आयुक्त एचसी मिश्रा ने बताया कि यह मुख्य रूप से संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने, भावनात्मक बंधन और संचार की कमी के कारण इस तरह आत्महत्या के मामले होते हैं। उन्होंने बताया कि युवा, विशेषकर छात्र उचित परामर्श की कमी के साथ-साथ समाज में संचार की कमी के कारण अपनी जान दे रहे हैं। मिश्रा ने कहा कि उन्होंने पाया कि मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा शहर में आत्महत्याओं की उच्च संख्या के कारणों में से एक थी, जिसके बाद विशेषज्ञों को परामर्श और सलाह प्रदान करने के लिए कहा गया था, जो लोग हेल्पलाइन से संपर्क करते हैं। उन्होंने दावा किया कि संवेदनशीलता के मुद्दों पर पुलिस कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और हेल्पलाइन कॉल का सही ढंग से जवाब देने के परिणामस्वरूप आत्महत्या की संख्या में कमी आई है। वहीं मनोचिकित्सक ने कहा कि परिवार के अंदर संवादहीनता के साथ-साथ कभी-कभी मीडिया में आत्महत्याओं का महिमामंडन और सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारित होने वाली घटनाओं के कारण भी संख्या बढ़ रही है। उन्होंने अभिनेता सुशांत सिंह की आत्महत्या का भी जिक्र किया, जहां मीडिया कवरेज का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी कवरेज कभी-कभी लोगों को सोचने पर मजबूर कर देती है कि अपनी जिंदगी खत्म करना ही सबसे आसान समाधान है।

संक्षिप्त समाचार

शांति वार्ता के बीच बंदूकधारियों का हमला, नाइजीरिया में 39 लोगों का अपहरण

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में शांति वार्ता के दौरान सशस्त्र हमलावरों ने 39 लोगों का अपहरण कर लिया। पुलिस प्रवक्ता याजीद अबूबकर के अनुसार, कुल 47 ग्रामीण एक कुख्यात अपहरण गिरोह के सरगना के माता-पिता से सुलह और शांति वार्ता के लिए मिले थे। इसी दौरान गिरोह का सरगना अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और अधिकांश लोगों को अगवा कर ले गया। यह सामूहिक अपहरण रविवार को मगामिन डिड्डी समुदाय में हुआ, जो मरादुन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उत्तरी नाइजीरिया के कई इलाकों में लगातार हो रहे हमलों और कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के कारण स्थानीय समुदाय अक्सर सशस्त्र गिरोहों के साथ सीधे बातचीत और समझौते का रास्ता अपनाते हैं। लोगों का मानना है कि सेना उन्हें पर्याप्त सुरक्षा देने में विफल रही है। नाइजीरिया इस समय गंभीर सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है। खासकर देश के उत्तरी हिस्सों में एक दशक से अधिक समय से जारी उग्रवाद, फिरौती के लिए अपहरण करने वाले सशस्त्र गिरोहों और अवैध खनन गतिविधियों ने हालात को और जटिल बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पूर्वोत्तर नाइजीरिया में जारी विद्रोह और हिंसा के कारण हजारों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

क्यूबा के पास 6.1 तीव्रता का भूकंप ; फ्लोरिडा और मेक्सिको तक झटके महसूस हुए

मंटुआ , एजेंसी। क्यूबा के उत्तर-पश्चिमी तट के पास सोमवार को 6.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्त्रस्) के मुताबिक, भूकंपका केंद्र पश्चिमी क्यूबा के मंटुआ शहर से करीब 104 किलोमीटर दूर समुद्र में था। इसकी गहराई लगभग 26 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप के झटकों से क्यूबा के कई इलाकों में इमारतें हिल गईं और लोग घरों व दफ्तरों से बाहर निकल आए। राजधानी हवाना समेत कई शहरों में कंपन महसूस किया गया। झटकों का असर अमेरिका के फ्लोरिडा तक पहुंचा। मियामी, फोर्ट लॉडरडेल और ऑरलैंडो के आसपास के इलाकों में भी लोगों ने कंपन महसूस होने की जानकारी दी। एहतियात के तौर पर कुछ सरकारी कार्यालय खाली कराए गए। मेक्सिको के युकातान प्रायद्वीप, कैंकून, प्लाया डेल कारमेन और टुलुम में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि क्यूबा, अमेरिका और मेक्सिको में कहीं से भी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस इलाके में इतने शक्तिशाली भूकंप बेहद दुर्लभ हैं। 1880 के बाद पहली बार इतनी तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि अधिकारियों ने लोगों को आफ्टरशॉक की संभावना को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है।

ओमान तट के पास हमले का शिकार हुआ टैंकर था प्रतिबंधित

मस्कट , एजेंसी। सोमवार को ओमान तट के पास हमले के बाद आग की चपेट में आए पलाऊ-ध्वज वाला तेल टैंकर एमटी मारिवेक्स पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया था। इस जहाज पर हुए हमले के बाद जहाज पर सवार सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों ने अहम भूमिका निभाई। एमटी मारिवेक्स पर अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई के बाद आग लग गई थी। यह पोत अमेरिकी वित्त मंत्रालय की एजेंसी ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) द्वारा प्रतिबंधित और ब्लैकलिस्टेड जहाजों की सूची में शामिल था। बताया गया है कि ओएफएसी उन जहाजों के खिलाफ कार्रवाई करता है जो ईरान और रूस के तेल व्यापार पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हैं। यह जहाज भारतीय स्वामित्व वाला नहीं है और हाल के दिनों में उसने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी निगरानी और नाकेबंदी को पार करने के चार प्रयास किए थे। तीन बार अमेरिकी नौसेना की चेतावनी के बाद जहाज को वापस लौटना पड़ा था। एक अधिकारी ने बताया, 'जहाज पर मौजूद सभी 24 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं। उन्हें ओमानी अधिकारियों की मदद से बचा लिया गया है।

इजरायली मिसाइलों ने उड़ाया ईरान का पेट्रोकेमिकल प्लांट ; हमले के बाद नेतन्याहू ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अप्रैल में हुए युद्धविराम के ठीक दो महीने बाद, 7 जून को ईरान और इजरायल के बीच सीधी सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू हो गई है। इजरायली वायुसेना ने सोमवार की सुबह ईरान के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण ठिकानों पर भीषण हमले किए हैं, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में युद्ध के बादल मंडराने लगे हैं। लेबनान में हिज्बुल्लाह पर इजरायली हमलों के जवाब में ईरान ने रविवार रात को इजरायल के कई इलाकों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

रूस ने पाकिस्तान के साथ कर लिया बड़ा समझौता, दोनों देश मिलकर करेंगे मुकाबला

बिश्केक , एजेंसी। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के गृह और सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रियों की अहम बैठक के दौरान पाकिस्तान और रूस के बीच एक बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देशों ने अवैध इमिग्रेशन और नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए एक साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है।

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी इस विशेष बैठक में हिस्सा लेने के लिए बिश्केक में मौजूद थे। इस दौरे पर उन्होंने रूस के अलावा कई अन्य सदस्य देशों के नेताओं से भी मुलाकात की, जिसमें अफगानिस्तान से पनप रहे 'आतंकवाद' का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

रूस के साथ समझौते की अहम बातें : पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के अनुसार, गृह मंत्री मोहसिन नकवी और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर कोलोकोल्त्सेव के बीच जिन समझौतों पर मुहर लगी है, वे इस प्रकार हैं- अवैध नागरिकों का डिपोर्टेशनः पाकिस्तान के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, दोनों देश एक-दूसरे के यहां अवैध रूप से रह रहे नागरिकों की पहचान करने और उनकी वतन वापसी सुनिश्चित करने में एक-दूसरे की मदद करेंगे।

घुसपैठ पर लगामः अवैध इमिग्रेशन को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाया जाएगा ताकि गैर-कानूनी तरीके से होने वाली आवाजाही को रोका जा सके। ड्रग्स तस्करी पर एक्शनः नशीले पदार्थों की हेराफेरी को जड़ से खत्म करने के लिए भी दोनों पक्षों के बीच एक अलग और महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इसके तहत ड्रग सिंडिकेट्स के खिलाफ साझा कार्रवाई की जाएगी।

अन्य देशों के साथ भी मजबूत हो रहे रिश्ते : एससीओ के मंच का फायदा उठाते हुए पाकिस्तानी गृह मंत्री ने उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और कजाकिस्तान के प्रतिनिधियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं।

उज्बेकिस्तानः उज्बेक गृह मंत्री अजीज ताशपुलातो के साथ लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों (कानून लागू करने वाली संस्थाओं) के बीच सहयोग और जॉइंट ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने पर चर्चा हुई। इसके लिए दोनों देशों के गृह मंत्रालयों के बीच एक 'वर्किंग ग्रुप' बनाने का भी फैसला लिया गया।

किर्गिस्तानः किर्गिस्तान के गृह मंत्री उलान नियाजबेकोव के साथ आपसी हितों वाले क्षेत्रों में सहयोग के विस्तार पर सहमति बनी। नकवी ने किर्गिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गैर-स्थायी सदस्य चुने जाने पर बधाई दी और स्ष्टह बैठक के शानदार इंतजामों के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

कजाकिस्तानः कजाख समकक्ष यर्झान सादेनोव के साथ अवैध इमिग्रेशन को रोकने के लिए द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और आपसी रिश्तों को मजबूत करने के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाने पर रजामंदी हुई। अफगानिस्तान में रूस का 'डबल गेम', तालिबान से बढ़ती दोस्ती और पाकिस्तान की बढ़ी टेंशन! दूसरी तरफ रूस और अफगानिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियों ने क्षेत्रीय कूटनीति में बड़ी हलचल पैदा कर दी है। कूटनीतिक मामलों की प्रतिष्ठित पत्रिका 'द डिप्लोमैट' की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, रूस अब अफगानिस्तान को लेकर एक बेहद सधी हुई दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है। मॉस्को और तालिबान के बीच तेजी से गहरे होते संबंध इस बात का साफ इशारा हैं कि अफगानिस्तान की विदेश नीति में बड़े बदलाव आ रहे हैं और इस पूरे खेल में सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तान को उठाना पड़ रहा है।

रूस की दोहरी रणनीति क्या है : रिपोर्ट के मुताबिक, रूस अफगानिस्तान के मामले में एक साथ दो अलग-अलग मोर्चों पर काम कर रहा है।

आतंकवाद पर सार्वजनिक रुखः रूस एक तरफ सार्वजनिक मंचों पर अफगानिस्तान से पनपने वाले आतंकवाद के मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य मध्य एशिया के देशों में अपनी व्यापक सुरक्षा भूमिका और सैन्य दखल को सही ठहराना है। तालिबान के साथ सुरक्षा गठजोड़ः वहीं दूसरी तरफ, रूस पर्दे के पीछे तालिबान के साथ अपने सुरक्षा संबंधों का लगातार विस्तार कर रहा है। मॉस्को का लक्ष्य तालिबान के साथ इस रणनीतिक गठजोड़ के जरिए मध्य एशिया में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने के लिए एक ठोस जमीनी हथियार तैयार करना है।

पाकिस्तान के लिए सिकुड़ती जा रही है जमीन : रूस और तालिबान के बीच इस नए समीकरण ने पाकिस्तान के रणनीतिक दांव-पेंच को बुरी तरह उलझा दिया है। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि पाकिस्तान के लिए अब अफगानिस्तान में पैंतरेबाजी की गुंजाइश लगातार खत्म होती जा रही है। रूस के साथ नए समझौते और संबंध स्थापित होने के बाद, अफगानिस्तान (काबुल) अब इस स्थिति का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ एक 'लेवरेज' या कूटनीतिक हथियार के तौर पर कर रहा है। पहले जो पाकिस्तान अफगानिस्तान के मामलों में एक 'रिंगमास्टर' की भूमिका में खुद को देखता था, अब रूस की सीधी एंट्री और तालिबान की स्वतंत्र विदेश नीति के कारण उसका प्रभाव तेजी से घट रहा है।

जर्मनी-फ्रांस ने 100 अरब यूरो की संयुक्त फाइटर जेट परियोजना छोड़ी

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी और फ्रांस ने नई पीढ़ी के लड़ाकू विमान के संयुक्त विकास की महत्वाकांक्षी फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीए) परियोजना के मुख्य हिस्से को समाप्त करने पर सहमति बनाई है। एयरबस और दसॉ एविएशन के बीच लंबे समय से जारी तकनीकी और व्यावसायिक विवादों का समाधान नहीं निकलने के बाद दोनों देशों ने यह फैसला लिया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले सप्ताह मोंटेनेग्रो में आयोजित ईयू-वेस्टर्न बाल्कन्स समिट के दौरान परियोजना पर चर्चा की। जर्मन अधिकारियों के अनुसार, दोनों नेताओं ने माना कि परियोजना में शामिल कंपनियों के बीच जारी गतिरोध समाप्त होने की संभावना नहीं है। इसके बाद मर्ज ने मैक्रों को संयुक्त फाइटर जेट निर्माण योजना आगे नहीं बढ़ाने की सलाह दी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि एयरबस और दसॉ एविएशन के बीच समझौता नहीं हो पाने पर दोनों नेताओं ने खेद जताया। विवाद का केंद्र विकास चरण पर नियंत्रण, बौद्धिक संपदा अधिकार और विमान की तकनीकी आवश्यकताओं को लेकर था। करीब 100 अरब यूरो की इस परियोजना की शुरुआत 2017 में मैक्रों और तत्कालीन जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने की थी। बाद में स्पेन भी इसमें शामिल हुआ। परियोजना के तहत एक छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान, ड्रोन नेटवर्क और सुरक्षित 'कॉम्बैट क्लाउड'

प्रणाली विकसित की जानी थी। सूत्रों के मुताबिक, मुख्य फाइटर जेट कार्यक्रम भले बंद हो जाए, लेकिन 'कॉम्बैट क्लाउड' जैसे कुछ तकनीकी सिस्टम एफसीए नाम के तहत आगे बढ़ाए जा सकते हैं। एफसीए को यूरोप की सबसे महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजनाओं में गिना जा रहा था। इस मुद्दे पर बोलते हुए जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने कहा, 'सैन्य विमानों के निर्माण की विशेषज्ञता जर्मनी में पहले से ही मौजूद है। जर्मन उद्योग अब अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकता है और उसे करना भी चाहिए।' वहीं, जर्मनी की ग्रीन पार्टी की सह-नेता फ्रांज़िस्का ब्रांटनर ने इसे महाद्वीप की रक्षा नीति के लिए एक गंभीर झटका बताया। जर्मनी और फ्रांस ने अपनी महत्वाकांक्षी संयुक्त लड़ाकू जेट परियोजना को जारी रखने के बजाय, अब 'कॉम्बैट क्लाउड' प्रणाली पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई है। इस प्रणाली का उद्देश्य विमानों, ड्रोनों और सेंसरों को आपस में जोड़कर युद्ध क्षमताओं को बढ़ाना है। दोनों देशों के रक्षा अधिकारियों के मध्य जुलाई में मिलने और छोटे पैमाने की परियोजनाओं के माध्यम से सहयोग को फिर से स्थापित करने की उम्मीद है।

दुबई में भीषण सड़क हादसा, अचानक रुके ट्रक में टक्कर से बस के उड़े परखच्चे, 7 भारतीयों की मौत से मचा हाहाकार !

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई शहर में सोमवार को सड़क के बीच अचानक एक ट्रक रुक जाने से पीछे आ रही मिनीबस उससे टकरा गई। इस दुर्घटना में कई भारतीय कामगारों की जान चली गई। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दुबई में हुई इस दुखद सड़क दुर्घटना से हम बेहद व्यथित हैं, जिसमें कई भारतीय कामगारों की मौत हुई है। भारतीय दूतावास ने कहा कि वह हरसंभव सहायता और सहयोग प्रदान करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। दुबई पुलिस के यातायात विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि तकनीकी खराबी के कारण ट्रक अचानक सड़क के बीच में रुक गया था। उन्होंने कहा कि बस चालक ने कथित तौर पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया और सुरक्षित दूरी भी नहीं रखी, जिसके कारण बस ट्रक से पीछे से टकरा गई। ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार तकनीकी खराबी के चलते ट्रक अमीरात रोड के बीचोंबीच अचानक रुक गया था। उन्होंने बयान में कहा, 'बस चालक ने कथित तौर पर ध्यान नहीं दिया और सुरक्षित दूरी बनाए नहीं रखी, जिसके चलते उसने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी।' उन्होंने आगे बताया कि इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में पांच की हालत गंभीर और चार की स्थिति मध्यम बताई गई है। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने अस्पताल जाकर घायल भारतीयों से मुलाकात की। दूतावास ने कहा कि इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ब्रिगेडियर जुमा सलेम ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए यातायात दुर्घटना जांच अनुभाग के विशेषज्ञों को घटनास्थल पर भेजा गया है, ताकि वे निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर सकें।

रावलकोट में पाकिस्तानी रेंजर्स और प्रदर्शनकारियों में झड़प, गोलीबारी में 11 की मौत

रावलकोट , एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक बार फिर से भारी अशांति और भयानक हिंसा की चपेट में आ गया है। यहां सक्रिय नागरिक संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर कड़े प्रतिबंध के बाद हालात बहुत ज्यादा बिगड़ गए हैं। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई भयंकर झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई है। इस खौफनाक हिंसा में 70 से अधिक लोग बुरी तरह से घायल भी बताए जा रहे हैं। यह भारी हिंसा ऐसे समय में भड़की है जब पूरे क्षेत्र में 9 जून को पूर्ण बंद का बड़ा आह्वान किया गया था। रॉयटर्स के अनुसार हालात तब बिगड़े जब समर्थक एक अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए। वहां संगठन के एक कार्यकर्ता का शव रखा गया था जिसकी पहले हुई गोलीबारी में मौत हो गई थी। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने कड़ी कार्रवाई की जिससे बवाल बढ़ गया।

पुलिस और सुरक्षाबलों की कार्रवाई : पूंछ सेक्टर के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने बताया कि इस खौफनाक हिंसा के दौरान कई जानें गई हैं। कुछ उपद्रवियों ने सीधे सुरक्षा बलों पर अपनी गोलीबारी शुरू कर दी थी जिसके बाद यह भयानक जवाबी कार्रवाई हुई। पुलिस प्रमुख लियाकत मलिक ने साफ बताया कि 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी बुरी तरह से घायल हुए हैं। हिंसा को रोकने के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया है।

इस ताजा और उग्र आंदोलन की सबसे बड़ी वजह विधानसभा में 12 आरक्षित सीटों को लेकर लिया गया फैसला है। 45 सदस्यीय विधानसभा में ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं जो अन्य हिस्सों में रहते हैं। स्थानीय संगठनों का आरोप है कि इस नई व्यवस्था से उनका अपना राजनीतिक प्रतिनिधित्व काफी ज्यादा कमजोर होगा। उनका यह भी कहना है कि क्षेत्र के फैसलों पर सिर्फ स्थानीय लोगों का ही अधिकार होना चाहिए।

मानवाधिकार आयोग ने जताई गहरी चिंता : पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने इस पूरे खौफनाक घटनाक्रम पर अपनी बहुत ही गंभीर चिंता सार्वजनिक की है। आयोग ने कहा कि वह रावलकोट की भयंकर हिंसा और समिति पर लगाए गए प्रतिबंध से बेहद चिंतित है। एक सामाजिक आंदोलन को आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित करना किसी भी तरह से सही नहीं है। आयोग ने केंद्र और क्षेत्रीय सरकारों से बातचीत शुरू करने और तनाव को कम करने की सीधी अपील की है। बढ़ते बवाल के बीच नेताओं ने साफ कर दिया है कि प्रतिबंध के बावजूद उनका यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा। इस पूरे अशांत इलाके में आगामी 27 जुलाई को बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और कई इलाकों में मोबाइल डेटा सर्विस पूरी तरह रोक दी है। बढ़ती हिंसा के कारण बड़ी सभाओं पर भी बैन लगा दिया गया है जिससे तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

इस भयंकर तनाव को देखते हुए ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे बड़े देशों ने ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है। इन सभी देशों ने चेतावनी दी है कि इलाके में भारी सड़क जाम और संचार सेवाओं में काफी बाधा आ सकती है।

यूएफसी का व्हाइट हाउस में डेब्यू, ट्रंप के नेतृत्व में सजेगा फ्रीडम 250 का मंच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में अपना पहला इवेंट आयोजित करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, अमेरिकी विदेश विभाग (स्टेट डिपार्टमेंट) द्वारा मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की इस दिग्गज कंपनी के साथ स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी साझेदारी शुरू करने का फैसला यह दिखाता है कि यह संगठन खेल, संस्कृति और राजनीति के क्षेत्र में कितनी बड़ी ताकत बन गया है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो, यूएफसी के प्रेसिडेंट और सीईओ डाना व्हाइट के साथ 11 जून को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। यह कार्यक्रम अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न के तहत 14 जून को व्हाइट हाउस में होने वाले 'यूएफसी फ्रीडम 250' से कुछ दिन पहले आयोजित होगा। इसे व्हाइट हाउस में आयोजित होने वाला पहला यूएफसी फाइट कार्ड बताया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, इस ऐतिहासिक फाइट नाइट में इलिया टोपुरिया और जस्टिन गेथजे के बीच चैंपियनशिप का मुख्य मुकाबला होगा, जबकि व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में होने वाले को-मेन इवेंट में एलेक्स परेरा का सामना सिरिल गेन से होगा। यूएफसी की प्रचार सामग्री में इस कार्यक्रम को अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न के दौरान आयोजित होने वाला विशेष आयोजन बताया गया है। व्हाइट हाउस में होने वाला यह कार्यक्रम उस खेल के लिए एक यादगार पल माना जा रहा है, जिसे कभी अपनी पहचान और मान्यता पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। 1993 में शुरू हुए यूएफसी ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को एक ऐसे खेल से, जिसे आलोचक कभी मामूली और हिंसक 'ब्लडस्पोर्ट' (खून-खराबे वाला खेल) कहकर खारिज कर देते थे, बदलकर एक वैश्विक खेल और मनोरंजन कारोबार में तब्दील कर दिया है। आज यूएफसी का मालिकाना हक टीकेओ ग्रुप होल्डिंग्स के पास है, जो वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) की भी मालिक कंपनी है और जिसने हाल ही में पैरामाउंट के साथ सात वर्षों के लिए 7.7 बिलियन डॉलर का अमेरिकी मीडिया अधिकार समझौता किया है। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और उनके कई राजनीतिक सहयोगियों के लिए यूएफसी केवल एक खेल संगठन नहीं है। यह युवा पुरुष मतदाताओं जैसे अहम राजनीतिक वर्ग के लिए प्रमुख सांस्कृतिक मंचों में से एक बनकर उभरा है। हाल के यूएफसी कार्यक्रमों में ट्रंप को एलन मस्क, रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर, तुलसी गैबार्ड, मार्को रुबियो, विवेक रामास्वामी और अन्य प्रमुख सहयोगियों के साथ देखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में उद्धृत इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, यूएफसी के लगभग तीन-चौथाई प्रशंसक पुरुष हैं, जिनमें से अधिकांश की उम्र 18 से 44 वर्ष के बीच है। यह वही वर्ग है जिसने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डाना व्हाइट, जिनकी ट्रंप के साथ दशकों पुरानी दोस्ती है, ने कहा कि व्हाइट हाउस कार्यक्रम का मकसद देश की इस खास सालगिरह का जश्न मनाना है। व्हाइट ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर' से कहा, 'यह इतिहास के सबसे शानदार और ऐतिहासिक स्पोर्ट्स इवेंट्स में से एक होगा, और व्हाइट हाउस में प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा इसकी मेजबानी करना अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न को लेकर उनके विजन का सबूत है। व्हाइट ने कहा, 'असल में यह लड़ाई किस बारे में है और हम इसे व्हाइट हाउस में क्यों कर रहे हैं, इसकी वजह यह है कि यह अमेरिका का 250वां जन्मदिन है। रात की पहली लड़ाई से लेकर मुख्य मुकाबले तक, हम अमेरिका की कहानी बताएंगे।

ओमान के पास एमटी मैरीवेक्स जहाज में लगी भयंकर आग, सभी 24 भारतीय क्रू सुरक्षित

मस्कट , एजेंसी। मस्कट में भारतीय दूतावास ने एमटी मैरीवेक्स पर सवार सभी 24 भारतीय क्रू सदस्यों को पूरी तरह सुरक्षित बचाए जाने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। यह भयानक आग लगने की घटना होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिण में सोमवार को घटी थी जिसके बाद चारों तरफ भारी अफरा-तफरी मच गई थी। दूतावास ने इस त्वरित और बेहद सफल रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए ओमान के अधिकारियों का विशेष रूप से बहुत धन्यवाद किया है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वे ओमानी अधिकारियों की तेज प्रतिक्रिया और क्रू को बचाने के लिए काफी शुक्रगुजार हैं।

इस गंभीर घटना के तुरंत बाद भारत सरकार और संबंधित मंत्रालय भी पूरी तरह से हरकत में आ गए और लगातार मामले पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने स्पष्ट बताया कि सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार अभी तक प्राप्त हुई शुरुआती जानकारी के आधार पर एमटी मैरीवेक्स के सभी भारतीय क्रू मेंबर्स बिल्कुल सुरक्षित हैं। शिपिंग विभाग के डायरेक्टर ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि जहाज पर किसी बाहरी प्रोजेक्टाइल के लगने की पक्की और सटीक जानकारी जुटाई जा रही है।

जहाज के मालिकों से लगातार संपर्क जारी : शिपिंग विभाग और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जहाज के मालिकों के साथ लगातार अपना संपर्क बनाए हुए हैं और पूरी सच्चाई जानने की कोशिश कर रहे हैं।

ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि वे इस पूरी घटना की गहराई तक जाने के लिए विदेश मंत्रालय और ओमान में भारतीय मिशन के साथ भी संपर्क में हैं। ओमान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर विस्तार से बताया कि मिशन इस जहाज से जुड़ी घटना की जांच कर रहा है जिसमें कई भारतीय क्रू सवार थे। वे नाविकों के उचित बचाव और पुख्ता सुरक्षा के लिए ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार अपने गहरे संपर्क में बने हुए हैं। शिपिंग मंत्रालय अपने सभी नाविकों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय और भारतीय नौसेना के साथ बहुत ही बेहतरीन तरीके से समन्वय कर रहा है। भारतीय मिशन भी इस पूरी बचाव प्रक्रिया में अपना महत्वपूर्ण और बेहद सक्रिय योगदान दे रहे हैं। जांच कर रहे अधिकारियों के अनुसार यह एमटी मैरीवेक्स जहाज होर्मुज स्ट्रेट से काफी बाहर था और दक्षिण की दिशा में अच्छी तरह से निकल गया था। इस आपसी बेहतर तालमेल और त्वरित प्रतिक्रिया के कारण ही सभी 24 भारतीय नाविकों को बिना किसी भी बड़े नुकसान के बचाना संभव हो पाया है।

नेतन्याहू से ट्रम्प बोले- संभलकर चलो, वरना अकेले पड़ जाओगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान पर बड़े हमले न करने की सलाह दी है। ट्रम्प को डर है कि अगर जंग बढ़ी तो अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौता खतरे में पड़ सकता है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बाद ट्रम्प ने नेतन्याहू से फोन पर बात की। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने उनसे कहा, 'बीबी, संभलकर चलो, नहीं तो बहुत जल्द तुम अकेले पड़ जाओगे।'

ट्रम्प की चिंता है कि इजराइल के हमले अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को पटरी से उतार सकते हैं। उनका मानना है कि दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। तनाव तब बढ़ा जब इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं। बाद में इजराइल ने भी ईरान के अंदर सीमित हमले किए।

ईरान-इजराइल में 2 महीने बाद फिर जंगः अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद ईरान ने इजराइल पर 30 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। जवाब में इजराइल ने ईरान के सैन्य ठिकानों, एयर डिफेंस सिस्टम और पेट्रोकेमिकल प्लांट पर हमले किए।

भारत ने नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दीः बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर भारतीयों से ईरान की यात्रा टालने और वहां मौजूद लोगों से जल्द देश छोड़ने को कहा।

हूती विद्रोहियों ने रेड सी में इजराइली जहाजों की नाकाबंदी का ऐलान कियाः यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी। इससे वैश्विक समुद्री व्यापार और तेल सप्लाई पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। ईरान-इजराइल टकराव

से तेल 3% से ज्यादा महंगाः तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड 96.75 डॉलर प्रति बैरल और ड्ड्ढ 93.89 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। बाजार को होर्मुज स्ट्रेट में सप्लाई बाधित होने का डर है।

ट्रम्प-नेतन्याहू में मतभेद की खबरेंः रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प ने नेतन्याहू से ईरान पर पलटवार न करने को कहा। अमेरिकी और इजराइली रुख में मतभेद की चर्चाएं तेज हुईं, जबकि ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ जो भी डील होगी, नेतन्याहू को माननी पड़ेगी।

होर्मुज के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश, दोनों पायलट सुरक्षित : होर्मुज स्ट्रेट के पास सोमवार को अमेरिकी सेना का एक एएच-64 अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार दोनों क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि दुर्घटना की वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि हेलिकॉप्टर ईरानी हमले का शिकार हुआ, किसी तकनीकी खराबी के कारण गिरा या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान से बचने की सलाह दी है। ट्रम्प ने कहा कि अगर इजराइल संघर्ष को और बढ़ाता है तो वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ सकता है। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच ट्रम्प ने नेतन्याहू से फोन पर बात की। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने नेतन्याहू से कहा, 'बीबी, सावधान रहो, नहीं तो बहुत जल्द तुम अकेले पड़ जाओगे।' रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प को चिंता है कि अगर दोनों देशों के बीच लड़ाई और बढ़ी तो अमेरिका-ईरान बातचीत प्रभावित हो सकती है और पूरा क्षेत्र बड़े युद्ध की चपेट में आ सकता है। तनाव तब बढ़ा जब इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह से जुड़े ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.

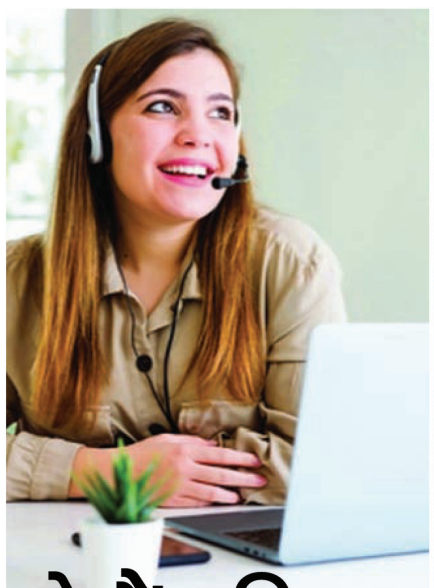

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हों। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं – आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

इस तरह बनें लायर

वह समय ख़त्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगीं।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फ्रॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस –

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्कूआपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

ऋतुराज के शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को हराया

दांबुला (एजेंसी)। ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 8 रनों से हरा दिय। इस मैच में ऋतुराज के शतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका ए को जीत के लिए 278 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में श्रीलंका ए टीम 269 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 8 रनों से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे अधिक 74 रन साहन अराचिगे ने बनाये। । 48वें ओवर में अंशुल कांबोज ने सहान अराचिगे को पेवेलियन भेज दिया। . उस समय श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 गेंदों में 9 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर इसके बाद उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये। वानुजा सहान 23 रन बनाकर रनआउट हो गए। वहीं . मोहम्मद शिराज खाता खोले बिना आउट हुए और श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर आउट हो गयी। भारत ए की ओर से से अरशद खान, अनुकूल रॉय, आयुष बदोनी, वपराज निगल ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले ऋतुराज के शानदार शतक से भारत ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 277 बनाये हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2 और वैभव सूर्यवंशी 14 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन बनाये। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए प्रियांश ने 32 गेंदों पर 32 रन बनाये। प्रियांश के आउट होने के बाद ऋतुराज और कप्तान तिलक वर्मा ने पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 150 रन बनाये। ऋतुराज ने 114 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 101 रन बनाये। कप्तान

तिलक वर्मा ने भी 97 गेंदों पर 60 बनाये। आयुष बडोनी ने 24 और सुर्यांश शेड्गे ने 26 रन बनाए। इस प्रकार भारत ए टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए।

वहीं श्रीलंका ए की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट जबकि चमिका करुणारत्ने, गारुका संकेथ, और वानुजा सहान ने 1-1 विकेट लिए।

आयरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सिराज को आराम, कृष्णा शामिल

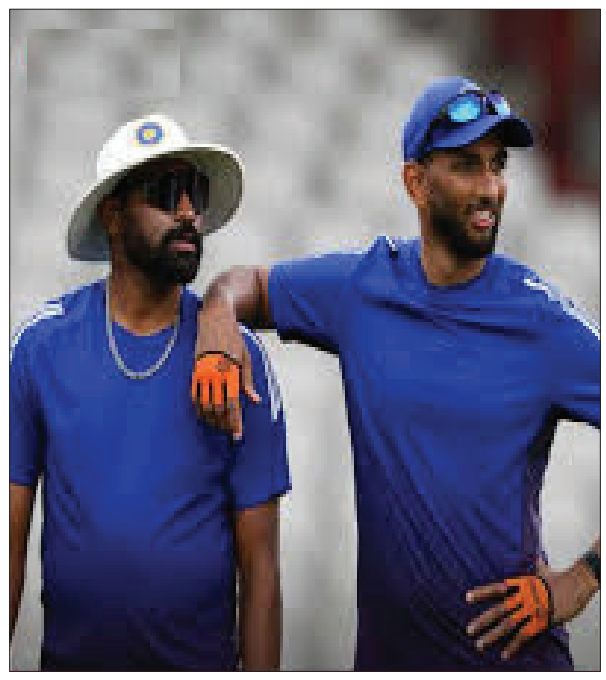

पेरिस (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया है। टीम प्रबंधन ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ बातचीत के बाद सिराज को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम देते हुए ये फैसला किया है। इस फैसले से पता चलता है कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर पूरी सतर्कता रखता है।

इसी कारण बोर्ड की मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के बीच गहन विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सिराज को एक लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले पूरी तरह से तरोताजा होने का मौका दिया जाए। यह कदम उन्हें भविष्य में होने वाली एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट बनाये रखने की रणनीति का हिस्सा है। सिराज हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपनी तेज गेंदबाजी से अहम योगदान दिया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसय सीरीज के लिए उन्हें आराम दिया गया था, जो उनके कार्यभार को प्रबंधित करने की दिशा में एक और कदम था। अपने छोटे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में सिराज ने अब तक 17 मैचों में 17 विकेट हासिल किए हैं।

सिराज की अनुपस्थिति में प्रसिद्ध कृष्णा को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। कृष्णा ने अपने पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 विकेट लिएहैं, जो उनकी विकेट लेने की क्षमता को दिखाता है। इसके अलवा आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के लिए भी उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 16 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम अपने दौरे में आयरलैंड में दो टी20 जबकि इंग्लैंड में पांच मैचों की टी20 सीरीज खिलेगी।

टीम इस प्रकार है

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

महिला टी20 विश्व कप के प्रबल दावेदारों में न्यूजीलैंड सहित ये चार टीमें

-ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा है सबसे अधिक बार खिताब

लंदन (एजेंसी)। 12 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट को लेकर सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम

रुप देने में लगी हैं। इसको लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। इस बार खिताब की बड़ी दावेदारों में मौजूद चैम्पियन न्यूजीलैंड सहित कुल चार टीमें ऑस्ट्रेलिया, मेजबान इंग्लैंड और भारत भी है। न्यूजीलैंड टीम का लक्ष्य अपने खिताब को बनाये रखना रहेगा। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड भी इस बार खिताब अपने नाम करने उतरेंगी। पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो महिला टी20 विश्व कप में सबसे अधिक बार ऑस्ट्रेलिया की टीम जीती है। उसने सबसे अधिक सात बार इस टूर्नामेंट का फाइनल अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया केवल एक बार, साल 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए फाइनल में हारी है। इसलिएइस बार भी कंगारुओं को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बाद, इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में सबसे अधिक चार बार फाइनल तक पहुंची है, हालांकि वह केवल एक बार, 2009 में जीत दर्ज करने में सफल रही है। वहीं साल 2012, 2014 और 2018 के फाइनलों में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम तीन बार फाइनल में पहुंची है। कीवी टीम ने साल 2009 और साल 2010 में फाइनल खेला है पर उसे दोनों बार इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ेगा। वहीं साल 2024 में न्यूजीलैंड ने पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। पिछले कुछ समय में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी प्रभावित किया है। है। पिछले दो महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका ने जगह बनाई है, लेकिन दोनों ही बार वे चैंपियन बनने से रह गईं। साल 2023 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने और 2024 में न्यूजीलैंड ने हराया था। वहीं भारतीय टीम का पिछले कुछ समय से प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। भारतीय टीम साल 2020 विश्व कप में फाइनल में पहुंची थी पर उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करन पड़ा था। इस बार भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा।

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान: स्वाद से समझौता नहीं, प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उभरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है।

वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है। खासतौर पर नॉनवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा हैं। सिर्फ मांसाहारी भोजन ही नहीं, वैभव मिठाई के भी बहुत बड़े शौकीन हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह स्वादिष्ट राजभोग का स्वाद लेते हैं। इसके साथ

ही आइसक्रीम भी उनकी पसंदीदा चीजों में से एक है। फिलहाल, वैभव खाने-पीने में कोई खास परहेज नहीं करते और जो उन्हें पसंद आता है, उसे खाते हैं। उनका यह बेपरवाह अंदाज आज के युवा खिलाड़ियों के सख्त डाइट रूटीन से काफी अलग है।

यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि आईपीएल 2026 के दौरान जब वैभव से उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था कि वह धीरे-धीरे अपने डाइट प्लान में बदलाव करेंगे। उनका मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उन्हें अपनी फिटनेस को और बेहतर बनाना होगा। हालांकि, वैभव दिखने में भले ही थोड़े भारी लगते हों, लेकिन मैदान पर जब उनका बल्ला बोलता है, तो पता चलता है कि वह पूरी तरफ से फिट हैं। यही कारण है कि कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने उन्हें अपने खान-पान में तत्काल कोई बड़ा बदलाव न करने की सलाह भी दी है, ताकि उनके स्वाभाविक खेल पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। वैभव अपने खेल और खाने के बीच एक ऐसा संतुलन बनाए हुए हैं, जो उन्हें एक विशिष्ट पहचान देता है और भविष्य में जब वह अपनी फिटनेस पर और काम करेंगे, तो निश्चित रूप से और भी खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

रोहित और हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए फिट हो जायेंगे : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट होने के करीब हैं। ऐसे में ये दोनो अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। कोटक ने कहा कि उन्हें दोनों खिलाड़ियों की मेडिकल रिपोर्ट की पूरी जानकारी नहीं पर जो जानकारी मिली है। उससे साफ है कि इन दोनो की फिटनेस पहले से ठीक हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों खिलाड़ी शीघ्र ही पूरी फिटनेस हासिल कर लेंगे। कोटक के इस बयान से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों भी भी राहत है क्योंकि सभी को उम्मीद है कि रोहित इस सीरीज ही नहीं साल 2027 विश्व कप में भी खेलेंगे। रोहित आईपीएल के 19 वें सत्र के दौरान ही हैमस्ट्रिंग के दर्द से परेशान थे। इसी कारण कारण वह कुछ महत्वपूर्ण मुकाबलों से बाहर थे। वहीं ऑलराउंडर पांड्या भी पीठ में जकड़न के कारण तीन मैचों से बाहर रहे थे। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ी अपनी चोटों से उबरते हुए सत्र के अंतिम चरण में अपनी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिए मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। हालांकि अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रोहित और हार्दिक की फिटनेस को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसका कारण है कि अभी तक इन दोनो को बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी से फिटनेस मंजूरी नहीं मिली है पर सोशल मीडिया पर इनकी ट्रेनिंग की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें और चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्साह का माहौल है।

डेब्यू टेस्ट में छाए मानव सुथार, भारतीय क्रिकेट को मिला नया स्पिन सितारा

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट को युवा स्पिनर मानव सुथार के रुप में एक नया स्पिन सितारा मिल गया है। सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस एकमात्र टेस्ट मुकाबले में सुथार ने अपनी करिश्माई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक अबूझ पहेली साबित हुए। उन्होंने अपनी पहली ही उपस्थिति में कुल सात विकेट झटककर भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खर्च करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार स्पिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही मानव सुथार ने भारत के

लिए टेस्ट डेब्यू पर तीसरा सबसे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह इस विशिष्ट सूची में केवल महान स्पिनर नरेंद्र हिरवानी से पीछे हैं, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 8-8 विकेट लेकर कुल 16 विकेट चटकाए थे। सुथार का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज करा गया है और उन्हें भविष्य के लिए एक उज्ज्वल संभावना के रूप में स्थापित करता है।

अपने इस यादगार प्रदर्शन के बाद मानव सुथार ने मैच के दौरान अपनी घबराहट पर काबू पाने और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को लाचार करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, जब मैं पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरा, तो मैं काफी सहज महसूस कर रहा था। कुछ गेंदे खेलने के बाद ही मुझे यह समझ आ गया था कि इस विकेट पर स्पिनरों के लिए थोड़ी मदद मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद जब मैं गेंदबाजी करने आया और अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे वही अहसास हुआ। उसके बाद मेरा पूरा ध्यान केवल सही लाइन, लेंथ और अपनी गति पर नियंत्रण रखने पर था, ताकि मैं लगातार दबाव बना सकूं और विकेट ले सकूं। उनका यह बयान उनकी परिपक्वता और खेल के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। मानव सुथार के इस चमकदार डेब्यू ने भारतीय चयनकर्ताओं और प्रशंसकों दोनों को एक नई उम्मीद दी है, जिससे आने वाले समय में उन्हें बड़े मंच पर और अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है।

ईरान के फुटबॉल महासंघ का दावा, अमेरिका में होने वाले मुकाबलों के लिए प्रशंसकों के टिकट रद्द

तिजुआना (मैक्सिको) । ईरान के फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को दावा किया कि फीफा ने अमेरिका में होने वाले देश के तीन विश्व कप मुकाबलों के लिए ईरानी प्रशंसकों को मिलने वाले टिकट रद्द कर दिए हैं। विश्व कप में हिस्सा लेने वाली 48 टीम में से हर महासंघ को स्टेडियम की क्षमता के आठ प्रतिशत टिकट मिलते हैं और उसके पास उन्हें बांटने का अधिकार होता है, यानी हर मैच के लिए कई हजार टिकट। ईरान को विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को लॉस एंजिलिस रैम्स के स्टेडियम इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ करनी है और इससे कुछ दिन पहले महासंघ ने एक बयान में कहा कि वह अपने समर्थकों को कोई भी टिकट नहीं दे पाएगा। इस मामले में प्रतिक्रिया के लिए फीफा से संपर्क किया गया था। इस दावे से ईरानी फुटबॉल, फीफा और टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका के बीच चल रही उथल-पुथल और बढ़ गई है। अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए थे। ईरान की टीम युद्ध पूर्व के कार्यक्रम के तहत एरिजोना के टक्सन की जगह मैक्सिको की सीमा पर बसे शहर तिजुआना में ट्रेनिंग कर रही है। महासंघ के कुछ अधिकारियों को भी अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा नहीं मिला है जहां ईरान 21 जून को इंगलवुड में बेल्जियम और फिर 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ भी खेलेगा। पिछले साल से ही अमेरिकी सरकार ने ईरान के निवासियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा रखा था और उन्हें विश्व कप के लिए प्रवेश वीजा मिलने की संभावना कम थी।

महिला टी20 विश्व कप : क्या भारत लगातार दूसरा खिताब जीत पाएगा?, 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं

बेंगलुरु (एजेंसी)। क्या भारत ऐतिहासिक 'डबल' (दो बड़े खिताब एक साथ जीतना) पूरा कर पाएगा? क्या ऑस्ट्रेलिया अपनी खोई हुई जगह वापस पा सकेगा? क्या हमेशा अंतिम पड़ाव पर चूकने वाला दक्षिण अफ्रीका इस बार सुर्खियां बटोरेगा? या कोई कमजोर मानी जाने वाली टीम रोमांचक जीत हासिल करेगी? इंग्लैंड में 12 जून से शुरू हो रहे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं हैं। आइए दावेदारों और उनकी चुनौतियों पर नजर डालते हैं-

भारत

पिछले साल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप जीतने के बाद भारत टी20 प्रारूप में जीत दर्ज करके शानदार 'डबल' पूरा करने के लिए उत्सुक होगा। ऐसा कमाल सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही कर पाया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम में ऐसा करने की क्षमता है जैसा कि पिछले छह महीने में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उनकी जीत से साबित हुआ है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका (4-1) और इंग्लैंड (2-1) के खिलाफ उनकी सरजमीं पर भारत को हार झेलनी पड़ी।

टीम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की कमी भी खलेगी जो इंग्लैंड की परिस्थितियों में अहम भूमिका निभा सकती थीं। भारतीय टीम को उम्मीद होगी कि बल्लेबाज शुरू से ही लय पकड़ लेंगी और रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शानदार स्पेल डाल पाएंगी। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों ने 'द हंड्रेड' और 'किया सुपर लीग' में खेला है और वह अनुभव काम आएगा।

ऑस्ट्रेलिया

छह बार की चैंपियन टीम को एलिसा हीली के संन्यास के बाद सोफी मोलिन्यु के रूप में नई कप्तान मिली है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की असली ताकत उनकी जानी-पहचानी और भरोसेमंद कोर टीम है जिसमें एलिस पेरी, ताहलिया मैकग्रा, एशले गार्डनर, मेगन शूट, एलेना किंग और बेथ मूनी शामिल हैं। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन के आने से टीम और मजबूत हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2017 के बाद पहली बार बिना किसी ट्रॉफी के आईसीसी प्रतियोगिता में उतर रही है और वे निश्चित रूप से इस स्थिति को बदलना चाहेंगे।

न्यूजीलैंड

मौजूदा चैंपियन ऐसी टीम के साथ आ रहे हैं

जिसमें अनुभव और युवा जोश का सही मिश्रण है और उन्हें हराना आसान नहीं होगा। न्यूजीलैंड की उम्मीदें मुख्य रूप से सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहू पर टिकी होंगी। टीम इस तिकड़ी के लिए खिताब जीतना चाहती है क्योंकि वे इस टूर्नामेंट के बाद इस प्रारूप से अलग हो जाएंगी। टीम को ऑलराउंडर अमेलिया केर से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि हाल ही में बल्ले से उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वह 2024 में फाइनल और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थीं। पिछले दो वर्षों में उनकी साख और कौशल में और निखार आया है।

इंग्लैंड

मेजबान टीम नियमित कप्तान नैट स्काइवर ब्रंट की फिटनेस पर नजर रखेगी जो भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में नहीं खेल पाई थीं। उम्मीद है कि वह टूर्नामेंट के लिए फिट हो जाएंगी। लेकिन चार्ली डीन की कप्तानी में इंग्लैंड ने उस श्रृंखला में साबित कर दिया कि वे स्काइवर ब्रंट के बिना भी जीत सकते हैं। टीम ने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की थी। टीम के पास एलिस कैपसी, सोफी एक्लेस्टोन, लिंडसे स्मिथ, फ्रेया केम्प और अनुभवी खिलाड़ी हीथर नाइट और डैनी वाट-हॉज जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं।

दक्षिण अफ्रीका

अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में दक्षिण अफ्रीका ने अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल को टीम में शामिल किया है लेकिन उनकी असली ताकत नेदिन डि क्लर्क, सुने लूस, क्लो ट्रायोन और डेन वान नीकर्क जैसी खिलाड़ी हैं जो खेल के किसी भी चरण में शानदार प्रदर्शन कर सकती हैं। शांत स्वभाव वाली लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाले दक्षिण अफ्रीका के पास मारिजेन कैप, अयाबोंगा खाका और एनेरी डर्कसेन के रूप में एक काबिल गेंदबाजी इकाई है। टीम को भारत और ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप में जगह मिली है इसलिए सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें हर समय सतर्क रहना होगा।

छुपा रुस्तम :श्रीलंका

विश्व कप से पहले श्रीलंका की टीम शानदार फॉर्म में है। टीम ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ उनके घर पर पांच मैच जीते हैं। श्रीलंका की सबसे बड़ी स्टार कप्तान चामरी अटापट्टू हैं जिन्हें टूर्नामेंट में बल्ले से अहम भूमिका निभानी होगी। टीम हालांकि पिछले कुछ वर्षों में अपनी इस स्टार खिलाड़ी पर निर्भरता कम करने में कामयाब रही है।

श्रीलंका ने हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका सिल्वा और कविशा दिलहारी जैसी प्रतिभावान खिलाड़ियों को तैयार किया है। हालांकि टीम के पास भरोसेमंद तेज गेंदबाजी आक्रमण नहीं है इसलिए स्पिनरों से उम्मीद की जाएगी कि वे विरोधी टीम पर लगाम कसें। इंग्लैंड में धीमे गेंदबाज कितना असर डाल पाएंगे यह बहस का विषय है। टूर्नामेंट में यह टीम की कमजोरी साबित हो सकती है।

पाक क्रिकेटर खुशदिल शाह का विवादास्पद आरोप : भारत के पक्ष में जाते हैं अधिकांश अंपायरिंग फैसले

लाहौर । शाहिद अफरीदी सहित कई पाकिस्तानी क्रिकेटर हमेशा ही भारत के खिलाफ विवादास्पद बयान देते रहते है। अब इनमें ऑलराउंडर खुशदिल शाह भी शामिल हो गये हैं। जाने खुशदिल ने अब कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बड़े मुकाबलों में अंपायरिंग को लेकर अधिकतर फैसले भारत के पक्ष में जाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध तनावपूर्ण हैं। ऐसे में खुशदिल के इस प्रकार के आरोप माहौल को और गर्मा सकते हैं। खुशदिल शाह ने सिर्फ अंपायरिंग पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि उन्होंने मैचों के आयोजन स्थल के चयन पर भी अपनी आपत्ति जताई है। शाह के अनुसार, अक्सर मैच स्थल भी भारत की पसंद के हिसाब से तय किए जाते हैं, जिससे उन्हें खेल में लाभ मिलता है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों की ओर से भारत के खिलाफ इस तरह के आलोचनात्मक बयान नये नहीं हैं और पहले भी कई क्रिकेटर भारत के खिलाफ बयानबाजी करते आये हैं। एक कार्यक्रम में जब इस क्रिकेटर से भार-पाक मुकाबलों को लेकर पूछा गया तो उसने कहा, मैच में दबाव तो ज्यादा नहीं होता परन्तु इस मैच से भावनाएं बहुत गहराई से जुड़ी होती हैं। दूसरी बात यह है कि मैच में जो चीजें होती हैं, वे अक्सर टीम इंडिया के पक्ष में जाती हैं। जैसे कभी-कभी अंपायर का फैसला उनके पक्ष में चला जाता है, और ड्रेसिंग रूम के कुछ फैसले होते हैं वे भी भारत के पक्ष में होते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि मैच भी उनकी मर्जी से आयोजित होते हैं।

इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है

अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है।

अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने बताया, 'ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नहीं रहा।'

उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए। अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फुकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं। अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी। उन्होंने बताया, 'हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहें। सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि प्रासंगिकता बनाए रखना हमारा लक्ष्य है।' अली फजल जल्द ही 'मिर्जापुर- द मूवी' में नजर आने वाले हैं, जो 4 सितंबर को रिलीज होगी।

समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेटफिलक्स पर अपनी हालिया रिलीज ड्रामा क्राइम कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है। माधुरी दीक्षित ने बातचीत में कहा, 'यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे 'कैसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।' अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे हुए और बिल्कुल असल जिंदगी जैसे हैं। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है। माधुरी ने बताया, 'इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर नियम को तोड़ा है और हमें इसमें मजा भी आया। किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली हैं। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।' 'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है। अपनी दो बेटियों जिम्मेदार जया और बेबाक सुष्मा के साथ वह इस मुसीबत से निपटने के लिए तेजी से सोचती है, झूठ बोलती है और पड़ोसियों से सच छुपाती है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

विशाल जेठवा ने 'शक्ति शालिनी' के लिए बदला लुक, बढ़ाया वजन

विशाल जेठवा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'शक्ति शालिनी' के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। फिल्म में अपने किरदार की जरूरत के मुताबिक वह पिछले कई महीनों से सख्त वर्कआउट, नियंत्रित डाइट और अनुशासित लाइफस्टाइल फॉलो कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विशाल इस भूमिका के लिए खास - तौर पर मसल्स बढ़ाने और खुद को बल्क-अप करने में जुटे हैं। विशाल ने अपनी फिटनेस जर्नी पर बात करते हुए कहा... 'पीक फिटनेस हासिल करना कभी आसान नहीं होता। लोग सिर्फ शारीरिक बदलाव देखते हैं, लेकिन इसके पीछे भावनात्मक और मानसिक अनुशासन भी उतना ही जरूरी होता है। मैं 'नो पेन, नो गेन' में विश्वास करता हूं, क्योंकि बदलाव तभी आता है जब आप मुश्किल दिनों में भी खुद को लगातार आगे बढ़ाते हैं। पूरी प्रक्रिया मेरे लिए सीखने का अनुभव रही है।' बता दें कि विशाल को हाल ही में 'होमबाउंड' के लिए खूब सराहना मिली थी।

शिल्पा शिंदे ने पोस्ट की क्रिप्टिक वीडियो, उत्पीड़न विवाद के बीच ट्रोल्स को दिया जवाब

भारती सिंह के पॉडकास्ट में यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाने की बात को स्वीकार करने के बाद टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे सुर्खियों में आ गई हैं। इस मामले को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स और सेलेब्स उनको खरी-खोटी सुना रहे हैं। यह सब देखकर शिल्पा चुप नहीं बैठ रही हैं, उन्होंने ट्रोलिंग करने वालों को क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए अपना जवाब दिया है। शिल्पा ने जलने वाले लोगों का जिक्र किया शनिवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे लिखती हैं, 'जलने वालों जलते रहो, अपना खून किसी जरूरतमंद को मत दो, जला जला के खत्म कर दो।' इसके अलावा एक और फनी वीडियो पोस्ट वह शेयर करती हैं। इसमें एक रील उन्होंने बनाई है। इसमें वह एक फनी डायलॉग को बोल रही हैं, 'साफ साफ बोलने के चक्कर में, जिंदगी से लोग ही साफ हो गए।'

क्या था पूरा मामला?

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया था। उन्होंने भारती सिंह के पॉडकास्ट में बताया कि सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ झूठा यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। लेकिन बाद में मामला सुलझ गया था। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल साथ फिल्म करेंगे

'बागी' फ्रैंचाइज की फिल्मों के जरिए टाइगर श्रॉफ ने दर्शकों के बीच अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वहीं 'कमांडो' फेम एक्टर विद्युत जामवाल भी अपने जबरदस्त एक्शन के लिए फिल्मों में जाने जाते हैं। अब यह दोनों ही एक साथ फैंस को बड़े पर्दे पर नजर आ सकते हैं। जानिए, यह दोनों किस फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर की। इस पोस्ट में एआई इमेज से पोस्टर बनाया गया था, जिसमें दोनों एक्टर्स नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा, 'दो लीजेंड, एक एपिक शोडाउन'। साथ ही टाइगर श्रॉफ वर्सेस विद्युत भी लिखा है। पोस्टर में दोनों एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट या फिल्म को टी-सीरीज पेश करेगा, इस बात का जिक्र भी पोस्टर पर किया गया है। इससे ज्यादा कोई जानकारी पोस्टर पर साझा नहीं की गई। फिल्म के नाम का भी जिक्र नहीं है। दोनों एक्टर्स के पोस्टर शेयर करने के बाद फैंस के बीच हलचल बढ़ गई। बता दें कि टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल को टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। ऐसा लगता है कि दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा करने के लिए दोनों वहां पहुंचे थे। टाइगर और विद्युत अपने करियर फ्रंट पर और क्या रहे हैं? टाइगर श्रॉफ के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह फिल्म 'बागी 4' में दिखाई दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रेस्पॉन्स मिला था। वहीं विद्युत एक हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में जल्द ही नजर आएंगे, इसमें भी वह जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आएंगे।

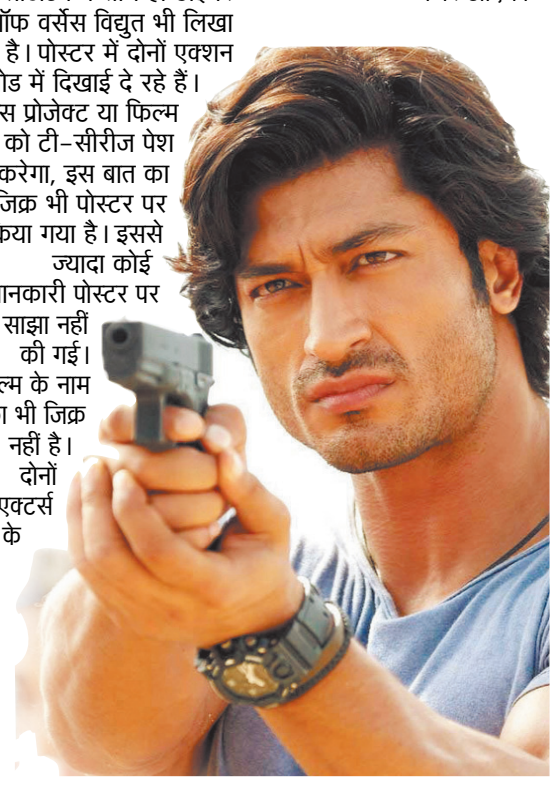

हल्की फुल्की फिल्में करना चाहती हैं रसिका दुग्गल

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन गिनी चुनी एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने पर्दे पर ग्लैमर से ज्यादा गंभीर, संवेदनशील, इंटेंस वाली फिल्मों और किरदारों को तरजीह दी है। साल 2007 में 'अनवर' से डेब्यू करने वालीं रसिका की फिल्मोग्राफी में आपको ऐसी कई फिल्में मिल जाती हैं, जो लीक से हटकर, अंडररेटेड, लेकिन क्लासिक हैं। फिर चाहे 'किस्सा' के नीली का किरदार हो या 'मंटो' में बेगम साफिया का।

जब ओटीटी का दौर आया, तो वहां भी 'मिर्जापुर' से लेकर 'देल्ही क्राइम', 'आउट ऑफ लव' जैसी वेब सीरीज ने रसिका नाम एक समर्थ अभिनेत्री के रूप में दर्ज किया। 41 साल की रसिका हाल ही सैफ अली खान के साथ फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आईं, जहां वह कर्म और धर्म के बीच अपना कर्तव्य निभाने की जद्दोजहद में जूझ रहे जीवनसाथी का संबल बनती हैं। खास बातचीत में जब रसिका ने यह जानने की कोशिश की गई कि क्या ऐसे गंभीर विषय ही उन्हें लुभाते हैं या कभी हल्के-फुल्के, कमर्शल प्रॉजेक्ट करने का भी मन होता है? तो उन्होंने तपाक से जवाब दिया, 'मैं खुद कुछ हल्का-फुल्का या कॉमेडी कॉन्टेंट तलाश रही हूं। लेकिन साड़ी लहराने वाले रोल मुझे ऑफर ही नहीं होते।'

जमशेदपुर, झारखंड में पैदा हुईं रसिका दुग्गल सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि होनहार स्टूडेंट भी रही हैं। उन्होंने 2004 में दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन से गणित में ग्रेजुएशन की डिग्री ली है। वह सोशल कम्युनिकेशंस मीडिया में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एक्टिंग में पीजी डिप्लोमा कर चुकी हैं। 'नो स्मोकिंग', 'हाइजैक' और 'तहान' जैसी फिल्मों से छाप छोड़ चुकीं रसिका कहती हैं, 'मुझे हल्की फुल्की फिल्में भी चलेंगी। कमर्शियल न हो भी हो तो ठीक है।'

मैं भी चाहती हूं कि लोगों की इस धारणा को तोड़ सकूं

बकौल रसिका दुग्गल, 'मैं भी चाहती हूं कि ये जो धारणा है कि मैं किसी चीज में काम कर रही हूं तो वो इंटेंस ही होगी, उसे तोड़ तोड़ सकूं। आप सही हैं कि काफी बार मुझे ऐसे ही रोल मिलते हैं। कुछ हल्के फुल्के भी मिले हैं जैसे 'लूटकेस' या 'ह्यूमरसली योर्स', लेकिन मुझे और ऐसे रोल करने को मिले तो मुझे बहुत खुशी होगी। असल में मैं खुद ऐसा कुछ ढूंढ रही हूं। जैसे अगर कॉमेडी में कुछ करने को मिले तो बहुत मजेदार होगा। क्या रसिका दुग्गल कभी पर्दे पर रूमानी अंदाज में पहाड़ों पर साड़ी का पल्लू लहराने वाली हीरोइन की तरह नजर आएंगी? इस पर वह कहती हैं, 'क्यों नहीं, बतौर एक्टर हम किसी चीज के लिए मना नहीं करते। हम सब अलग-अलग तरह का ही काम करना चाहते हैं, तो अगर ऐसा भी काम मिले तो कोई परहेज नहीं है। मैंने तो कभी ना नहीं कहा। मुझे कभी ऐसे रोल के ऑफर ही नहीं आए।'

लगातार अच्छा काम मिलना भी बड़ी बात

रसिका बॉलीवुड में एक इमेज में बांध दिए जाने के बाबत आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि उस इंटेंस-सीरियस वाले लेबल के अंदर भी हमें काफी कुछ करने को मिलता है। ऐसा नहीं है कि सारे इंटेंस रोल एक जैसे होते हैं। उसमें भी काफी विविधता होती है। वह भी बहुत अच्छी बात है। ऐसा सबकी लाइफ में नहीं होता कि आपको लगातार काम मिलता रहे और अच्छी स्क्रिप्ट मिलती रहे। साथ ही हर एक्टर चाहता है कि आपको एक अलग पहलू भी लोगों को दिखाने का मौका मिले लेकिन वो ऑफर मिलने की बात है।'

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
10 जून 2026

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के वर्ल्ड कप बेस कैंप के पास फायरिंग में 9 घायल

कैनसस सिटी , एजेंसी। अमेरिका के कैनसस सिटी में इंग्लैंड की फीफा वर्ल्ड कप-2026 बेस कैंप साइट के पास शनिवार को गोलीबारी हुई, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। घटना ऐसे समय हुई है जब इसी अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप-2026 शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। गोलीबारी कैनसस सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज के करीब हुई, जिसे वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग बेस कैंप बनाया गया है। घटना स्थल बेस कैंप से करीब 4 मील दूर बताया गया है। हालांकि, इंग्लैंड की टीम अभी वहां नहीं पहुंची है। टीम बुधवार को ऑरलैंडो में कोस्टा रिका के खिलाफ प्री-टूर्नामेंट फ्रेंडली मैच खेलेगी। कैनसस सिटी पुलिस के अनुसार फायरिंग में घायल सभी 9 लोगों की जान को कोई खतरा नहीं है। इनमें से कम से कम 3 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी संदिग्ध को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है। इंग्लैंड वर्ल्ड कप-2026 में ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ खेल रहा है। टीम अपना पहला मुकाबला 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ खेलेगी। 1966 की विश्व विजेता इंग्लैंड इस बार दूसरा विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

बांग्लादेश में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म-हत्या में दंपती को मृत्युदंड

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक दंपती को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया। अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा बताया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन बाल उत्पीड़न रोकथाम न्यायाधिकरण ने घटना के 19 दिन बाद दोषियों की सजा का एलान किया। जस्टिस मसरूर सालेकिन ने रविवार को सोहेल राणा और उसकी पत्नी स्वप्ना खातून को मौत की सजा सुनाई और क्रमशः पांच लाख टका और दो लाख टका का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने जुर्माने की राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी निजी वकील दंपती की पैरवी करने को तैयार नहीं हुआ, जिसके बाद अदालत ने उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक सरकारी वकील नियुक्त किया। बांग्लादेशी कानून के तहत, निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजा को अमल में लाने से पहले उच्च न्यायालय की ओर से फैसले की समीक्षा और पुष्टि किया जाना जरूरी है।

उत्तरी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना का ऑपरेशन, 27 आतंकियों के मारे जाने का दावा; सुरक्षा हालात तनावपूर्ण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 27 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पिछले 72 घंटों में कई खुफिया-आधारित अभियानों के तहत की गई। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, यह ऑपरेशन मीर अली और मीरानशाह इलाकों में आतंकियों के ठिकानों पर केंद्रित था। कई ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक साथ कई ठिकानों पर कार्रवाई की। इस दौरान भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें 27 आतंकवादी मारे गए। इन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। बताया गया है कि ये आतंकी कई आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल थे आतंकी आईएसपीआर के बयान के अनुसार, मारे गए आतंकियों पर निर्दोष नागरिकों की लक्षित हत्याओं में शामिल होने का आरोप था। सुरक्षा बलों ने उन्हें विदेशी समर्थित आतंकवाद से जुड़ा बताया है। सेना ने यह भी दावा किया कि इस ऑपरेशन के दौरान स्थानीय नेता शहीद मलिक सैफुल्लाह दावर की हत्या का बदला भी लिया गया। मीरानशाह में हुई इस घटना के जिम्मेदार आतंकियों को इस कार्रवाई में मार गिराया गया। आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेगा सुरक्षा एजेंसियों ने कहा है कि इलाके में अभी भी तलाशी और सफाई अभियान जारी है, ताकि किसी भी छिपे हुए आतंकी को खत्म किया जा सके। पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों ने स्पष्ट किया है कि 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सरकार का लक्ष्य देश से विदेशी समर्थित आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करना है।

टूट गया सीजफायर? ईरान ने इस्राइल पर दागीं मिसाइलें, तेहरान में एयरस्पेस बंद; सऊदी में खतरा टला

तेहरान / तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने दावा किया है कि ईरान ने उस पर मिसाइलों से हमला किया है। अप्रैल की शुरुआत में लागू हुए युद्धविराम के बाद यह पहली बार है जब ईरान की ओर से ऐसा हमला किया गया है। इस घटनाक्रम से युद्ध समाप्त करने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों को बड़ा झटका लग सकता है।

ईरान की मिसाइल बौछारों के बाद इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'कुछ देर पहले इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में ईरानी शासन के सैन्य ठिकानों पर हमला किया।' इजरायल ने दावा किया कि उसके लड़ाकू विमान ईरान के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे थे। इजरायल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। तेहरान अग्निशमन विभाग के हवाले से आईआरएनए ने बताया कि पश्चिमी तेहरान के निवासियों ने तड़के लगभग 4:43 बजे और 4:45 बजे दो धमाकों की आवाजें सुनीं। हालांकि, शहर के किसी भी शहरी क्षेत्र में विस्फोट की पुष्टि नहीं हुई। आईआरएनए के अनुसार, इजरायली सेना ने दावा किया कि

इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान से संबंधित कई सैन्य ठिकानों और केंद्रों को निशाना बनाया है। आईआरएनए के मुताबिक, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि इजरायल ने अपने नवीनतम हमलों में हवाई-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इजरायली सेना ने रविवार रात ईरान के हमलों की जानकारी देते हुए कहा था कि वह किसी भी संभावित मिसाइल हमले और आगे की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। आईडीएफ के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने रविवार को कहा कि मिसाइलें दागकर ईरान ने 'बहुत बड़ी गलती' की है। बीती रात ईरान ने इजरायल की ओर चार बार मिसाइलों की बौछार की थी। इसके बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की। ईरान के नजफाबाद के पास इजरायली हमलों के बाद धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। अल-मायादीन की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि सैन्य खुफिया जानकारी के आधार पर इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी : ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी ईरान ने सऊदी अरब के अल-खार्ज एयर बेस पर हमले की खबरों को खारिज कर दिया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि ईरान ने अल-खार्ज एयर बेस की ओर कोई भी गोली या मिसाइल नहीं दागी है। यह बयान उस समय आया जब अल-खार्ज इलाके में धमाके जैसी खबरें सामने आईं और सऊदी सिविल डिफेंस ने संभावित खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया था। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की थी। हालांकि बाद में सऊदी अरब ने कहा कि खतरा टल गया है। फिलहाल घटना को लेकर तनाव बना हुआ है।

यमन की ओर से इस्राइल पर दागी गई मिसाइल : इस्राइल की सेना ने दावा किया है कि यमन की दिशा से उसकी सीमा की ओर एक मिसाइल दागी गई है। सेना के अनुसार मिसाइल का पता लगते ही रक्षा प्रणाली को तुरंत सक्रिय कर दिया गया और खतरे को रोकने के लिए इंटरसेप्टर सिस्टम काम में लगाए गए।इस्राइली सेना ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या हताहत की जानकारी सामने नहीं आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस हमले ने क्षेत्र की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

सऊदी अरब ने हटाया अलर्ट, अल-खर्ज में खतरा टला : सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खर्ज गवर्नरेट में जारी संभावित खतरे का अलर्ट वापस ले लिया है। विभाग ने कहा कि अब स्थिति सामान्य है और खतरा टल चुका है। इससे कुछ देर पहले प्रशासन ने लोगों को घरों में रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी थी। हालांकि अधिकारियों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि खतरा किस प्रकार का था। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस अलर्ट ने लोगों की चिंता बढ़ा दी थी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इलाके में निगरानी बनाए हुए हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। सऊदी अरब में अलर्ट जारी सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खर्ज गवर्नरेट में संभावित खतरे को लेकर चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने और अगली सूचना तक घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।

दक्षिण कोरियाः चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच दोबारा मतदान की मांग, सड़कों पर उतरे हजारों प्रदर्शनकारी

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में पिछले सप्ताह हुए स्थानीय चुनावों में कथित धांधली के दावों ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी के पूर्वी हिस्से में स्थित सोंगपा जिले के एसके ओलंपिक हैंडबॉल जिम्नेजियम के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी पिछले तीन दिनों से डेरा डाले हुए हैं। इन प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट रूप से मानना है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी और वे अब नए सिरे से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने किया घेराव : जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर तक लगभग 3,000 लोग धरना स्थल पर जमा थे, हालांकि शनिवार को यह संख्या 30,000 के करीब पहुंच गई थी। प्रदर्शनकारियों ने जिम्नेजियम परिसर के सभी आठ प्रवेश द्वारों को घेर रखा है ताकि अंदर रखी मतपेटियों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। वे लगातार चुनाव दोबारा कराने के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच शनिवार को करीब 20 से 30 चुनाव अधिकारी वहां से निकलने में कामयाब रहे लेकिन राष्ट्रीय चुनाव आयोग (एनईसी) ने अब तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बैलेट पेपर की कमी : राजधानी सियोल में चुनाव के दौरान अव्यवस्था की खबरें बुधवार को ही सामने आने लगी थीं, जब सियोल के सोंगपा और गंगनम जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित 12 से अधिक

मतदान केंद्रों पर बैलेट पेपर कम पड़ गए थे। इस कमी के कारण कई घंटों तक मतदान रोकना पड़ा और निराश होकर कई मतदाता बिना वोट डाले ही वापस लौट गए। इस प्रशासनिक विफलता की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष रोह ताए-अक और महासचिव हेओ चेओल-हून ने शुक्रवार को अपने पदों से इस्तीफे की पेशकश कर दी है। मुख्य विपक्षी दल, पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) ने इस विरोध प्रदर्शन को 'शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध आंदोलन' करार दिया है। पार्टी नेता जांग डोंग-ह्योक ने नेशनल असेंबली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मांग की है कि केवल जांच या अधिकारियों को बदलने से जनता का गुस्सा शांत नहीं होगा, बल्कि दोबारा चुनाव ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने राष्ट्रपति ली जे-म्युंग से इस मुद्दे पर तत्काल वार्ता का प्रस्ताव रखा है। विपक्ष ने राष्ट्रपति को चेतावनी भी दी है कि यदि वे इस संकट को सुलझाए बिना अपनी निर्धारित यूरोप यात्रा पर जाते हैं, तो उन्हें और अधिक व्यापक जन-विरोध का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए इस पूरी घटना पर खेद जताया है।

शीर्ष नेतृत्व में फूट की अटकलों को ईरान ने किया खारिज

तेहरान, एजेंसी। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया कि ईरान की सेना और शीर्ष नेतृत्व में सीजफायर मसौदे को लेकर भारी मतभेद है। अब देश के उप राष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इसे सिरे से नकारा है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) बातचीत में कहा कि देश के सभी वरिष्ठ अधिकारी वार्ता प्रस्तावों को लेकर पूरी तरह एकजुट हैं और बातचीत के मसौदे या प्रस्तावों पर किसी भी तरह के मतभेद की संभावना को खारिज किया है। आईआरएनए के अनुसार, ईरानी सीमा शुल्क प्रशासन के दौरे के दौरान आरिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ वार्ताओं में तेहरान ने एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने वार्ताओं में एक निश्चित रणनीति अपनाई है और सभी अधिकारियों ने पूर्ण समन्वय के साथ उसका पालन किया है। आरिफ ने आगे कहा कि वार्ता के पाठ और प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच 'कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युद्ध और पिछले वर्ष 12-दिवसीय संघर्ष से ईरान ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव और सबक हासिल किए हैं। आरिफ के अनुसार, इन अनुभवों ने देश की निर्णय-प्रक्रिया और राष्ट्रीय रणनीतियों को और अधिक मजबूत बनाने में मदद की है। आरिफ का यह बयान ईरान और अमेरिका के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं के संदर्भ में आया है, जिनका उद्देश्य देश के खिलाफ अमेरिका-इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले से शुरू हुआ था। आरिफ ने 'दो थोपे गए युद्धों' के प्रबंधन में ईरान के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं। उन्होंने कहा कि युद्धकाल के दौरान कई नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और सरकारी अधिकारों का उपयोग कर आयात, माल की उतराई तथा सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया को तेज किया गया।

गाजा में इस्राइली हमलों में नौ फलस्तीनियों की मौत; बेन ग्वीर के सोशल मीडिया पोस्ट पर छिड़ा विवाद

गाजा, एजेंसी। गाजा में रविवार को इस्राइल के हवाई हमलों में कम से कम नौ फलस्तीनी मारे गए। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट के अनुसार, दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में एक पुलिस चौकी पर हुए इस्राइली हवाई हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों और मृतकों को रेड क्रिसेंट द्वारा संचालित फील्ड अस्पताल में ले जाया गया। इसके बाद दिन में गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में एक वाहन पर हुए इस्राइली हमले में कम से कम चार और फलस्तीनियों की मौत हो गई। शिफा अस्पताल ने इन मृतकों के शव प्राप्त होने की पुष्टि की है।

इस्राइली सेना ने हमलों पर नहीं की टिप्पणी : इन दोनों हमलों पर इस्राइली सेना की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई। हालांकि, इस्राइल पहले भी कहता रहा है कि वह उन लड़ाकों को निशाना बनाता है जो उसकी सेना के लिए खतरा बन सकते हैं। पिछले साल अक्तूबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम समझौते के बाद बड़े पैमाने की लड़ाई में कमी आई है, लेकिन इसके बावजूद लगभग रोजाना इस्राइली गोलीबारी और हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं।

'गाजा के 70% हिस्से पर होगा इस्राइल का नियंत्रण : इस बीच, ईरान द्वारा इस्राइल पर मिसाइलें दागे जाने के बाद सुरक्षा स्थिति बिगड़ने का हवाला देते हुए इस्राइल ने गाजा के साथ सभी सीमा पार मार्गों को अगली सूचना तक बंद कर दिया है। गाजा में मानवीय सहायता की निगरानी करने वाली इस्राइली रक्षा एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि इस्राइल जल्द ही गाजा के 70 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे नियंत्रण में गाजा का 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र है और जल्द ही हम 70 प्रतिशत तक पहुंच जाएंगे'। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस्राइल हमास को दोबारा हथियार जुटाने या इस्राइल को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देगा। वहीं, अमेरिका द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस के प्रमुख ने पिछले महीने माना था कि युद्धविराम प्रक्रिया का अगला चरण फिलहाल रुका हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण हमास को निरस्त्र करने के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति न बन पाना बताया गया है।

हमलावर को मारने के बाद मंत्री का वीडियो विवादों में : एक अलग घटना में इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सुरक्षा बलों की सराहना की, जिन्होंने एक हमलावर को मार गिराया था। इस्राइल के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें वह मृत हमलावर के शव के पास खड़े दिखाई दिए। वीडियो में बेन-गवीर ने कहा, 'हर आतंकवादी का यही अंत होना चाहिए'। बेन-गवीर हाल ही में फलस्तीनी हमलावरों के लिए मृत्युदंड लागू करने संबंधी कानून को आगे बढ़ाने की कोशिश कर चुके हैं, हालांकि इस कानून को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेन-गवीर इससे पहले भी कई विवादित वीडियो और बयानों को लेकर आलोचनाओं में रहे हैं। गाजा की समुद्री नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी से जुड़े उनके वीडियो पर भी काफी विवाद हुआ था। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में भी हिंसा में तेजी आई है। इस्राइल ने वहां सैन्य अभियानों को बढ़ाया है, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा, ईरान का खतरा काफी हद तक बेअसर हो गया है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमताएं काफी कमजोर हो गई हैं और यह संघर्ष 'अंतहीन युद्ध' नहीं बनेगा। उन्होंने तर्क दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका तेहरान के साथ परमाणु समझौते को सुरक्षित करने या सैन्य साधनों के माध्यम से अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के करीब है। एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अब केवल अपने मिसाइल भंडार का एक छोटा सा हिस्सा ही बचा है। महीनों तक चली अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान से उत्पन्न खतरा काफी हद तक कम हो गया है। ईरान की शेष सैन्य क्षमता के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'शायद उनके पास 21-22 प्रतिशत मिसाइलें बची हैं। यह काफी संख्या में मिसाइलें हैं। लेकिन यह वैसी नहीं हैं, जैसी तब थीं जब हमने पहली बार हमला किया था। जब उनसे

पूछा गया कि क्या अमेरिका एक और लंबे मध्य पूर्व संघर्ष में फंसने के खतरे का सामना कर रहा है, तो ट्रंप ने इस तुलना को खारिज कर दिया और कहा कि ईरान के खिलाफ चलाया गया अभियान इस क्षेत्र में पहले हुए अमेरिकी युद्धों से बहुत अलग है। उन्होंने कहा, 'मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं। यह कोई अंतहीन युद्ध नहीं है।' यह साक्षात्कार ऐसे समय हुआ जब संघर्ष को 100 दिन पूरे हो चुके थे और प्रशासन की दीर्घकालिक रणनीति और वार्ता के माध्यम से समाधान की संभावनाओं पर सवाल उठते जा रहे थे। ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य अभियानों ने पहले ही प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। उन्होंने कहा, 'हमने उनकी सेना को पूरी तरह नष्ट कर दिया है, ईरान के अधिकांश ड्रोन कारखाने, प्रक्षेपण स्थल और मिसाइल उत्पादन ठिकाने नष्ट कर दी गई हैं। राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान की सैन्य अवसंरचना को शीघ्रता से पुनर्निर्मित करने की क्षमता को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने कहा, 'उन्हें पुनर्निर्माण में 15 या 20 साल लगेंगे। लेकिन मैं उन्हें यह मौका भी नहीं देने वाला। हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते। और हम ऐसा होने नहीं देंगे। जब उनसे पूछा गया कि यदि वार्ता विफल हो जाती है तो पुनः सैन्य कार्रवाई किस आधार पर की जाएगी, तो ट्रंप ने कहा, 'मेरी लक्ष्मण रेखा तब होगी जब मुझे लगेगा कि मैं कोई समझौता नहीं कर पाऊंगा, या अगर मैं पर्याप्त तेज़ी से समझौता नहीं कर पाऊंगा।' राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि वार्ता समापन के करीब है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं, अगर कूटनीति विफल रही, तो हम इसे सैन्य रूप से समाप्त कर देंगे। ट्रंप ने उन सुझावों को भी खारिज कर दिया कि यह संघर्ष नए युद्धों से बचने के उनके लंबे समय से चले आ रहे चुनावी वादे के विपरीत है। उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ भी वादा नहीं किया था। मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं, यह अभियान आवश्यक था, क्योंकि ईरान परमाणु हथियार हासिल करने की ओर बढ़ रहा था। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें किस बात का भरोसा है कि संघर्ष दलदल में नहीं बदलेगा, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम उस स्थिति में नहीं पहुंचने वाले हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका 'लगभग तैयार' है और उसे या तो एक 'मजबूत समझौता' या टकराव का निर्णायक निष्कर्ष मिलने की उम्मीद है।

डोमिनिकन रिपब्लिक में विमान हादसा, टेक ऑफ के समय क्रैश हुआ विमान

सैंटो डोमिंगो , एजेंसी। डोमिनिकन रिपब्लिक के ला रोमाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी विमान क्रैश हो गया। अमेरिका में पंजीकृत यह बिजनेस जेट रविवार को आपात लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एयरस्ट्रिप से टकराने के बाद विमान आग के बड़े गोले में बदल गया। इस हादसे में विमान में सवार चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई।

दुर्घटना का मंजर विचलित करने वाले : प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में विमान आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करता देखा जा सकता है। दुर्घटना से ठीक पहले विमान तेज गति से रनवे पर घिसटता हुआ देखा गया। इसके बाद विमान रनवे से फिसलकर हवाई अड्डा परिसर में ही घास वाले क्षेत्र में चला गया और इसी समय भीषण आग लग गई।

विमान में सवार पायलट और सह-पायलट की मौत : डोमिनिकन नागरिक उड्डयन संस्थान (आईडीएसी) ने इस घटना की पुष्टि की है। संस्थान ने बताया कि पायलट और सह-पायलट ही विमान में एकमात्र सवार थे। दुर्घटना के समय विमान में कोई यात्री मौजूद नहीं था। इसलिए बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं हुए। विमान के मॉडल को लेकर आईडीएसी ने कहा, यह एक गल्फस्ट्रीम जी200 दो इंजन वाला बिजनेस जेट था। अमेरिका में पंजीकरण के बाद इसे एन318जेएफ नंबर आवंटित हुआ था।

टेक्सास जा रही थी फ्लाइट : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे से पहले विमान ला रोमाना से टेकऑफ हुआ था। ला रोमाना देश की राजधानी सैंटो डोमिंगो से लगभग 130 किलोमीटर पूर्व में स्थित लोकप्रिय पर्यटन शहर है। यह विमान अमेरिका के टेक्सास में ऑस्टिन जा रहा था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान आग लग गई। क्या गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण हुई दुर्घटना? विमानन अधिकारियों की तरफ से जारी प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान दुर्घटना से पहले चालक दल के सदस्यों ने आपात स्थिति की सूचना दी थी। विमान में आई गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण आपात स्थिति की सूचना दी गई। उस समय विमान ला रोमाना से लगभग 16 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में था। हादसे की आशंका को देखते हुए पायलटों ने विमान को तत्काल नजदीकी वापस हवाई अड्डे पर लाने का प्रयास किया। आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करने के दौरान विमान क्रैश हो गया।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई बिल्डिंग गिरीं:एक की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के जनरल सैंटोस शहर से करीब 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। फिलीपींस के भूकंप संस्थान के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे गहराई 10 में था, जबकि स्त्रस ने 55 किलोमीटर गहराई दर्ज की। पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। वहीं, इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ तटों पर 1 मीटर तक ऊंची लहरों का खतरा है।

जनरल सैंटोस के पास था भूकंप का केंद्र : फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप पर जनरल सैंटोस शहर से लगभग 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 7:37 बजे आया, जिससे पूरे क्षेत्र में तेज झटके महसूस किए गए।

भूकंप के बाद कई इलाकों में बिजली गुल : जनरल सैंटोस सिटी पुलिस के मास्टर सार्जेंट रॉबर्ट डैगन ने बताया कि कई भवन प्रभावित हुए हैं और राहत-बचाव का काम लगातार जारी है। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली भी चली गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। जनरल सैंटोस सिटी प्रशासन ने दुकानों और

इमारतों को पहुंचे भारी नुकसान की तस्वीरें जारी की हैं। सरंगानी प्रांत के अलाबेल कस्बे के पुलिस प्रमुख बेंजी एंचेटा ने बताया कि पुलिस स्टेशन की इमारत में भी दरारें आ गई हैं। एंचेटा ने रॉयटर्स से कहा, 'यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है जिसे हमने यहां महसूस किया है।' उनके मुताबिक झटकों के दौरान कुछ लोग डर के कारण बेहोश हो गए। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह फिलीपींस भूकंप संस्थान के प्रमुख टेरेसिटो बाकोलकोल ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों या ऊंचे इलाकों में जाने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव दल को अलर्ट कर दिया गया है।

सुनामी का अलर्ट जारी : भूकंप के तुरंत बाद प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कई देशों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया। केंद्र ने चेतावनी दी कि अगले तीन घंटों के भीतर इंडोनेशिया, फिलीपींस, पलाऊ, ताइवान और पापुआ न्यू गिनी के कुछ तटीय इलाकों में सुनामी की लहरें पहुंच सकती हैं। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी।

कई देशों में महसूस हुए झटके : भूकंप के झटके सिर्फ फिलीपींस तक सीमित नहीं रहे। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी और नॉर्थ मालुकू प्रांतों में भी कंपन महसूस किया गया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.